फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 69 प्रभात जयपुर, बुधवार 9 अक्टूबर, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Our New Refugees Tigers-Leopards

Catching few leopards is no guarantee against fresh attacks by the one who is missed, nor justice.

Saying no to social invites

We tend to overestimate the negative consequences

जाट-गैर जाट का ध्रुवीकरण ले बैठा कांग्रेस को हरियाणा में?

ध्रुवीकरण को ताकत मिली इस बात से कि टिकट वितरण में पूरी तरह से चली सशक्त जाट नेता भूपेन्द्र सिंह हूडा की। उन्हें 90 टिकटों में से 73 सीटों पर उम्मीदवार चुनने का एकाधिकार दिया गया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। सभी उम्मीदों और भविष्यवाणियों को उलटते हुए भाजपा ने निर्णायक रुप से कांग्रेस को हराकर और 90 में से 48 सीटों पर जीत हासिल करके पूर्ण बहुमत के साथ तीसरी बार लगातार तीसरी बार सत्ता में तीसरा कार्यकाल अपने नाम किया है।

सूत्रों का कहना है कि मौजूदा मुख्यमंत्री सैनी इस पद पर बने रहेंगे।

जम्मू और कश्मीर में कांग्रेस नैशनल कॉन्फ्रैंस गठबंधन ने 49 सीटों के साथ बहुमत हासिल किया है तथा इस महत्वपूर्ण सीमावर्ती राज्य में सत्ता हासिल करने की भाजपा की उम्मीद पर पानी फेर दिया है।

भाजपा ने जम्मू में केवल 29 सीटें जीती हैं जबकि कांग्रेस की 6 सीटें मिलाकर नैशनल कॉन्फ्रैंस को 42 सीटें मिली हैं। जम्मू में कांग्रेस बुरी तरह हारी और वहाँ एक भी सीट नहीं जीत पाई।

उमर अब्दुल्ला अब जम्मू और कश्मीर के नए मुख्यमंत्री होंगे।

तो हरियाणा में कांग्रेस के साथ ऐसा क्या हुआ कि वो 90 में से केवल 37 सीटें ही जीत पाई और लगातार तीसरे कार्यकाल में अब विपक्ष में बैठेगी।

- इस तथ्य से, ऐसा माना जा रहा है कि गैर जाट भयभीत हुए, क्योंकि वे जाटों के सामर्थ्य व शक्ति से काफी परिचित थे। अतः भाजपा सरकार की भारी एंटी इनकम्बैंसी के बावजूद, गैर जाट वोट भारी संख्या में भाजपा के पक्ष में गिरा।
- दलित वर्ग ने भी कांग्रेस का साथ छोड़ा तथा राम रहीम के नेतृत्व में भाजपा के पक्ष में मतदान किया, जिन्हें चुनाव से पूर्व जेल से पैरोल पर रिहा किया गया था। राम रहीम के अनुयायी मूलतः दलित हैं।
- भाजपा की जीत का एक अहम् कारण यह भी है कि बड़ी होशियारी से भाजपा ने हर सीट पर माइक्रो मैनेजमैंट किया। उदाहरण के लिये, कांग्रेस के वोट बैंक का विभाजन करने के लिए, सीट की स्थिति देखते हुए कहीं तो बसपा का चौटाला की पार्टी से गठबंधन करवाया और कहीं आज़ाद का उपयोग किया और कहीं और निर्दलीय उम्मीदवार खड़े किये, कांग्रेस को नुकसान पहुँचाने के लिये।

हरियाणा में कांग्रेस की इस बुरी हार के लिए कई कारकों को जिम्मेवार माना जा रहा है।

विश्लेषकों का कहना है कि, ध्रुवीकरण और भाजपा का माइक्रोमैने-जमैंट तथा चुनावी जोड़-तोड़ इसका कारण है।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा, "किसी भी राज्य में, जहाँ भाजपा का सी.एम. और डी.एम. है, आप निश्चित रुप से कह सकते हैं कि वो चुनाव जीतेंगे।"

विश्लेषकों का कहना है कि जाट और गैर जाट की भी भूमिका रही है। हरियाणा के जाट दिग्गज, भूपिंदर सिंह हूडा को 90 में से 73 टिकट दिए गए बांटने के लिए, जिससे यह स्पष्ट संदेश गया कि वो ही "बॉस" और अगले मुख्यमंत्री हैं।

इससे गैर जाट डर गए जो जाटों की शक्ति से आंतकित थे और उन्होंने, भारी प्रशासन विरोधी भावनाओं के बावजूद भाजपा को वोट दिया। दलितों ने भी कांग्रेस का पाला छोड़ दिया और जेल से बाहर आए राम रहीम के नेतृत्व में भाजपा को वोट दिया। राम रहीम के अधिकतर अनुयायी दलित हैं।

भाजपा ने, मतों को विभाजित करने के लिए तथा कांग्रेस वोट बैंक में सेंध लगाने के लिए हर एक निर्वाचन क्षेत्र में बखूबी से माइक्रोमैनेजमैंट किया। हरियाणा में चौटाला की पार्टी से बसपा का गठबंधन किया कश्मीर आज़ाद से ताकि वोट काटे जा सके। यही नहीं निर्दलियों को भी मैदान में उतारा कांग्रेस को नुकसान पहुंचाने के लिए।

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि कुछ जिलों में ई.वी.एम. के साथ छेड़छाड़ की गई। पार्टी का आरोप है कि उन ई.वी.एम. में, जिनमें बैटरी 99 प्रतिशत थी (जो कि

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दो अमरीकी वैज्ञानिकों को फीज़िक्स का नोबल

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। फीज़िक्स में वर्ष 2024 का नोबल पुरुस्कार जॉन

- जॉन होपफील्ड और ज्यॉफ्री हिंटन को आर्टिफिशियल न्यूरल नैटवर्क के साथ मशीन लर्निंग में नई खोज करने के लिए नोबल पुरुस्कार दिया गया है।

एच. होपफील्ड एवं ज्यॉफ्री ई. हिन्टन को दिया गया है। इन्हें यह सम्मान

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मंदिर से घर आते दम्पति पर पैंथर ने हमला किया

उदयपुर, 8 अक्टूबर (कासं)। सोमवार रात उदयपुर शहर से करीब 18

- कुराबड़ मार्ग पर यह स्थान उदयपुर शहर से 18 किलोमीटर दूर है। दम्पति बाइक से गिर गया था, पर, अन्य वाहनों की अवाज़ से पैंथर भाग गया।

किलोमीटर दूर कुराबड मार्ग पर पैंथर ने मंदिर से लौट रहे बाइक सवार दम्पति

(शेष पृष्ठ 3 पर)

हरियाणा की सफलता से महाराष्ट्र और झारखंड में भाजपा की संभावनाएं मजबूत होंगी

हरियाणा में तमाम विपरीत हालातों और अनुमानों के बावजूद भी जीत हासिल होना भाजपा की बड़ी सफलता है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। हरियाणा में एग्ज़िट पोल्स की भविष्यवाणियों के विपरीत हुई भाजपा की अप्रत्याशित विजय पार्टी की समझ-बूझ तथा रणनैतिक कौशल को रेखांकित करती है, जबकि पार्टी के सम्मुख अनेक चुनौतियाँ थीं। इस स्थिति में ऐसी सम्भावना प्रतीत होना स्वाभाविक ही है कि शीघ्र ही होने वाले महाराष्ट्र एवं झारखंड के चुनावों में भाजपा की स्थिति को अतिरिक्त बल मिलेगा तथा भाजपा विपक्ष की एकता एवं रणनीतियों को चुनौती दे सकेगी।

हरियाणा में, भाजपा एग्ज़िट पोल्स के जबड़ों से विजय को छीनती दिखाई दी है। विदित ही है कि एग्ज़िट पोल्स ने राज्य में कांग्रेस की बहुत बड़ी जीत की भविष्यवाणी की थी।

हालांकि परिणाम अभी आ रहे हैं, लेकिन बढ़त एवं जीत दर्शा रही हैं कि भाजपा बहुमत के आँकड़े को पीछे छोड़ चुकी है। हरियाणा में भाजपा की लगातार तीसरी जीत हो गई है, इस स्थिति यह जीत और भी असाधारण एवं अद्वितीय हो गई है क्योंकि पार्टी, लम्बे समय से सत्तासीन होने के कारण,

- राजनैतिक हलकों में पूछा जा रहा है कि क्या लोकसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन को मिली सफलता का रंग उतरने लगा है।
- विपक्षी दलों को अब कुछ अलग सोचना होगा और संगठन व प्रबंध के स्तर पर काम करना होगा। अब तक विपक्षी दलों को लग रहा था कि वे जातिवाद के सहारे भाजपा को मात दे सकते हैं।

सत्ता-विरोधी लहर की आंशका से त्रस्त दिखाई दे रही थी।

हरियाणा, जहाँ सारी स्थितियाँ भाजपा के विरुद्ध थीं, में भाजपा की विजय यह दर्शा रही है कि पार्टी पतन की ओर नहीं जा रही, जैसा कि बहुत-से लोगों ने ऐसा सोचा था, जब कुछ पहले हुए लोकसभा चुनावों में इसका प्रदर्शन अपेक्षाओं से कुछ कम रहा था।

जब भाजपा लोकसभा चुनावों में 400 सीट जीतने के अपने लक्ष्य से काफी नीचे रह गई थी, यहाँ तक बहुमत का आँकड़ा नहीं छू पाई थी, उसे अपने बड़े मित्र दलों, टी.डी.पी. तथा जे.डी.(यू.) की मदद से सरकार बनानी पड़ी थी। लोकसभा चुनाव परिणामों को भाजपा के प्रभुत्व के दशक के अन्त तथा विपक्षी दलों इंडिया ब्लॉक के उदय के रूप में देखा गया था। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, जो विपक्ष के सबसे कद्दावर नेता के रूप में उभरे थे, को एक परिपक्व नेता के रूप में देखा गया था, क्योंकि कांग्रेस ने 2019 के चुनावों में जीतीं 52 सीटों से करीब दोगुनी सीटें जीत ली थीं। सुप्रसिद्ध मोदी-लहर, जिसका मतदाताओं पर जबरदस्त प्रभाव था, भी लोगों को उतार पर दिखाई देने लगी थी।

और भी ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह थी कि विपक्षी दल यह मानने लगे थे कि उन्हें आखिरकार जीत का फॉर्मूला मिल गया है। रेवड़ियाँ, जाति-जनगणना, जातिगत कोटा-वृद्धि जैसी चीजें, उनके अनुसार, भाजपा के विकास एवं हिन्दुत्व के एजेंडा को हरा सकती थीं।

प्रधानमन्त्री मोदी को इन चुनावों के

(शेष पृष्ठ 3 पर)

कांग्रेस स्वीकार नहीं कर पा रही है हरियाणा की हार को

हार को समझाने के लिए, वो ही पुराने ई.वी.एम. आदि कारण बता रही है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। कांग्रेस ने हरियाणा के चुनाव परिणाम को अप्रत्याशित एवं स्तब्ध कर देने वाला बताया है। अपने पक्ष की शुरुआती बढ़त के बाद भाजपा के पक्ष में रुझान आने और उनमें भाजपा की बड़ी जीत में तब्दील हो जाने के घंटों बाद, कांग्रेस ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि वह इन परिणामों को स्वीकार नहीं कर सकती।

दिन के पूर्वान्ह काल में ही, कांग्रेस हरकत में आ गई थी तथा उसने चुनाव आयोग को एक पत्र लिख कर शिकायत की कि हरियाणा चुनाव के परिणामों की नवीनतम एवं त्वरित जानकारी देने में "समझ में न आने योग्य धीमी गति" रखी गई।

पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश

- कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने इस बारे में चुनाव आयोग को शिकायती पत्र लिखा और कहा कि मतगणना के बारे में बहुत धीमी गति से अटपटे अंदाज़ में अपडेट किया गया, ऐसा लग रहा था कि अंदर ही अंदर गड़बड़ी चल रही थी।
- जयराम रमेश ने कहा कि 12 से 14 सीटों पर हमारे प्रत्याशियों ने मतगणना में गड़बड़ी की शिकायत की है। रमेश ने कहा कि जो प्रत्याशी अच्छे अंतर से जीत रहे थे, वे पचास, सौ व ढाई सौ वोटों से हार गए।
- रमेश ने कहा, यह तंत्र की जीत है, पर, लोकतंत्र की हार है। हम सारी जानकारी एकत्र कर रहे हैं और उसे चुनाव आयोग के समक्ष पेश करेंगे।

ने पत्र में लिखा, "जैसी कि आप कल्पना कर सकते हैं, इससे "बैड फेथ एक्टर्स" को ऐसे आख्यान गढ़ने का अवसर मिलता है, जो इस प्रक्रिया को कमजोर करते हैं। आप इसके उदाहरण एवं प्रमाण सोशल मीडिया की गतिविधियों में देख सकते हैं। हमें यह भी डर है कि इस प्रकार

(शेष पृष्ठ 3 पर)

नाबालिग से दुष्कर्म, अभियुक्तों को 20 साल की सजा

जयपुर, 8 अक्टूबर। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने 17 साल 9 माह की नाबालिग के साथ कई दिनों तक दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त मुकेश और विक्रम सिंह को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने दोनों अभियुक्तों पर 3.5

- पीड़िता के भाई ने फरवरी 2020 में विराटनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने 25 दिन में अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया था।

लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी के.सी. अटवासिया ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्तों का कृत्य न केवल पीड़िता के प्रति, बल्कि पूरे समाज के खिलाफ किया अपराध है। ऐसे में अभियुक्तों के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक

(शेष पृष्ठ 3 पर)

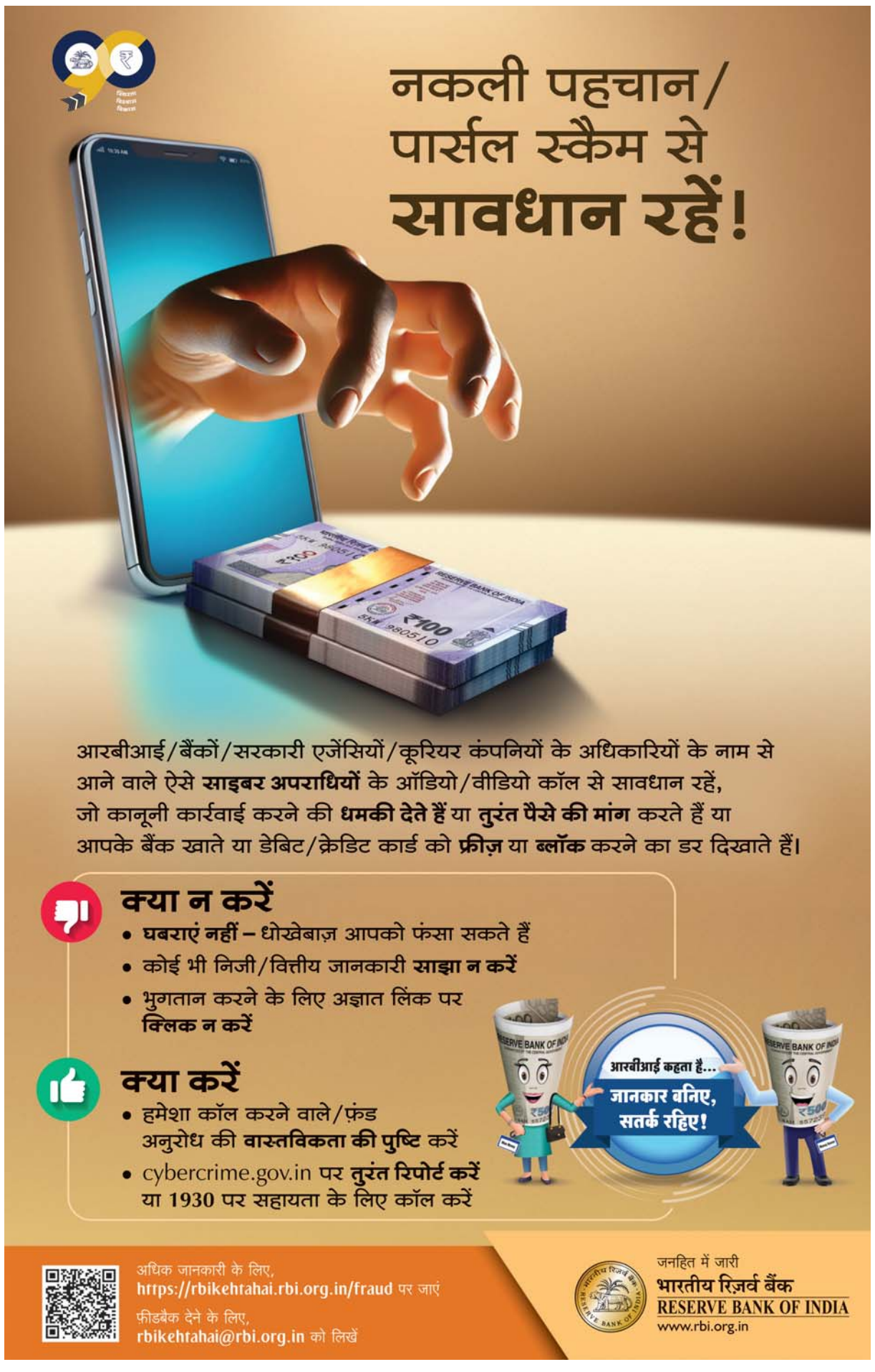

यह स्वीकार करना ही पड़ता है कि भाजपा का पर्दे के पीछे का चुनाव मैनेजमैंट, कांग्रेस से कहीं ज्यादा बेहतर है

कांग्रेस का नेतृत्व काफी विभाजित सा है, प्रदेशों में और केन्द्रीय नेतृत्व कितना भी प्रयास कर ले, कितनी भी समझाइश कर ले, प्रदेश के खेमेबाज नेताओं पर कोई असर नहीं पड़ता

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। हरियाणा में कांग्रेस नेताओं का अति आत्मविश्वास और जरुरत से ज्यादा बड़े ईगो की वजह से कांग्रेस लगातार तीसरी बार भाजपा से हार गई।

हरियाणा विधानसभा का भाजपा को बहुमत मिल चुका है। पार्टी 49 सीटों पर आगे है और कांग्रेस 36 सीटों पर आगे है। चुनाव आयोग की वेबसाइट पर ये आंकड़ें उपलब्ध हैं।

तीन सीटों पर निर्दलीय आगे हैं और एक-एक सीट पर

- हरियाणा में कम से कम 17 सीटें ऐसी थीं, जो कांग्रेस बहुत कम मार्जिन से हारी और वो जीत सकती थी, अगर प्रदेश का नेतृत्व जमीन की सच्चाई को स्वीकार करता और समय की माँग की अवहेलना नहीं करता।
- हूडा की सोच खड़गे और राहुल को माननी पड़ी और हूडा के इस तर्क के आगे मजबूरन झुकना पड़ा कि कांग्रेस स्वयमेव ही जीत रही है और आप व समाजवादी पार्टी से बात करने की जरूरत नहीं है।
- नतीजा यह हुआ कि इंडिया गठबंधन द्वारा तैयार किये गये माहौल व लोकसभा चुनाव के "मोमैन्टम" को उल्टा कर दिया।

आई.एन.एल.डी. और बसपा आगे हैं। आम आदमी पार्टी का खाता भी नहीं खुला है।

कड़ी सुरक्षा के बीच सुबह आठ बजे मतगणना शुरु हुई थी।

राजनैतिक दलों के प्रदर्शन से संबंधित जो आंकड़ें एवं नतीजे उपलब्ध हैं, उन पर एक नज़र डालें तो पता लगता है की कांग्रेस के प्रदेश नेताओं, खासकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हूडा और उनके प्रतिद्वंदी कुमारी सैलजा एवं रणदीप सुरजेवाला के ईगो अति आत्मविश्वास के कारण इन चुनावों में

(शेष पृष्ठ 3 पर)

विचार बिन्दु

केवल प्रकाश का अभाव ही अंधकार नहीं, प्रकाश की अति भी मनुष्य की आँखों के लिए अंधकार है। –स्वामी रामतीर्थ

यह मानना कि हमारी मान्यता गलत हो सकती है!

किसी ने यदि बौद्धिक विनम्रता के बारे में कभी नहीं सुना है, तो वह अकेला नहीं हैं। इस विषय पर पश्चिम में अकादमिक शोध हो रहे हैं। बौद्धिक विनम्रता का अर्थ यह स्वीकार करना है कि हमारी मान्यता गलत हो सकती है। यह विनम्रता हमें खुले दिमाग से सच्चाई को सुनने और उस पर ध्यानपूर्वक विचार करने के लिये तैयार करती है। वर्तमान भारतीय राजनीतिक कोलाहल में यह विषय अत्यंत महत्वपूर्ण है जिसका यहां भी विमर्श आवश्यक है। हालांकि भारतीय परंपरा में पुरातन काल से बौद्धिक विनम्रता की अवधारणा मिलती है। भारतीय वेदों और पुराणों के आख्यान इसकी गवाही देते हैं। विश्व की अन्य दार्शनिक परंपराओं में भी बौद्धिक गुणों की बात की गई है। पिछले दो दशकों में मानव के व्यवहार का अध्ययन करने वाले मनोवैज्ञानिकों और समाजिक वैज्ञानिकों ने इस विषय पर शोध भी किए हैं। एक वाक्य में कहें तो, बौद्धिक विनम्रता यह पहचानना भर है कि जिस चीज़ पर हम विश्वास करते हैं, वह वास्तव में गलत हो सकती है। हालांकि किसी को अपना विश्वास गलत नहीं लगता है। कोई उन चीजों पर क्यों कर विश्वास करेगा जो गलत लगती हैं। लेकिन बौद्धिक रूप से विनम्र व्यक्ति यह पहचानता है कि जिन चीजों पर वह जबरदस्त विश्वास करता है उनमें से कई चीजें वास्तव में गलत हो सकती हैं। दार्शनिक लोग लंबे समय से इसे एक बौद्धिक गुण के रूप में बताते आए हैं, ताकि लोग इस संभावना को पहचान सकें कि वे चीजों के बारे में गलत हो सकते हैं। हाल ही में हुए अनेक अध्ययन बताते हैं कि अधिकांश लोग अपने आप में जितना होना चाहिए उससे कहीं अधिक आश्वस्त होते हैं। वे यह विश्वास करते हुए जीवन जीते हैं कि वे सत्य के पक्ष में हैं। अमरीकी अध्ययनकर्ताओं ने लगभग दस साल पहले यह सवाल पूछना शुरू किया कि अगर हम लोगों को बौद्धिक रूप से थोड़ा और विनम्र बना सकें तो इसका क्या मतलब होगा? यदि हम लोगों को यह एहसास दिलाएं कि उनका विश्वास और दृष्टिकोण कभी-कभी गलत भी हो सकता है, तो क्या इससे उनके निर्णयों में सुधार होगा और क्या वे अन्य लोगों के साथ असहमति और संघर्ष से निपट पाएंगे? भारतीय राजनीति ही नहीं समूची मानव सभ्यता आज जिस मुक़ाम पर है वहां वास्तव में आवश्यकता इस बात की है कि लोगों को उनके विचारों की सटीकता में अधिक यथार्थवादी बनाने के लिए तैयार किया जाय। अकादमिक अध्येता इस सवाल का जवाब खोज रहे हैं कि क्या बौद्धिक विनम्रता एक ऐसा तरीका है जिसे विकसित किया जा सकता हैं? या क्या यह मानव व्यक्तित्व की एक विशेषता है जो कुछ लोगों में होती है और कुछ लोगों में नहीं होती? मनोविज्ञान के अध्येता मानते आये हैं कि लोग निश्चित रूप से बौद्धिक रूप से विनम्र होने के स्तरों में एक समान नहीं होते, उनमें भिन्नता होती है। लोगों की अनिश्चितता के प्रति सहनशीलता के बारे में सोचें तो बौद्धिक रूप से विनम्र होना और यह स्वीकार करना कठिन होता है कि यदि हम हर समय निश्चितता चाहेंगे तो चीजों को नहीं जान पाएंगे। किसी का पालन-पोषण कैसे हुआ है इसका भी इस बात से बहुत लेना-देना होता है। हमें यह प्रवत्ति कहां से मिली? हम जो जानते हैं वह जानकारी कहां से आई है? यह एक व्यक्तित्व विशेषता है, लेकिन मन की एक स्थिति भी है जो कभी-कभी उभरती है। क्या हम इसे साध सकते हैं? यह वह बड़ा सवाल है जिस पर अभी पश्चिम में लोग अध्ययन कर रहे हैं और यह जानने का प्रयास कर रहे हैं कि क्या लोगों को बौद्धिक रूप से अधिक विनम्र बनाने के तरीके विकसित किए जा सकते हैं?

वे पैरामीटर क्या हैं या ऐसी चीजें क्या हैं जो यह निर्धारित करने में मदद करती हैं कि कोई व्यक्ति बौद्धिक रूप से विनम्र होगा या नहीं होगा? इस सवाल के उत्तर खोजने के लिये विशेषज्ञों ने व्यक्तित्व की विशेषताओं पर अध्ययन किया है। उदाहरण के लिए, उन्हें यह जानकारी है कि जो लोग सोचने में बड़ा आनंद लेते हैं उनमें बौद्धिक विनम्रता अधिक होती है। जो लोग अधिक सोचना पसंद करते हैं, उन्हें बौद्धिक खेल खेलना पसंद होता है। वे उन मुद्दों पर विचार करना पसंद करते हैं जिनका कोई उत्तर नहीं होता। मगर दूसरी तरह के लोग तब तक सोचना पसंद नहीं करते जब तक उन्हें वास्तव में ऐसा न करना पड़े। इसलिए माना जाता है कि जितना अधिक कोई सोचने का आनंद लेता है, उतनी ही अधिक संभावना है कि वह बौद्धिक रूप से विनम्र होगा। दूसरी बात है, अस्पष्टता या अनिश्चितता के प्रति सहिष्णुता। हममें से किसी को भी अनिश्चितता पसंद नहीं है। और यदि हम अनिश्चितता को बेहतर ढंग से सहन कर सकते हैं, तो हमारे लिये बौद्धिक रूप से विनम्र होना आसान हो जाता है क्योंकि हम अपनी मान्यताओं पर कायम रहते हुए खुद से कह सकते हैं, कि हां ठीक है, लेकिन मैं पूरी तरह से आश्वस्त नहीं हो सकता कि मैं इस बारे में सही हूं। कई अध्ययनों से यह भी पता चलता है कि अपने विश्वास में निश्चित होने के मामले में पुरुष महिलाओं की तुलना में बौद्धिक रूप से थोड़े कम विनम्र होते हैं। एक अप्रकाशित अध्ययन बताता है कि बौद्धिक विनम्रता पर शिक्षा का जरूर असर पड़ता है। जितनी अधिक गुणवत्ता वाली स्कूली शिक्षा कोई प्राप्त करता है, वह बौद्धिक रूप से उतना ही अधिक विनम्र होता हैं, इस अर्थ में कि वह उन सभी सूचनाओं को पहचानना शुरू कर देता है जिनके बारे में उसे कोई जानकारी नहीं होती। हालांकि स्कूली शिक्षा सामान्यतः बौद्धिक विनम्रता को बढ़ाती है किन्तु वह उन क्षेत्रों में बौद्धिक विनम्रता को कम भी कर देती है जिनमें हम विशेषज्ञता हासिल करते हैं। सामान्यजन की तुलना में एक विशेषज्ञ अपने विश्वासों के बारे में अधिक आश्वस्त होता है। इसलिए विशेषज्ञता और विशिष्टता के क्षेत्रों की बात आती है तो वहां बौद्धिक विनम्रता कम हो जाती है। अध्येता मानते हैं कि बौद्धिक विनम्रता विकसित की जा सकती है। इसके लिये बस यह पहचानना होता है कि मैं गलत हो सकता हूं। जब हम महसूस करने लगते हैं कि हम सभी में यह प्रवृत्ति होती है कि हम कितने सही हैं, इसे बढ़ा-चढ़ाकर आंकते हैं, तो हम अपने आप को जांचने की कोशिश करना शुरू करने लगते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम बस झुक जाएं और कहें, "ठीक है, मैं हार मान लेता हूं, मैं गलत हूं।" वास्तव में इसका मतलब यह है कि हम अपनी मान्यताओं पर थोड़ा कम आत्मविश्वास से रखें और अधिक कारणों की तलाश करें।

> **अध्येता मानते हैं कि बौद्धिक विनम्रता विकसित की जा सकती है। इसके लिये बस यह पहचानना होता है कि मैं गलत हो सकता हूं। जब हम महसूस करने लगते हैं कि हम सभी में यह प्रवृत्ति होती है कि हम कितने सही हैं, इसे बढ़ा-चढ़ाकर आंकते हैं, तो हम अपने आप को जांचने की कोशिश करना शुरू करने लगते हैं।**

अध्येताओं की राय है कि रोल मॉडलिंग के माध्यम से भी लोगों में बौद्धिक विनम्रता बढ़ाई जा सकती है। जैसे स्कूल की कक्षाओं में, शिक्षकों का छात्रों के प्रश्न पूछने पर खुले तौर पर स्वीकार करना कि, 'मैं नहीं जानता।' या यह उत्तर देना कि, "मैं इस बारे में गलत हो सकता हूं। मैंने वास्तव में इस पर गहराई से ध्यान नहीं दिया है। बौद्धिक विनम्रता वास्तव में कमजोरी की बजाय परिपक्वता और बुद्धिमत्ता की निशानी है। खुली मानसिकता और बौद्धिक विनम्रता में निकटता का संबंध होता है। बौद्धिक विनम्रता में हमारे पास पहले से मौजूद विश्वास और इस संभावना को शामिल करना शामिल है कि हम गलत हो सकते हैं। दूसरी तरफ हम उन चीज़ों के बारे में खुले विचारों वाले हो सकते हैं जिनके बारे में हमने पहले कभी नहीं सोचा था, और उसे पहली बार सुन रहे होते हैं और उसे स्वीकार करने को तैयार हैं। मगर इसमें कोई विनम्रता नहीं है क्योंकि ऐसा नहीं है कि आप किसी अन्य तरीके से विश्वास कर रहे थे कि आप इसके बारे में सही थे, और अब आप इस संभावना पर विचार कर रहे हैं कि आप गलत हो सकते हैं। अध्येता इस बात पर भी सतर्क हैं कि बहुत अधिक बौद्धिक विनम्रता रोजमर्रा की जिंदगी में किसी को पंगु न बना दे। बहुत से लोग कहते भी हैं कि मैं बौद्धिक रूप से विनम्र नहीं होना चाहता क्योंकि इसका मतलब है कि मैं आशाहीन होने जा रहा हूं। मैं चीजों पर कोई स्टैंड नहीं लूं। मगर शोध में अध्यायनकर्ताओं को ऐसा नहीं मिला। इसका कारण यह है कि बौद्धिक विनम्रता तीन चीजों पर आधारित होती है। एक तो यह कि मेरे पास वह सारी जानकारी नहीं है जो मुझे चाहिए। दूसरी संभावना यह कि मेरे पास बहुत सारी जानकारी है, लेकिन वह जानकारी इस तरह से पक्षपातपूर्ण हो सकती है कि मैं उसको नहीं मान सकता, और तीसरा यह कि शायद मेरे पास इसमें शामिल सभी साक्ष्यों को वास्तव में समझने की पृष्ठभूमि या क्षमता नहीं है। यह विश्वास की वैधता का एक बहुत ही तार्किक मूल्यांकन है। ऐसी बहुत सी चीज़ें हैं जिन पर हम इसलिए विश्वास करते हैं और मानते हैं क्योंकि किसी विशेषज्ञ ने हमें वैसा बताया है, इसलिए नहीं कि हमने वास्तव में उसका पता लगाया है। बौद्धिक रूप से विनम्र लोग अपनी जानकारी की वैधता की खोज में लगते हैं क्योंकि उन्हें सिर्फ इसलिए नहीं झुकना है क्योंकि कोई और कहता है कि आप गलत हैं। वास्तव में अन्य लोगों की बातों में नहीं आते हुए भी बौद्धिक रूप से पूरी तरह विनम्र हुआ जा सकता है। यह समझ हो जाना ही काफी है कि हमारे सोच की दुनिया वैसी है, क्योंकि यही हमें सिखाया गया है जो कि जरूरी नहीं कि सच हो।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

देवी-देवताओं की सवारियां

प्रो. अशोक कुमार

विभिन्न देवताओं की सवारियों के बारे में जानकारी कई धर्मों और संस्कृतियों में पाई जाती है। ये सवारी, देवता के स्वरूप, शक्तियों और गुणों को दर्शाती हैं। हालांकि, इनके बारे में कोई एकल, सर्वसम्मति से स्वीकृत तथ्य नहीं है, क्योंकि ये अक्सर धार्मिक ग्रंथों, लोककथाओं और कलाकृतियों की व्याख्या पर आधारित होते हैं।

कुछ प्रमुख देवताओं और उनके वाहनों के बारे में जानें:–

शिवजी का वाहन नंदी (बैल) है। नंदी धैर्य, शक्ति और स्थिरता का प्रतीक है। यह शिवजी के शांत और शक्तिशाली स्वभाव को दर्शाता है। विष्णु जी का वाहन गरुड़ है। गरुड़ एक पौराणिक पक्षी है जो ज्ञान, वीरता और निष्ठा का प्रतीक है। यह विष्णु जी के सर्वव्यापी और संरक्षक स्वभाव को दर्शाता है। दुर्गा माता की सवारी शेर है। शेर शक्ति, साहस और क्रोध का प्रतीक है। यह दुर्गा माता के रौद्र रूप को दर्शाता है। गणेश जी की सवारी चूहा है। चूहा बुद्धि, विवेक और बाधाओं को दूर करने की क्षमता का प्रतीक है। यह गणेश जी की बुद्धिमान और बाधाओं को दूर करने वाले स्वभाव को दर्शाता है। कार्तिकेय का वाहन मयूर है। मयूर सौंदर्य, गर्व और युद्ध का प्रतीक है। यह कार्तिकेय के युद्ध देवता होने के रूप को दर्शाता है। लक्ष्मी माता की सवारी उल्लू है। उल्लू ज्ञान और धन का प्रतीक है। यह लक्ष्मी माता के धन की देवी होने के रूप को दर्शाता है।

वाहनों का महत्वः–प्रत्येक वाहन देवता के स्वभाव और गुणों का प्रतीक है। वाहन देवताओं की पूजा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वाहनों को मूर्तियों, चित्रों और मंदिरों में व्यापक रूप से चित्रित किया जाता है।

क्यों विभिन्न देवताओं के अलग-अलग वाहन हैं? प्रत्येक देवता का एक विशिष्ट स्वभाव होता है, और उस स्वभाव को दर्शाने के लिए एक विशिष्ट वाहन चुना जाता है। प्रत्येक देवता की अलग-अलग शक्तियां होती हैं, और उन शक्तियों को दर्शाने के लिए एक विशिष्ट वाहन चुना जाता है।

कथाएंः– कई वाहनों से जुड़ी पौराणिक कथाएं हैं जो देवता और वाहन के बीच के संबंध को दर्शाती हैं। गणेश जी छोटे-से चूहे पर सवार होते हैं। आपके मन में भी यह ख्याल आया होगा कि आखिर गणेश जी ने मूषक को ही अपना वाहन क्यों बनाया। दरअसल भगवान गणेश द्वारा चूहे को अपना वाहन बनाने के पीछे कई पौराणिक कथाएं मिलती हैं। तो चलिए जानते हैं इसका कारण।

1. समुद्र मंथन की कथा :– जब देवताओं और असुरों ने समुद्र मंथन किया था, तब उसमें से कई रत्न निकले थे। इन रत्नों में से एक था हलाहल विष। यह विष इतना जहरीला था कि अगर कोई इसे पी लेता तो सारा संसार नष्ट हो जाता। तब भगवान शिव ने इस विष को पी लिया, लेकिन यह उनके गले में फंस गया। तब माता पार्वती ने गणेश जी को बुलाया और कहा कि वे जाकर भगवान शिव के गले से विष निकाल दें। गणेश जी ने तुरंत भगवान शिव के पास जाकर विष पी लिया, लेकिन उनकी गर्दन नीली पड़ गई। इसी दौरान एक चूहा गणेश जी के पैर पर चढ़ गया और विष को चाटने लगा। गणेश जी ने चूहे को रोकने की कोशिश की, लेकिन चूहा विष पी गया और मर गया। गणेश जी बहुत दुखी हुए और उन्होंने चूहे को पुनर्जीवित कर दिया। तब से चूहा गणेश जी की सवारी बन गया।

2. मुनि वामदेव ने दिया श्राप :–पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार इंद्र देव के दरबार में एक क्रौंच नामक गंधर्व था। जब इंद्र का दरबार चल रहा था, तो क्रौंच हंसी ठिठोली में लगा हुआ था, जिससे दरबार में बाधा उत्पन्न होने लगी। अपनी मस्ती में मस्त क्रौंच ने मुनि वामदेव के ऊपर पैर रख दिया। इससे मुनिदेव क्रोधित हो उठे और क्रौंच को चूहा बनने का श्राप दे दिया। चूहा बनने के बाद भी वह नहीं सुधरा और उसने पराशर ऋषि के आश्रम में बहुत उत्पात मचाया। चूहे के आतंक से परेशान होकर ऋषि, भगवान गणेश की शरण में पहुचे और उन्हें सारी बात बताई। तब भगवान गणेश ने उस उत्पाती चूहे को सबक सिखाने के लिए पाश फेंका, जिसमें वह फंस गया। इसके बाद वह गणेश जी से क्षमायाचना करने लगा, जिससे गणेश जी को उस पर दया आ गई और उसे अपना वाहन बना लिया।

3. गजमुख दानव और गणेश जी :–एक समय की बात है, एक बहुत बड़ा दानव था जिसका नाम गजमुख था। वह बहुत शक्तिशाली था और सभी देवताओं को परेशान करता था। सभी देवता गजमुख से डरते थे, लेकिन गणेश जी ने उसका सामना करने का निश्चय किया। एक भयंकर युद्ध हुआ, जिसमें गणेश जी का एक दांत टूट गया, फिर गणेश जी को इतना गुस्सा आया और उन्होने गजमुख को पराजित कर दिया। गजमुख गणेश जी की शक्ति से बहुत प्रभावित हुआ और उनका भक्त बन गया। गणेश जी ने गजमुख को एक वरदान दिया कि वह हमेशा उनके साथ रहेगा। धीरे-धीरे, गजमुख का रूप बदलकर चूहे का हो गया और वह गणेश जी की सवारी बन गया।

भगवान गणेश द्वारा एक छोटे और दुर्बल जीव को वाहन बनाने के पीछे यह भी है कि गणेश जी कमजोर और दुर्बलों पर कृपा करते हैं। यही कारण है कि एक छोटे से चूहे पर कृपा कर उन्होंने उसे अपने वाहन के रूप में स्वीकार किया। साथ ही उसे इतना प्रबल बनाया कि वह गणेश जी का भार उठा सके। साथ ही गणेश जी का चूहे को वाहन बनाना इस बात का भी संकेत है कि संसार में कभी किसी को छोटा या तुच्छ नहीं समझना चाहिए, क्योंकि हर किसी की अपनी एक उपयोगिता और क्षमता है।

लक्ष्मी जी को धन की देवी माना जाता है और उल्लू को उनका वाहन माना जाता है। यह एक ऐसा संयोग है जो कई लोगों को आश्चर्यचकित करता है। आखिरकार, उल्लू को अक्सर बुराई और अंधकार से जोड़ा जाता है। तो फिर लक्ष्मी जी ने उल्लू को अपना वाहन क्यों चुना? इस प्रश्न का उत्तर जानने के लिए हमें एक पौराणिक कथा की ओर जाना होगा।

पौराणिक कथाः– एक बार माता लक्ष्मी पृथ्वी पर घूम रही थीं। वे एक ऐसे स्थान की तलाश में थीं जहां वे निवास कर सकें। उन्होंने चारों ओर देखा, लेकिन उन्हें कोई भी ऐसा पशु या पक्षी नहीं मिला जो उन्हें अपना वाहन बनने के लिए तैयार हो। तभी उन्होंने एक उल्लू को देखा। उल्लू अंधेरे में भी बहुत अच्छी तरह देख सकता था। वह बहुत ही बुद्धिमान और चालाक था। माता लक्ष्मी ने उल्लू से कहा, 'तुम मेरा वाहन बनोगे?' उल्लू ने तुरंत हां कर दी।

उल्लू को वाहन क्यों चुना?

उल्लू को ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। माता लक्ष्मी ज्ञान और बुद्धि की देवी भी हैं। इसलिए उन्होंने उल्लू को अपना वाहन बनाकर ज्ञान और बुद्धि का प्रतीक बनाया। उल्लू अंधेरे में भी बहुत अच्छी तरह देख सकता है। यह उसकी दूरदर्शिता का प्रतीक है। माता लक्ष्मी भविष्य को देख सकती हैं। इसलिए उन्होंने उल्लू को अपना वाहन बनाकर दूरदर्शिता का प्रतीक बनाया। उल्लू शांत और एकांत स्थानों पर रहना पसंद करता है। यह शांति और एकांत का प्रतीक है। माता लक्ष्मी भी शांति और एकांत को पसंद करती हैं। इसलिए उन्होंने उल्लू को अपना वाहन बनाकर शांति और एकांत का प्रतीक बनाया।

आधुनिक दृष्टिकोणः– आज के समय में, उल्लू को बुराई और अंधकार से जोड़ना एक गलत धारणा है। उल्लू एक बहुत ही बुद्धिमान और सुंदर पक्षी है। माता लक्ष्मी ने उल्लू को अपना वाहन बनाकर यह संदेश दिया कि हमें हर चीज को उसके अच्छे और बुरे पहलुओं के साथ देखना चाहिए।

निष्कर्षः– लक्ष्मी जी ने उल्लू को अपना वाहन इसलिए चुना क्योंकि उल्लू ज्ञान, दूरदर्शिता, शांति और एकांत का प्रतीक है। यह एक ऐसा संदेश है जो हमें आज भी प्रासंगिक लगता है।

दुर्गा माता की सवारी शेर क्यों है? : दुर्गा माता को शेर पर सवार दिखाया जाता है, इसके पीछे कई धार्मिक और प्रतीकात्मक कारण हैं। शेर को शक्ति, साहस और पराक्रम का प्रतीक माना जाता है। दुर्गा माता भी शक्ति की देवी हैं। शेर पर सवार होकर वे अपनी शक्ति और साहस को प्रदर्शित करती हैं। दुर्गा माता ने असुरों का वध किया था। शेर, एक शक्तिशाली जानवर होने के कारण, इस पौराणिक कथा में दुर्गा माता की शक्ति को दर्शाता है। शेर विजय का प्रतीक भी माना जाता है। दुर्गा माता का शेर पर सवार होना, बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है। प्राचीन काल में शेर को राजाओं का वाहन माना जाता था। दुर्गा माता को देवताओं की अधिष्ठात्री देवी माना जाता है और इसीलिए उन्हें शेर पर सवार दिखाया जाता है।

कुछ अन्य कारण भी हैं:–

शेर की गतिः शेर एक तेज गति वाला जानवर है। यह दुर्गा माता की गतिशीलता और तेजी को दर्शाता है।

शेर की दृष्टिः शेर की तीखी दृष्टि बुराई को पहचानने और उसका नाश करने की क्षमता को दर्शाती है।

निष्कर्षः– दुर्गा माता का शेर पर सवार होना, उनकी शक्ति, साहस, विजय और राजसी स्वभाव को दर्शाता है। यह एक गहरा धार्मिक और सांस्कृतिक प्रतीक है जो भारतीय संस्कृति में महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति गोरखपुर,
कानपुर विश्वविद्यालय

अजमेर डिस्कॉम ने 17 जिलों में अभियान चलाकर 1258 जगह बिजली चोरी पकड़ी

डिस्कॉम ने 2.75 करोड रुपए जुर्माना लगाया, 597 जगहों पर बिजली का गलत इस्तेमाल मिला

अजमेर, (कासं)। अजमेर विद्युत वितरण निगम ने डिस्कॉम के सभी 17 जिलों में बिजली चोरों के खिलाफ अभियान की शुरुआत इस माह से कर दी है। निगम द्वारा चलाए जा रहे बिजली चोरों के विरुद्ध अभियान के तहत डिस्कॉम टीम ने 8602 जगहों पर सतर्कता जांच की, इनमें 1258 जगहों पर बिजली चोरी पकड़ी गई, जिन पर 2 करोड़ 75 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। अभियान में 597 मामले विद्युत के गलत इस्तेमाल के दर्ज किए हैं, इन पर 99.85 लाख रुपयों का जुर्माना लगाया है।

अजमेर विद्युत वितरण निगम के प्रबन्ध निदेशक केपी वर्मा ने बताया कि डिस्कॉम ने बिजली चोरों को सबक सिखाने और राजकोष को घाटा पहुंचाने से रोकने के लिए बिजली चोरों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में और अधिक तेजी लाई गई है। उन्होंने बताया कि डिस्कॉम ने इस साल 10 प्रतिशत से कम बिजली छीजत का लक्ष्य रखा है। इसके लिए अजमेर डिस्कॉम की विजिलेंस विंग को इस अभियान में और अधिक तेजी लाने के निर्देश दिए है।

> ■ **डिस्कॉम द्वारा बिजली चोरों को सबक सिखाने और राजकोष को घाटा पहुंचाने से रोकने के लिए अभियान में और अधिक तेजी लाई गई है : वर्मा**

जनसम्पर्क अधिकारी सतीश सोनी ने बताया कि डिस्कॉम की टीम में सबसे अधिक चित्तौडगढ़ जिले के अभियंताओं ने 188 विद्युत चोरी के मामले पकड़े जिन पर 39.53 लाख रुपए जुर्माना लगाया। इसके अतिरिक्त अजमेर सर्किल में 20, ब्यावर में 16, केकड़ी में 13, भीलवाड़ा में 116, शाहपुरा में 42, नागौर में 60, डीडवाना कुचामन में 99, झुंझनू में 186, सीकर में 147, नीम का थाना में 113, बांसवाड़ा में 76, डुंगरपुर में 59, प्रतापगढ़ में 56, राजसमंद में 12, उदयपुर में 49 व सलूम्बर सर्किल में 6 मामले विद्युत चोरी के पकड़े। सभी बिजली चोरों पर कुल 2 करोड़ 75 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है, इसके अतिरिक्त डिस्कॉम ने 597 जगह विद्युत के गलत इस्तेमाल के मामले दर्ज किए, जिसका 99.85 लाख रुपयों का जुर्माना लगाया गया।

गुलाब बाग को यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल कराने की पहल

उदयपुर कलेक्टर पोसवाल ने जिला पर्यटन विकास समिति की बैठक ली

उदयपुर, (निसं)। जिला पर्यटन विकास समिति की बैठक मंगलवार को कलेक्ट्रेट मिनी सभागार में समिति अध्यक्ष और जिला कलेक्टर अरविन्द पोसवाल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में शहर की ऐतिहासिक व प्राकृतिक धरोहर गुलाब बाग को यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल कराने को लेकर प्रस्ताव करने का निर्णय लिया गया। जिला कलेक्टर ने नगर निगम और पर्यटन विभाग को संयुक्त रूप से प्रयास तेज करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उदयपुर शहर के लिए ट्यूरिज्म मास्टर प्लान तैयार करने, शहर में एआई आधारित ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम लागू करने, सूचना केन्द्र के ओपन थियेटर को लोक कलाकारों की प्रस्तुति के लिए तैयार करने सहित पर्यटन विकास व पर्यटकों की सुविधाओं को लेकर सुझावों पर चर्चा भी की गई।

बैठक में नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश, युडीए आयुक्त राहुल जैन, स्मार्ट सिटी लिमिटेड के एसीईओ कृष्णपालसिंह चौहान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक माधुरी वर्मा, पीएचईडी अधीक्षण अभियंता अनिल गर्ग, परिवहन अधिकारी अनिल सोनी सहित अन्य अधिकारी, होटल एसोसिएशन व गाइड एसोसिएशन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिला कलेक्टर पोसवाल की पहल पर उदयपुर शहर के लिए ट्यूरिज्म मास्टर प्लान और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी आधारित ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम तैयार कराने का प्रस्ताव रखा। उपनिदेशक पर्यटन शिखा सक्सेना ने कहा कि ट्यूरिज्म मास्टर प्लान समय की मांग है, यदि उदयपुर में मास्टर प्लान तैयार किया जाता है तो यह प्रदेश का पहला जिला होगा। बैठक में एक निजी फर्म की ओर से मास्टर प्लान की आवश्यकता को लेकर तैयार पीपीटी का प्रजेंटेंशन भी दिया। इसके अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी आधारित ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम को लेकर भी एक डॉक्यूमेंट्री भी प्रस्तुत की गई। जिला कलेक्टर ने शहर के किसी भी एक स्थल का चयन कर एआई आधारित ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम का पायलट प्रोजेक्ट तैयार करने के निर्देश दिए।

> ■ **उदयपुर शहर के लिए ट्यूरिज्म मास्टर प्लान और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी आधारित ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम तैयार कराने का प्रस्ताव रखा**

बैठक में कलेक्टर अरविन्द पोसवाल ने पर्यटकों के मनोरंजन के लिए शहर में विविध स्थलों पर लोक कलाकारों के माध्यम से सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बारे में जानकारी ली। पोसवाल ने सूचना केंद्र में बने ओपन थियेटर का जिक्र करते हुए कहा कि बहुत अच्छा स्थल है, यहां पहले फिल्म गाइड के गीत की शूटिंग भी हो चुकी है। यूडीए के माध्यम से विकास कार्य भी कराया गया है। उन्होंने ओपन थियेटर में पश्चिम सांस्कृतिक केंद्र व लोक कला मण्डल की तर्ज पर पर्यटकों के लिए नियमित सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव देते हुए उसके लिए आवश्यक प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर की पहल पर पिछले वर्ष दीपावली पर शहर में की गई विद्युत सज्जा की सभी सदस्यों ने प्रशंसा करते हुए इस बार भी पहल को जारी रखने का आग्रह किया। इस पर जिला कलेक्टर ने आश्वस्त किया कि इस बार दीपावली पर नवाचार करते हुए आकर्षक विद्युत सज्जा कराई जाएगी। कलेक्टर पोसवाल ने पर्यटन सीजन के दौरान यातायात व्यवस्था को लेकर विशेष प्रयासों के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यातायात प्रबंधन को लेकर प्लानिंग की जाए। यातायात प्रभारी नेत्रपालसिंह ने बताया कि पर्यटन सीजन के दौरान शहर में अनुमानित रूप से 15 से 20 हजार अतिरिक्त वाहन आते हैं। यातायात नियंत्रण के लिए अतिरिक्त जाब्ते की दरकार रहेगी। जिला कलक्टर ने इस संबंध में पुलिस अधीक्षक से चर्चा कर आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर पोसवाल ने नगर निगम और पर्यटन विभाग की ओर से पर्यटकों के लिए प्रस्तावित हेरिटेज वॉक को प्रमोट करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने पर्यटकों को लपकों की ओर से परेशान किए जाने की सूचना पर पर्यटन थाना प्रभारी कर्मवीरसिंह को लपकों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इस पर थाना प्रभारी ने नियमित रूप से की जा रही कार्यवाही से अवगत कराया। जिला कलेक्टर ने परिवहन विभाग को ऑटो रिक्शा चालक एसोसिएशन के साथ बैठक कर उनकी रेट रिवाइज कराकर मीटर का उपयोग सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। शहर के रात्रि के समय पर्यटकों के लिए भोजन आदि की समस्या के मद्देनजर शहर में कुछ स्थल चिन्हित करने तथा पुलिस अधीक्षक से चर्चा कर आवश्यक व्यवस्था करने की बात कही।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 9 अक्टूबर, 2024

अश्विन मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2081, मूल नक्षत्र गुरूवार प्रातः 5:15 तक, सौभाग्य योग प्रातः 6:36 तक, तैतिल करण दिन 12:15 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मिथुन, बुध-कन्या, गुरू-वृष, शुक्र-तुला, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज यमघट योग सूर्योदय से गुरूवार प्रातः 5:15 तक है। आज गुरू वक्री दिन 12:35 से होगा। आज छठ पूजन और मेला है। आज सरस्वती आवाह्न, तप षष्ठी है। आज से जैन ओली आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:21 तक, शुभ 10:47 से 12:14 तक, चर 3:08 से 4:35 तक, लाभ 4:35 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:27, सूर्यास्त 6:01

मेष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

मिथुन
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियों से राहत मिलेगी। मन का भय दूर होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

सिंह
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

कन्या
घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

तुला
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में संतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

कुंभ
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा की हैट्रिक पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यकर्ताओं के साथ खुशी मनाई। भाजपा की विजय पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाजपा कार्यकर्ताओं को स्वयं जलेबी बनाकर खिलाई।

भजनलाल के नेतृत्व में हरियाणा की जीत का भारी हर्षोल्लास दिखा भाजपा मुख्यालय पर

भजनलाल ने भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं को जीत की खुशी में अपने हाथ से जलेबियाँ बनाकर खिलाईं

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हरियाणा की भारी जीत के लिये मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, हरियाणा भाजपा की पूरी टीम, हरियाणा चुनाव प्रभारी सतीश पूनिया, राजस्थान भाजपा अध्यक्ष मदन राठौड़ तथा राजस्थान के कार्यकर्ताओं की मेहनत की सराहना की व बधाई दी।**

जयपुर, 8 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हरियाणा की जनता ने कांग्रेस को करारा जवाब देते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नायब सैनी के विज़न पर फिर से विश्वास जताया है। वहां के जागरुक मतदाता ने विकसित भारत, विकसित हरियाणा के लिए वोट देकर बड़े जनादेश के साथ भाजपा को जिताया है। इसके लिए वहां की जनता बधाई की पात्र है।

उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जो कहते हैं, वो करते हैं और जो करते हैं, वही कहते हैं। इसलिए पूरे देश की जनता में उनके प्रति अटूट विश्वास है। जबकि, कांग्रेस लूट, झूठ और अफवाहों का सहारा लेकर राजनीति करती है। आज हरियाणा की जनता ने कांग्रेस की इस राजनीति को नकार कर करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि जब मैं हरियाणा में चुनाव प्रचार के लिए गया था, तो वहां की जनता के भारी उत्साह को देखकर मैंने साफ कहा था कि हरियाणा में भाजपा की जीत की हैट्रिक बनेगी।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में होने जा रहे चुनावों में भी भारतीय जनता पार्टी जीत हासिल करेगी। यहां तक कि, 2029 के लोकसभा चुनाव में भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा चौथी बार भारी बहुमत से जीत हासिल करेगी।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा केन्द्रीय नेतृत्व को इस ऐतिहासिक जीत का श्रेय देते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और हरियाणा भाजपा की पूरी टीम को इस जीत के लिए बधाई दी। उन्होंने हरियाणा चुनाव प्रभारी सतीश पूनिया, राजस्थान भाजपा अध्यक्ष मदन राठौड़ और राजस्थान के कार्यकर्ताओं को भी हरियाणा चुनाव में की गई अथक मेहनत के लिए धन्यवाद दिया।

गौरतलब है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव अभियान के दौरान मुख्यमंत्री ने जिन विधानसभा सीटों पर प्रचार किया, उनमें से असंध में भाजपा 2 हजार 306 मतों से, समालखा में 19 हजार 315 मतों से, तोशाम में 14 हजार 257 मतों से, इन्द्री में 15 हजार 149 मतों से, राई में 4 हजार 673 मतों से विजयी रही, जबकि लोहारू में कांग्रेस ने केवल 792 मतों से जीत हासिल कर पाई।

नियमों में संशोधन कर राजस्व प्रकरण जल्दी निपटायें- मुख्यमंत्री

भजनलाल शर्मा ने पूर्ववर्ती सरकार के नियम विरुद्ध भू-आवंटन पर सख्त कार्यवाही के निर्देश दिये

- **राजस्व व उपनिवेशन विभाग की समीक्षा में मुख्यमंत्री ने रेवेन्यू अपीनेट अथॉरिटी के कामकाज पर कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिये।**
- **उन्होंने पर्यटन तथा एग्रो प्रोसेसिंग जैसे प्रोजैक्ट के लिये निःशुल्क ऑनलाइन डीम्ड कंवर्ज़न के नियम बनॉने के आदेश दिये।**

जयपुर, 8 अक्टूबर। मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राजस्व एवं उपनिवेशन विभाग की समीक्षा बैटक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्व विभाग जमीनों से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण में तेजी लाएं, ताकि आमजन को त्वरित एवं सुलभ न्याय मिल सके। उन्होंने विभाग की कार्यप्रणाली को और बेहतर बनाने के लिए वर्तमान नियमों में यथासंभव संशोधन करने एवं नियमों के सरलीकरण के निर्देश भी दिए।

उन्होने कहा कि पटवारी, गिरदावर, नायब तहसीलदार आदि की जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए राजस्व संबंधी प्रकरणों का एक निश्चित समयावधि में निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने रेवेन्यू अपीलेट अथॉरिटी की कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा करते हुए, इसके सुचारू संचालन के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय को एक कार्ययोजना प्रेषित करने के निर्देश भी दिए।

शर्मा ने पूर्ववर्ती सरकार के समय में नियम विरूद्ध किए गए जमीन आवंटनों के प्रकरणों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। साथ ही, उन्होंने पयर्टन एवं एग्रो प्रोसेसिंग जैसे प्रोजेक्ट के लिए नि:शुल्क ऑनलाइन डीम्ड कन्वर्जन के सुसंगत नियम बनाने के निर्देश दिए, ताकि वर्तमान में मिल रही कन्वर्जन छूट का दुरूपयोग न हो। शर्मा ने वनप्रत्यावर्तन के क्रम में गैर वन भूमि के शीघ्र आवंटन के लिए एक लैण्ड बैंक स्थापित करने के निर्देश भी दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 9 से 11 दिसम्बर, 2024 तक जयपुर में "राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट" का आयोजन करने जा रही है। इस आयोजन से निवेश का नया वातावरण तैयार होगा और प्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य में बदलाव आएगा। उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारियों को भूमि आवंटन पोर्टल पर बड़े भू-भागों की सूची उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं, जिससे इच्छुक निवेशक को उद्योग लगाने में सुविधा मिल सके।

शर्मा ने कहा कि आवेदकों को त्वरित सुविधा उपलब्ध कराने की दृष्टि से नामांतरण पोर्टल एवं रेवेन्यू लैण्ड कन्वर्ज़न पोर्टल संचालित किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग सूचना तकनीक एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से काश्तकारों को सुविधाएं उपलब्ध कराने में नवाचार कर रहा है, जिसके माध्यम से किसानों को प्रत्यक्ष रूप से लाभ भी मिला है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में पटवारी एग्रीटैक ऐप के माध्यम से ई-गिरदावरी कर रहे हैं।

बैठक में राजस्व मंत्री हेमन्त मीणा एवं राज्य मंत्री विजय सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल एवं प्रमुख सचिव आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव राजस्व एवं उपनिवेशन दिनेश कुमार, राजस्व बोर्ड के अध्यक्ष हेमन्त कुमार गैरा सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

मंदिर से घर आते ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर हमला कर दिया। पैंथर के हमले से दोनों बाइक से गिर गए, लेकिन सड़क पर अन्य वाहनों की आवाज से पैंथर भाग गया।

हमले के शिकार साकरोदा निवासी महेन्द्र सिंह ने बताया कि वे अपनी पत्नी के साथ आशापुरा माताजी मंदिर के दर्शन करने गए थे। रात करीब 9 बजे बाइक से घर लौटते समय माताजी मंदिर के पास ही साकरोदा-भल्लो का गुडा मार्ग पर पहाड़ी की झाड़ियों में से निकलकर अचानक पैंथर ने उनकी बाइक पर झपट्टा मार दिया।

पैंथर बाइक के आगे के मास्क से टकराया और पति-पत्नी नीचे गिर गए। महेद्र सिंह ने बताया कि पैंथर उनकी तरफ बढ़ता उससे पहले ही रोड पर कुछ लोग आ गए।

उनके शोर मचाने से पेंथर भाग गया। दोनों के हाथ -पैरों पर हल्की चोट आई हैं और बाइक के आगे का मास्क टूट गया है। ग्रामीणों ने इस स्थान पर पिंजरा लगाने की मांग की है। लोगों ने बताया कि पहले भी यहां खेत पर एक महिला पर पैंथर ने हमला कर दिया था, उसके बाद यह दूसरी घटना है।

हरियाणा की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रचार के आरम्भ में ही महसूस हो गया था कि उनके व्यक्तिव का जादू काम नहीं कर रहा है, इसलिए उन्होंने पाँच जनसभाओं को सम्बोधित करने के बाद, स्वयं को प्रचार अभियान से दूर कर लिया तथा जन-आकांक्षाओं और अपेक्षाओं को उभारने के लिये अन्य मन्त्रियों को आगे कर दिया था।

हालाँकि केवल एक राज्य के चुनाव परिणाम व्यापक सन्दर्भ में बहुत ज्यादा अर्थ नहीं रखते, लेकिन हरियाणा के चुनाव इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये चुनाव भाजपा की हार के लिए पूरा-पूरा आधार प्रस्तुत कर रहे थे। पार्टी एक ऐसे राज्य में लगातार दो बार सत्ता में रह चुकी थी, जहाँ कोई भी पार्टी लगातार तीसरी बार नहीं जीती है। पार्टी को, कृषक-विरोध के बाद, दबदबे वाले जाट समुदाय के विरोध का भी सामना करना था। राज्य के पहलवानों का विरोध भी पार्टी की स्थिति को बहुत खराब करने वाले कारक के रूप में देखा जा रहा था, क्योंकि हरियाणा में खेलों का बहुत ज्यादा महत्व है। भाजपा को चुनावों से ठीक पहले राज्य के शीर्ष पद पर आसीन मनोहर लाल खट्टर को पद से हटाना पड़ा था, क्योंकि वे मतदाताओं में अलोकप्रिय होते जा रहे थे। तथा पार्टी को एक नये मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चुनाव लड़ना था, जो अपने मुख्य प्रतिद्वन्द्वी, कांग्रेस नेता भूपिन्दर सिंह हुड्डा के कद के समकक्ष नहीं थे। और सबसे ऊपर, एग्ज़िट पोल्स तथा जनमानस एवं जनभावनाएं कांग्रेस के पक्ष में थीं। लोकसभा चुनाव परिणामों, खासतौर से उत्तर प्रदेश के परिणामों, जहाँ भाजपा ने विपक्षी दलों के हाथों बड़ी हार झेली थी, से हतोत्साहित हुए कार्यकर्ताओं के मनोबल में उछाल आने के साथ ही, हरियाणा की जीत से पार्टी की छवि उन मतदाताओं में भी सुधरेगी, जो पिछले कुछ महीनों से भाजपा के पतन तथा इंडिया ब्लॉक के उत्थान के किस्से सुन रहे थे।

दूसरी तरफ, इससे विपक्षी ब्लॉक में भी कुछ वैमनस्य पैदा होगा, क्योंकि विपक्षी ब्लॉक अपनी चुनावी रणनीति तथा सीट-शेयरिंग व्यवस्था पर पुनर्विचार एवं उसका पुनर्मूल्यांकन करने के लिये बाध्य हो जायेगा, क्योंकि कांग्रेस तथा उसके नेता राहुल गांधी के प्रभुत्व को हरियाणा की हार से क्षति पहुँचेगी।

यह स्वीकार करना ही...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस को निराशा हाथ लगी।

हूडा गुट ने हरियाणा में आम आदमी पार्टी और समाजवादी पार्टी व अन्य छोटे दलों को साथ लेने से साफ इन्कार कर दिया, यही नहीं पार्टी में भी उन्होंने विरोधियों से तालमेल नहीं किया, जिसकी वजह से भाजपा विरोधी वोट बंट गए। इस समय उन 17 सीटों के डेटा उपलब्ध हैं जहाँ कांग्रेस मामूली अंतर से हारी है। इस हार को जीत में बदला जा सकता था अगर पार्टी ने जमीनी हकीकत और समय की मांग को स्वीकार किया होता।

हूडा ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और विपक्ष के नेता राहुल गांधी को अपने इस दावे पर यकीन दिला दिया कि अन्य पार्टियों की मांगे उचित नहीं हैं। इस प्रकार उन्होंने लोकसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन के लिए जो अनुकूल माहौल बना था उसे पलट दिया।

प्रदेश नेतृत्व ने हरियाणा को पूरी तरह से अपने पास रखना चाहा और राष्ट्रीय हित के लिए भी अन्य दलों की मांगे स्वीकार नहीं की। प्रदेश नेतृत्व खासकर हूडा पूरी तरह जाट वोटों पर निर्भर रहे, उन्होंने ओ.बी.सी. और दलित वोट बैंक की पूर्ण अनदेख की।

पार्टी में जो खुशी का माहौल था वह मंगलवार सुबह नतीजे आने के साथ ही दुख में बदलने लगा और दोपहर तक जब स्पष्ट हो गया कि पार्टी हार रही है तो पार्टी मुख्यालय में मायूसी छा गई।

- **ऐसा लगा कि प्रदेश के नेताओं की पूरी कोशिश इसी दिशा में लगी कि कैसे हरियाणा की राजनीति के अखाड़े पर उनका एकाधिकार रहे, कोई बाहरी व्यक्ति इस अखाड़े में दखलंदाजी न कर पाये।**

कांग्रेस को भारी जीत की उम्मीद थी, जिसकी भविष्यवाणी एग्ज़िट पोल्स ने भी की थी। सुबह 9 बजे जब शुरुआती रुझानों में कांग्रेस आगे चल रही थी तब पार्टी मुख्यालय पर पार्टी कार्यकर्ता पटाखे चला रहे थे और जलेबी बांट रहे थे, पर 10 बजे जब रुझानों में भाजपा के आगे निकलने की बात सामने आई तो ढोल, मिठाई पटाखे सब गायब हो गया। नेताओं के चेहरे पर मायूसी छाई हुई थी।

पार्टी ऑफिस में कुछेक नेता और मीडिया वाले ही थे, कुछ नेता इस हार के लिए ई.वी.एम. को दोषी ठहराते हुए दिखे तो कुछ ने टिकट वितरण को दोषी ठहराया, पर इस हार पर सभी हैरान थे।

एक पार्टी कार्यकर्ता ने कहा, भारी सत्ता विरोधी लहर थी, हमें यकीन नहीं हो रहा आखिर ये क्या हुआ।

ओलम्पिक खिलाड़ी पहलवान विनेश फोगाट जीत गईं, उन्होंने जुलाना से अपने विरोधी भाजपा के योगेश कुमार को हराया।

मंगलवार दिन में दो बजे भाजपा 47 सीटों पर आगे थी और कुछ पर जीत गई थी, कांग्रेस 38 सीटों पर आगे थी। कई एग्ज़िट पोल्स ने हरियाणा में कांग्रेस की शानदार जीत की भविष्यवाणी की थी।

जम्मू-कश्मीर में भी कांग्रेस को निराशा मिली हैं। हालांकि, नैशनल कॉन्फ्रैंस को बहुमत मिला है, पर कांग्रेस 6 सीटें ही जीत पाई।

अन्ततोगत्वा कांग्रेस को यह स्वीकार करना होगा कि भाजपा चुनाव प्रबंध कांग्रेस से काफी बेहतर है और कांग्रेस में भारी गुटबाजी है।

जम्मू-कश्मीर में नैशनल कॉन्फ्रैंस-कांग्रेस गठबंधन ने 48 सीटों के साथ बहुमत हासिल किया

नैशनल कॉन्फ्रैंस ने 42 सीटें जीतीं, सहयोगी कांग्रेस 6 सीट ही जीत पाई

श्रीनगर/जम्मू, 08 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर में संविधान के अनुच्छेद 370 के हटने और एक दशक के बाद हुए विधानसभा चुनावों में नेशनल कॉन्फ्रेंस (एन.सी.)-कांग्रेस गठबंधन ने बहुमत हासिल कर लिया है।

केन्द्र शासित प्रदेश में विधानसभा की 90 सीटों में से एन.सी.-कांग्रेस गठबंधन ने 48 सीटें जीतीं, जिससे बहुमत का आंकड़ा 46 पार हो गया। वरिष्ठ राजनेता फारूक अब्दुल्ला के नेतृत्व में एन.सी. ने 42 सीटें हासिल कीं, जिनमें कश्मीर क्षेत्र से 35 और जम्मू से सात सीटें शामिल हैं। कश्मीर घाटी में एन.सी. ने 40 सीटों पर चुनाव लड़ा था। एन.सी. के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बडगाम और गंदेरबल,दोनों सीटों पर जीत हासिल की है।

चुनाव नतीजों पर टिप्पणी करते हुए एन.सी. अध्यक्ष एवं जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि ये केन्द्र के पांच अगस्त, 2019 के कदम (जिसने जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को रद्द कर दिया था) की स्पष्ट अस्वीकृति का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने घोषणा की कि उमर अब्दुल्ला गठबंधन सरकार के मुख्यमंत्री होंगे। विधानसभा चुनावों में एन.सी. की सहयोगी कांग्रेस ने खराब प्रदर्शन किया है और पार्टी सिर्फ छह सीटें ही जीत सकी है, जिनमें से पांच कश्मीर क्षेत्र से आईं। जम्मू में कांग्रेस ने सबसे खराब प्रदर्शन किया और पार्टी केवल राजौरी (एस.टी.) सीट जीतने में सफल रही। इसकी तुलना में कांग्रेस ने 2014 के चुनावों में जम्मू से पांच सीटें जीती थीं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जम्मू में अपना प्रभुत्व बनाए रखा है। पार्टी ने जम्मू क्षेत्र से 29 सीटें जीती हैं। पार्टी कश्मीर से एक भी सीट जीतने में विफल रही। भगवा पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण उलटफेर तब हुआ, जब भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना नौशेरा से अपनी सीट हार गए।

नाबालिग से दुष्कर्म, अभियुक्तों को 20 साल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विजया पारीक ने अदालत को बताया कि मामले में पीड़िता के भाई ने 1 फरवरी 2020 को विराट नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि उसकी बहन का साल 2005 में विवाह कर दिया था। वहीं, बीते 8 माह से वह अपने पीहर में ही आकर रह रही थी। आज सुबह जब परिजन उठे तो पीड़िता घर पर नहीं मिली। उसे आसपास और रिश्तेदारों के यहाँ तलाशा, लेकिन उसका पता नहीं चला। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्तों को करीब 25 दिन बाद गिरफ्तार कर अदालत में चालान पेश किया।

सुनवाई के दौरान पीड़िता ने अदालत को बताया कि घटना के कुछ दिनों पहले उसका परिचित कानाराम घर आया था। उस समय वह बिना किवाड़ के बाथरूम में नहा रही थी और घर पर कोई नहीं था। इस दौरान कानाराम ने उसके साथ दुष्कर्म किया और वीडियो बना लिया।

इसके कुछ दिनों बाद, कानाराम, विक्रम सिंह के साथ आया और दोनों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने अदालत को बताया कि 31 जनवरी, 2020 को देर रात को विक्रम ने उसे फोन कर बाहर बुलाया और इसके बाद वह और मुकेश उसे बाइक पर बैठाकर गिर्राज जी ले गए।

यहां धर्मशाला में दोनों ने उससे दुष्कर्म किया। इसके दो दिन बाद, वे उसे जयपुर के पांच्यावाला ले गए। वहां उसे एक कमरे में रखा गया। जब मुकेश बाहर जाता तो विक्रम उससे दुष्कर्म करता और विक्रम के बाहर जाने पर मुकेश उससे रेप करता। ऐसा करीब बीस दिन तक चला और आखिर में पुलिस आकर उन्हें ले गई।

50 सीनियर डॉक्टरों ने इस्तीफा दिया

कोलकाता, 8 अक्टूबर। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में मंगलवार को सामूहिक इस्तीफे दिए गए। 50 सीनियर डॉक्टर्स ने आमरण अनशन कर रहे जूनियर डॉक्टर्स के समर्थन में रिजाइन कर दिया।

सूत्रों के अनुसार, मंगलवार को मेडिकल कॉलेज में कई डिपार्टमेंट और उनके हेड्स की मीटिंग हुई। इस मीटिंग में इस्तीफा देने का फैसला लिया गया।

जाट-नॉन जाट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संभव नहीं है क्योंकि वोटिंग मशीनें जनता से दूर सुरक्षित स्थानों पर थीं) वहाँ भाजपा जीती, जबकि, जहाँ ई.वी.एम. बैटरी 60 से 70 प्रतिशत थी, वहाँ कांग्रेस जीती है।

भाजपा ने कहा, जब भी कांग्रेस हारती है, वो ऐसे ही आरोप लगाती है।

पार्टी के अंदर आपसी मतभेदों ने भी बड़ी भूमिका निभाई। वरिष्ठ नेता मुख्यमंत्री की दौड़ में लगे रहे, कुमारी सैलजा रुठी रहीं और चुनाव अभियान में शामिल नहीं हुई क्योंकि उन्हें हूडा से कम टिकट मिले थे।

कांग्रेस के कई नेता, पार्टी के दलित वोट दूर जाने के लिए सैलजा को जिम्मेवार ठहरा रहे हैं। जबकि, सैलजा का आरोप है कि हूडा जिम्मेवार है क्योंकि उन्होंने सब कुछ अपने हाथ में ही रखा।

जम्मू में कांग्रेस ने भाजपा से समझौते कर खुद को ही नुकसान पहुंचाया। यहां कांग्रेस के कई नेताओं के खिलाफ केस चल रहे हैं और वे भाजपा के साथ मेलजोल रखे हुए।

ए.आई.सी. महासचिव भरत सिंह सोलंकी ने तो कथित रुप से पूरी तरह से भाजपा का ही कहा मान रहे थे और उन्होंने ऐसे प्रत्याशियों को टिकट दिया जिससे भाजपा को फायदा हो।

कांग्रेस नेता गुलाम मोहम्मद मीर ने भी संदिग्ध भूमिका निभाई क्योंकि वे मुख्यमंत्री बनना चाहते थे और उन्हें पार्टी को गुमराह किया।

अब समय आ गया है कि राहुल गांधी बैठकर विचार करें कि पार्टी में कहां गड़बड़ हो रही है। लोकसभा चुनावों से जो फायदा मिला है वह हाथ से निकल जो इससे पहले ठोस कदम उठाना होगा। हरियाणा की हार कांग्रेस का भारी नुकसान है इसका असर झारखंड और महाराष्ट्र पर भी पड़ सकता है।

दो अमरीकी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आर्टिफीशियल न्यूरल नैटवर्क्स के साथ मशीन लर्निंग को सक्षम बनाने वाली खोजों के लिए दिया गया है।

नोबल एकेडमी ने अपने बयान में कहा कि इन वैज्ञानिकों ने अपनी खोज में फीजिक्स के टूल्स का इस्तेमाल किया है। होपफील्ड ने प्रिंसटन युनिवर्सिटी में अपना शोध किया। उन्होंने नैटवर्क विकसित किया जो डेटा में तस्वीरों व अन्य पैटर्न को सुरक्षित रख सकता और रीक्रिएट कर सकता है। इसे होपफील्ड नैटवर्क नाम दिया गया है।

होपफील्ड नैटवर्क भौतिकी पर आधारित है, विशेष रुप से यह बताता है परमाणुओं के अंदर छोटे चुंबक कैसे व्यवहार करते हैं।

ज्यॉफ्री हिंटन युनिवर्सिटी ऑफ टॉरंटो के हैं, उन्होंने हॉपफील्ड नैटवर्क का प्रयोग करके एक नया नैटवर्क विकसित किया जो एक अलग मैथड बोल्ट्ज़मैन मशीन का प्रयोग करता है। यह विभिन्न आंकड़ों में महत्वपूर्ण विशेषताओं को पहचानना सीखती है।

कांग्रेस स्वीकार नहीं कर पा रही है हरियाणा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की बातों का उपयोग गलत विचार रखने वाले लोग वहाँ उस प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए कर सकते हैं, जहाँ अभी मतगणना हो रही है, अर्थात अधिकांश मतगणना केन्द्रों में इसका गलत उपयोग हो सकता है।"

चुनाव आयोग ने इन आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि सभी सीटों के करीब 25 राउन्डों की मतगणना की जानकारी हर पाँच मिनट पर अपडेट की जा रही है। अपने जवाब में चुनाव आयोग ने यह भी कहा कि आयोग "गैर जिम्मेदाराना, निराधार तथा अपुष्ट एवं दुर्भावनापूर्ण कथनों को विश्वनीयता प्रदान करने के आपके (रमेश जी के) अप्रत्यक्ष प्रयास को साफ तौर पर खारिज करता है।"

शाम को करीब 5 बजे एक प्रैस कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित करते हुए, रमेश ने कहा, "हरियाणा के परिणाम पूरी तरह अप्रत्याशित, पूरी तरह चौंकाने वाले तथा सहजबोध के प्रतिकूल हैं। ये वास्तविकता के विरुद्ध हैं। ये हरियाणा के लोगों के उस दृढ़ निश्चय के विरोधी हैं, जो उन्होंने बदलाव एवं परिवर्तन के लिए किया था। इन परिस्थितियों में, आज घोषित हुए परिणामों को स्वीकार करना हमारे लिए सम्भव नहीं है। हमने आज हरियाणा में जो कुछ देखा, वह गड़बड़ी की जीत, जनता की इच्छा को नष्ट किए जाने की जीत, तथा पारदर्शी लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की हार है। हरियाणा का अध्याय अभी पूरा नहीं हुआ है।" उन्होंने आगे कहा, "आज दोपहर बाद पूरे समय, मैं चुनाव आयोग के सम्पर्क में रहा हूँ। उन्होंने मेरी शिकायतों का उत्तर दिया है। मैंने उस उत्तर का प्रत्युत्तर दिया है। हमें मतगणना की प्रक्रिया तथा हरियाणा के कम से कम तीन जिलों में इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन्स (ई.वी.एम.) के कार्य करने के बारे में बहुत गम्भीर शिकायतें मिली हैं। जितनी शिकायतें हमारे पास आ रही हैं, शिकायतें उनसे कहीं बहुत ज्यादा हैं। हम ये सारी जानकारियाँ तथा शिकायतें इकट्ठा कर रहे हैं तथा इन्हें आज या कल चुनाव आयोग के सम्मुख रखेंगे।"

जब उनसे पूछा गया कि क्या पार्टी को इस तथ्य को आत्म-परीक्षण की जरूरत है कि उसके 16 वर्तमान विधायक हरियाणा में चुनाव हार गए हैं तथा जम्मू-कश्मीर के चुनाव भी नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठजोड़ के चलते ही जीते जा सके हैं, तो उन्होंने उत्तर दिया कि आत्म-निरीक्षण का समय भी आयेगा। लेकिन उन्होंने कहा, "इस समय इसे महत्वपूर्ण चीज पर यह है कि जीत हमसे छीन ली गई है। तन्त्र का दुरुपयोग किया गया है।"

कांग्रेस नेता ने प्रारम्भिक रिपोर्ट्स के आधार पर कहा कि हरियाणा की 12-14 सीटें ऐसी हैं, जहाँ उम्मीदवारों ने गम्भीर प्रश्न उठाये हैं तथा ये प्रश्न मतगणना प्रक्रिया की सत्यनिष्ठा तथा ई.वी.एम. के काम करने के विषय में हैं। यह पूछे जाने पर, कि क्या पार्टी कानून का सहारा लेगी, रमेश ने कहा कि हम सबसे पहले तो चुनाव आयोग के पास जायेंगे तथा फिर पार्टी विचार करेगी कि उसके क्या करने की जरूरत है। उन्होंने घोर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा, "ई.वी.एम. की व्यवस्था की इन मशीनों की सत्यनिष्ठा तथा स्थानी प्रशासनिक अधिकारियों पर असाधारण दबाव से संबंधित गम्भीर सवाल हैं। हरियाणा में "डबल इंजन" सरकार रही है, इसलिए "डबल इंजन" दबाव है। जो लोग अच्छे-खासे अन्तर से बढ़त लिए हुए थे, वे 50, 100, 250 वोटों से हार गए हैं। यह केवल गड़बड़ी और दबाव के चलते ही हो सकता है।"

प्रैस कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित करते वरिष्ठ कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि पार्टी को हिसार, महेन्द्रगढ़ तथा पानीपत जिलों से लगातार शिकायतें मिलती रहीं। उन्होंने नारनौल उम्मीदवार राव नरेन्द्र सिंह का उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा, "जिन ई.वी.एम. मशीनों में 99 प्रतिशत बैटरी थीं, उनके द्वारा दिए गए परिणाम हमारे खिलाफ थे, तथा जिन मशीनों में 60-70 प्रतिशत बैटरी थी तथा जिन्हें स्पर्श नहीं किया गया था, वे सामान्य रूप से काम कर रही थीं तथा उनके परिणामों में हमारे उम्मीदवार विजयी रहे। हमारे उम्मीदवारों ने रिटर्निंग अफसरों को भी शिकायतें दी हैं। हम जल्दी ही चुनाव आयोग जायेंगे। "ये तन्त्र की जीत है, लोकतन्त्र की हार है।" खेड़ा ने आगे कहा, "हमने यह नहीं कहा है कि सभी मशीनें दोषपूर्ण हैं। हमने यह भी नहीं कहा है कि हरियाणा की सारी मशीनें दोषपूर्ण हैं। लेकिन गड़बड़ी हुई है, ...। आप मुझे बताएं: ये मशीनें इतने दिनों से पड़ी हुई हैं, इन सबमें स्टैन्डर्ड 99 प्रतिशत बैटरी कैसे हो सकती है? ऐसा नहीं कि शिकायतें दोपहर बाद शुरू हुईं, शिकायतें एक भी परिणाम आने से पहले ही कर दी गई थीं। राव नरेन्द्र सिंह तथा हमारे पानीपत उम्मीदवार हमें शिकायतें करना तभी शुरु कर दिया था, जब उन्हें बढ़त हासिल थीं।" जब एग्ज़िट पोल्स की भविष्यवाणी में कांग्रेस की आसान जीत बताई गई थी, उसके बाद, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा था कि भाजपा लगातार तीसरी बार राज्य में सरकार बनायेगी तथा भविष्यवाणी की थी कि कांग्रेस ई.वी.एम. पर दोषारोपण करेगी। सैनी ने कहा था, "आठ तारीख को जनता देगी जवाब, और ये कहेंगे ई.वी.एम. है खराब।"

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

आयोग ने भर्ती का विज्ञापन जारी किया

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा मूल्यांकन विभाग में अनुसंधान सहायक के 26 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया है।

शैक्षणिक योग्यता, वर्गवार वर्गीकरण, आवेदन प्रक्रिया एवं अन्य जानकारी संबंधी विस्तृत सूचनाऐं आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि उक्त पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन 15 अक्टूबर से 13 नवंबर 2024 की रात्रि 12 बजे तक तक किए जा सकेंगे। ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। परीक्षा तिथि व स्थान के संबंध में यथा समय सूचित कर दिया जाएगा।

कार्यालय जोधपुर नगर निगम उत्तर

क्रमांकः– विकास/उत्तर/द्वितीय/2024–25/480 दिनांकः– 07.10.2024

:: ई–निविदा सूचना संख्या ::

नगर निगम जोधपुर की ओर से विभिन्न विकास कार्य हेतु ऑनलाईन ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की विस्तृत जानकारी एवं शर्तें इत्यादि वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.raj.nic.in पर एवं जोधपुर नगर निगम उत्तर की वेबसाईट https://lsg.rajasthan.gov.in/mcjn देखी जा सकती है। UBN No. DLB2425WSOB10120

राज.संवाद/सी/24/6242 महापौर आयुक्त

कार्यालय नगर परिषद, पुष्कर जिला -अजमेर (राज)

क्रमांक :- न.पा.पु./स्वास्थ्य/2023/1649 दिनांक :- 04/10/2024

ई-निविदा सूचना

नगर परिषद पुष्कर में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों, सेवाप्रदाताओं व एनजीओ से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से सुखा व हरा चारा सप्लाई कार्य हेतु राशि 30.00 लाख रूपये हेतु ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। ऑन लाईन निविदा फार्म डाउनलोड करके भरने की दिनांक 05.10.2024 को 9 ए.एम. से दिनांक 20.10.2024 को समय 6 पी.एम तक एवं निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in व https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

यूबीएन नं. : DLB2425GLOB10019 सभापति नगर परिषद पुष्कर आयुक्त नगर परिषद पुष्कर

राज.संवाद/सी/24/6217

मुख्यमंत्री निःशुल्क जाँच योजना

Rajasthan Medical Services Corporation Limited, Jaipur
Gandhi Block, SwasthyaBhawan, TilakMarg, C-Scheme, Jaipur - 302005
Ph. No. 0141-2223887, Fax : 0141-2228065 E-mail : edepmrmsc-rj@nic.in
CIN:U24232RJ2011SGC035067 Website:http://rmsc.health.rajasthan.gov.in

No. F-8( ) RMSC/EPM/M-5/2024-25/NIB-830/784 Dated: 08.10.2024

NOTICE INVITING BID

Bids for Item **Sleep Lab (Polysomnography)** are invited from interested bidders up to 28.10.2024; 06:00 p.m. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state; and http://rmsc.health.rajasthan.gov.in.

UBN-: MSC2425GLRC00044

Executive Director (EPM) RMSCL, Jaipur

Raj.Samwad/C/24/6298

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

(राजस्थान सरकार का उपक्रम) एसबीयू एण्ड पीसी-लिग्नाईट, सी-स्कीम, जयपुर- 302005(राज.), फोन नम्बर: (0141)2227938, 2227710, 2227715, फैक्स: (0141)2227360, 2227761 Email:- Jaipur.rsmml@rajasthan.gov.in

ई-निविदा सूचना दिनांक :- 07/10/2024

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
F.6(1)56/CC/2024/ 115 Dated 07.10.2024 UBN No. MML2425SLOB00130	सोनारी लिग्नाईट परियोजना, बाड़मरे पर तीन (03) बालेरो – 07 सीटर (ए.सी. डीजल टैक्सी परमिट) या समकक्ष वाहन मय वाहन चालक सहित किराये पर लेने हेतु । टैक्सीयों का मॉडल वर्ष 2022 या उसके बाद का होना आवश्यक है। अनुमानित मूल्य (रू.) 60.00 लाख धरोहर राशि (रू.) – 120,000/-, निविदा राशि– 4720/- जी.एस.टी. सहित। ई–निविदा प्रक्रिया शुल्क रूपये 1500/– का डी.डी. जो कि एम.डी.आर.आई.एस.एल. जयपुर के नाम देय हो।

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com अथवा www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा प्रबंधक (यांत्रिकी–अनुबंध) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/24/6272 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर

क्रमांक-संक्षिप्त वि.सं.16/Exam/Researej Assostamt/RPSC/EP-1/2024-25 दिनांक-08.10.2024

आयोग द्वारा मूल्यांकन विभाग के लिए राजस्थान अधीनस्थ सेवा (भर्ती एवं सेवा की अन्य शर्तें) नियम 2001 के अन्तर्गत अनुसंधान सहायक (RESEARCH ASSISTANT) के कुल 26 पदों पर भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते है। शैक्षणिक योग्यता, वर्गवार वर्गीकरण, आवेदन प्रक्रिया व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी उक्त पदों हेतु आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन का अवलोकन करें। उक्त पदों हेतु आयु सीमा, आवेदन अवधि व अन्य विवरण निम्नानुसार है-

आयु सीमा	दिनांक 01.01.2025 को न्यूनतम 18 वर्ष एवं अधिकतम 40 वर्ष से कम होनी चाहिये।
आवेदन अवधि	दिनांक 15.10.2024 से दिनांक 13.11.2024 रात्रि 12.00 बजे तक।
परीक्षा का स्थान व माह	स्थान व तिथि के संबंध में यथासमय सूचित कर दिया जायेगा।

अन्य बिन्दु व सूचना-एकबारीय पंजीयन शुल्क, आवेदन प्रक्रिया, प्रमाण पत्रों से संबंधित सूचना एवं परीक्षा से संबंधित अन्य बिन्दु व सूचना के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध नवीनतम एवं संशोधित परीक्षार्थियों हेतु आवेदन व परीक्षा संबंधी सामान्य दिशा-निर्देश तथा सम्बन्धित सेवा नियमों का अध्ययन आवश्यक रूप से कर लें। इसके अतिरिक्त उक्त परीक्षा के संबंध में समय-समय पर जारी सूचनाओं का अवलोकन आयोग की वेबसाईट https://rpsc.rajasthan.gov.in पर कर सकते है। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के मार्ग निर्देशन/सूचना/स्पष्टीकरण हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के परिसर में स्थित स्वागत कक्ष पर व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष सं.-0145-2635212 एवं 2635200 पर संपर्क किया जा सकता है। समस्त पत्र व्यवहार सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर को सम्बोधित किया जाए।

DIPR/C/9688/2024 राम निवास मेहता, सचिव

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER RAJGARH MEDIUM IRRIGATION DIVISION BHAWANIMANDI

E-Mail: wrrajgarh@gmail.com - Phone No.: 07433-222122

No.-E.E./Rajgarh/Actt./2024-25/1279 Date:- 30/09/2024

E-NIT No. 01/2024-25

Bids for (1) "Construction of Micro Storage Tank at Village Runji, Tehsil Pahphar District Jhalawar". (under MJSA 2.0, Phase-I) (Rs. 34.06 Lakh)." (2) "Construction of Micro Storage Tank Near Village Rajpura, Tehsil Pachphar District Jhalawar". (under MJSA 2.0, Phase-I) (Rs. 53.94 Lakh)." (3) "Construction of Micro Storage Tank At Village Bishniya Tehsil Gangdhar, District Jhalawar." (under MJSA 2.0, Phase-I) (Rs. 37.21 Lakh)." (4) "Construction of Anicut at Village Khejdiyakhal, Tehsil Pachpahar, District Jhalawar." (under MJSA 2.0, Phase-I) (Rs. 19.50 Lakh)." (5) "Construction of Micro Storage Tank Near Village Khejdiyakhal, Tehsil Pachphar, District Jhalawar." (under MJSA 2.0, Phase-I) (Rs. 55.40 Lakh)." (6) "Construction of Amrit Sarovar At Village Runji, Tehsil Pachphar, District Jhalawar." (under MJSA 2.0, Phase-I) (Rs. 32.74 Lakh)."are invited from interested bidders (registered in appropriate class) from 04.10.2024 (9:30 AM) to 13.10.2024 (06:00 PM). Other particulars, terms & conditions may be seen on the procurement portal www.eproc.rajasthan.gov.in, www.waterresources.rajasthan.gov.in www.dipr.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in &

NIB Code :-
UBN For Item No. 01 :-
UBN For Item No. 02 :-
UBN For Item No. 03:-
UBN For Item No. 04 :-
UBN For Item No. 05 :-
UBN For Item No. 06 :-

(Kamlesh Kumar Meena) Executive Engineer Rajgarh Medium Irrigation Division Bhawanimandi

DIPR/C/9515/2024

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

पृथ्वीराज मार्ग, अजमेर (राज.)

क्रमांक : आर.ओ.(ओ.आर.)/1257 दिनांक : 07.10.2024

ई–नीलामी सूचना

रजिस्ट्रेशन एवं अमानत राशि ऑनलाईन जमा कराने दिनांक व समय :– 07.10.2024 सांय 06:00 बजें से 15.10.2024 को सांय 05:00 बजें तक।
ऑनलाईन बोली की दिनांक व समय :– 16.10.2024 प्रातः 11:00 बजें से 17.10.2024 को प्रातः 11:00 बजें तक।
नीलामी स्थल एवं समस्त भुगतान प्रक्रिया – ऑनलाईन

नगर निगम अजमेर द्वारा निम्नांकित अवधि के लिये निम्न वर्णित पार्किंग स्थल के संचालन हेतु ई–नीलामी आमंत्रित की जाती है:–

क्र. सं.	पार्किंग स्थल का नाम	ठेका अवधि	(प्रतिभूति) अमानत राशि	प्रारम्भिक सरकारी बोली (प्रथम वर्ष)
1	पुराना पशु चिकित्सालय गोल प्याउ के पास नया बाजार अजमेर।	कार्यादेश की दिनांक से 1 वर्ष तक	45,500/–	22,60,500/–

अतः इच्छुक व्यक्ति/फर्म/संस्था नगर निगम के ऑनलाईन पोर्टल https://ajmermc.procure247.com/home पर नियमानुसार रजिस्ट्रेशन कराकर ई–नीलामी में भाग ले सकते है। नियम व शर्तों की जानकारी नगर निगम अजमेर की अन्यकर शाखा में किसी भी कार्यालय दिवस व समय पर ली जा सकती है एवं नगर निगम की वेबसाईट www.urban.rajasthan.gov.in/mcajmer व Rajasthan State public Procurement Portal पर भी सूचना उपलब्ध है। UBN-ANN2425SLOB00134

राज.संवाद/सी/24/6244 उपायुक्त

राजस्थान सरकार

निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर

विभागीय दूरभाष नं. 0294-2415091 विभागीय एक्सटेंशन नम्बर 211, 212 व 219

क्रमांक निदे/अ.ख.अ. नीलामी/निलामी (QL2) /2024/ई-08618

नीलामी विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली 2017 के अध्याय-III के तहत अप्रधान खनिजों के 118 क्वारी लाईसेंस प्लॉटों का आवंटन किये जाने के लिए ई-नीलामी के माध्यम से इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर बोली आमंत्रित की जाती है। क्वारी लाईसेंस प्लॉटों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है।

क्र.सं.	जिला	ग्राम (तहसील)	खनिज	कुल प्लॉट
1	चित्तौड़गढ़	रावडदा (बेंगू)	सेण्डस्टोन	83
2	चित्तौड़गढ़	बिनोता,विजयपुरा पटवार हल्का गुढाखेडा (निम्बाहेडा)	लाईमस्टोन (पट्टी) फर्शी एवं खण्डा)	15
3	भीलवाडा	सुखपुरा,खड़ीपुर, बिजौलिया खुर्द (बिजौलिया)	सेण्डस्टोन	15
4	जोधपुर (ग्रामीण)	करणीसर व सिहांदा (शेरगढ)	सेण्डस्टोन	03
5	नागौर	खाटूकला (जायल)	सेण्डस्टोन	02

क्वारी लाईसेंस प्लॉटों का विस्तृत विवरण, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण, ई-ऑक्शन की शर्तें विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC Ltd. की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध हैं।

(भगवती प्रसाद) IAS निदेशक

DIPR/C/9593/2024

पदयात्रियों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, महिला की मौत

एक दर्जन घायल, शीतला माता के दर्शन कर करीब 400 पदयात्री नौ ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में सवार होकर लौट रहे थे

निवाई/गुंसी, (निसं) गुंसी से राहोली जाने वाले सड़क मार्ग पर सोमवार की रात करीब 8:15 बजे शीतला माता चाकसू से वापस अपने गांव चतुर्भुजपुरा आते समय पदयात्रियों से भरी एक ट्रैक्टर–ट्रॉली पलट गई, जिससे उसमें सवार एक महिला की मौत हो गई और दर्जन भर यात्री घायल हो गए।

- **सजिया गांव के पास अचानक ट्रैक्टर के सामने गायों का झुंड आने से हादसा हो गया**

निवाई सदर थाना प्रभारी जयमल सिंह ने बताया कि गांव चतुर्भुजपुरा एवं आसपास की ढाणियों से करीब 400 पदयात्री सोमवार सुबह ही माताजी के ढोक लगाने गए थे। शाम को माताजी के भोग लगाकर प्रसादी ग्रहण करने के बाद करीब नौ ट्रैक्टर–ट्रॉलियों में सवार होकर वापस अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान रात करीब सवा आठ बजे सजिया गांव के पास अचानक ट्रैक्टर के सामने गायों का झुंड आ गया। जिन्हें बचाने के प्रयास में ट्रैक्टर असंतुलित हो गया और ट्रॉली पलटी खा गई। जिससे ट्रॉली के नीचे दबने से पदयात्रियों में चीख पुकार मच गई। चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और अन्य पदयात्रियों के सहयोग से ट्रॉली को ऊंचा कर सभी घायलों को बाहर निकाला और दो 108 एंबुलेंस की सहायता से चाकसू और निवाई सरकारी अस्पताल में सभी घायलों को पहुंचाया।

निवाई-गुंसी के समीप पलटी हुई ट्रैक्टर-ट्रॉली के नीचे दबे हुए यात्रियों को ग्रामीणों ने निकाला।

घटना में सुनिता उर्फ सोनू 32 वर्ष पत्नी मनोहर उर्फ मनोज जांगिड़, दीपक पुत्र भैरू जांगिड़, निवासी चतुर्भुजपुरा, रामराज पुत्र रामपाल मीणा निवासी मोहनपुरा एवं सियाराम पुत्र पप्पू गुर्जर निवासी राहोली को चाकसू के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया जहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने सुनीता उर्फ सोनू जांगिड़ को मृत घोषित कर दिया। दीपक की हालत ज्यादा गम्भीर होने पर उसे जयपुर रैफर कर दिया गया। उन्होंने बताया कि प्रिंस जांगिड़ (12) पुत्र मनोज जांगिड़, पृथ्वी सिंह पुत्र जगदीश सिंह, अनीता देवी पत्नी गणेश जैन, गणेश प्रसाद पुत्र रामेश्वर सैन, सीता देवी पत्नी कालूराम सैन, निशा पुत्री प्रहलाद जांगिड़, आदित्य शर्मा पुत्र सुरेश शर्मा, साक्षी (8) पुत्री गणेश सैन व राजवीर सिंह पुत्र भरत सिंह को निवाई चिकित्सालय में भर्ती करवाया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद सभी की छुट्टी कर दी गई। वहीं सूचना पर विधायक रामसहाय वर्मा एवम निवाई शहर थानाधिकारी हरिराम वर्मा भी सामुदायिक चिकित्सालय जाप्ते सहित पहुंचे और घटना की जानकारी ली। विधायक वर्मा ने एक्स–रे रूम खुलवाकर सभी घायलों का एक्स–रे करवाया।

चोरों ने समारोह स्थल, घर और मंदिर को निशाना बनाया

अजमेर, (कासं)। शहर में चोरों ने समारोह स्थल, घर और मंदिर को निशाना बनाया। जानकारी के अनुसार सिविल लाइन थाना क्षेत्र में चोरों ने एक समारोह स्थान को निशाना बनाया। नया बाजार निवासी राकेश गर्ग ने थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। दर्ज रिपोर्ट में पीड़ित गर्ग ने बताया कि उसके समारोह स्थल से अज्ञात चोर करीब चार लाख का सामान चोरी कर ले गए हैं।

वहीं कोतवाली थाना क्षेत्र नागफनी निवासी दिव्यांशी सेन ने अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। दर्ज रिपोर्ट में पीड़िता ने बताया कि वह अपनी स्कूटी से बजरंगगढ़ स्थित मंदिर दर्शन के लिए आई थी, जब मंदिर परिसर के अंदर गई, तब अपना बैग मंदिर परिसर के कुर्सियों पर रख दिया था, जिसमें उसका एक लैपटॉप था। दर्शन करने के बाद वापस लौटी तो बैग वहां नहीं था, इधर–उधर ढूंढा भी लेकिन बैग नहीं मिला। वहीं पत्रकार कॉलोनी कोटड़ा निवासी जितेंद्र सिंह ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया गया है। दर्ज रिपोर्ट में पीड़ित सिंह ने बताया कि अज्ञात चोरों ने घर पर चोरी की वारदात अंजाम देते हुए घर से सोने–चांदी के जेवरात सहित 45 हजार रुपए की नगदी पर हाथ साफ कर अन्य सामान भी चुरा ले गए।

गोगुंदा में आदमखोर पैंथर की तलाश जारी

आदमखोर पैंथर को तलाशती रेस्क्यू टीम को सायरा के पास घायल जरख मिला

उदयपुर, (कासं)। जिले की गोगुंदा तहसील में लोगों पर हमला करने वाले पैंथर की तलाश जारी है। वहीं गोगुंदा क्षेत्र में सायरा के पास मंगलवार को एक जरख नाले के पास घायल मिला। सूचना पर वन विभाग की टीम रेस्क्यू कर जरख को उदयपुर लेकर आई, जहां उसका उपचार जारी है।

- **वन विभाग की टीम रेस्क्यू कर जरख को उदयपुर लेकर आई, उपचार किया**
- **इमरजेंसी रिस्पांस टीम के दूसरे दल ने पूरे जंगल की स्थिति को जाना**

जानकारी अनुसार सायरा थाना क्षेत्र में झालों का कलवाणा व गायफल गांव के बीच नाले के पास मंगलवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे जरख के घायल होने की सूचना मिली। वनपाल विकास मीणा टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्हें जरख झाड़ियों के पास नाले के पास मिला। उन्होंने बताया कि जरख को पकड़ने के लिए उदयपुर से रेस्क्यू टीम बुलाई गयी। टीम ने आकर उसे रेस्क्यू किया और पिंजरे में डालकर उड़नदस्ते के जरिए उदयपुर के सज्जनगढ़ बायोलोजिकल पार्क ले गए जहां उसका उपचार किया जा रहा है। रेस्क्यू करने के दौरान मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई।

जानकारी के अनुसार इस क्षेत्र में भी पिछले दिनों पैंथर को लोगों के देखने के बाद से लोग घबराए हुए हैं। बताया गया है कि जरख के शरीर पर चोट के निशान थे, जिससे यह लगता है कि उसको पत्थर मारे गए हैं। संभावना जताई जा रही है कि पैंथर से घबराएं लोगों ने पत्थर मारे हो। हालांकि इससे जुड़ा कोई साक्ष्य वन विभाग को नहीं मिला है। इधर गोगुंदा और बड़गांव तहसील से सटे जंगलों में वन विभाग की ओर से चलाए जा रहे सर्च ऑपरेशन के बाद भी पैंथर को लेकर कुछ पता नहीं चला। इमरजेंसी रिस्पांस टीम (ईआरटी) के दूसरे दल ने मंगलवार को भी पूरे जंगल की स्थिति को जाना और पैंथर के हमले वाले प्वाइंट और उसके मूवमेंट वाले जंगल को देखा। टीम में शामिल वाइल्ड लाइफ विंग के अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक राजेश गुप्ता, रणथंभौर के फील्ड डायरेक्टर अनूप केआर और केवलादेव नेशनल पार्क के डीएफओ मानस सिंह शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि पैंथर ने राठौड़ों का गुडा और केलवों का खेड़ा में 30 सितंबर और 1 अक्टूबर को हमला किया था, लेकिन अभी तक उन जगहों पर वापस पैंथर का मूवमेंट नहीं हुआ है।

डंपर ने कार और बाइक को टक्कर मारी, एक की मौत

घायलों को अस्पताल में भर्ती कर उपचार किया।

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के बानसूर रोड़ पर साबी नदी के पास एक तेज रफ्तार डंपर एक कार और बाइक को कुचलते हुए सड़क से करीब 20 फीट नीचे खेत में जाकर पलट गया। हादसे में बाईक सवार युवक की मौत हो गई जबकि कार चालक को गंभीर हालात में कोटपुतली जिला अस्पताल पहुंचाया गया जहां से उसे जयपुर के लिए रैफर कर दिया गया। घटना के बाद ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

- **डंपर सड़क से करीब 20 फीट नीचे खेत में जाकर पलट गया**

जानकारी के अनुसार मंगलवार की दोपहर करीब 2.30 बजे बानसूर रोड़ पर साबी नदी के पास की है। घटना में बाइक डंपर के नीचे दब गई जिसको तीन क्रेनो की सहायता से करीब एक घण्टे में निकाला गया। जिसमें बाईक चकनाचूर हो गई। बीडीएम ट्रोमा इंचार्ज श्रीराम गुर्जर ने जानकारी देते हुए बताया कि बानसूर की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने कोटपुतली की तरफ से जा रहे बाइक सवार बुटेरी निवासी अंचल उर्फ रेशू शेखावत (22) और कार चालक राजपाल गुर्जर निवासी आलनपुर (हरसौरा) को कुचलते हुए नीचे खेत में जाकर पलट गया।। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को निकालने में जुट गए। इस दौरान बाइक सवार रेशू शेखावत और कार चालक राजपाल गुर्जर को बाहर निकाला गया और रोटी बैंक निशुल्क एंबुलेंस की सहायता से कोटपुतली जिला अस्पताल पहुंचाया गया जहा डॉक्टरों ने रेशू शेखावत को मृत घोषित कर दिया, वही राजपाल गुर्जर की गंभीर हालात होने पर कोटपुतली से रैफर कर दिया। शाम तक राजपाल गर्जर की स्थिति भी नाजुक बनी हुई थी। ग्रामीणों ने डंफर के नीचे और लोग दबे होने की आशंका पर कोटपुतली से तीन क्रेन मंगवाई और डंपर को खेत से बाहर निकाला, डंपर के नीचे बाइक दबी हुई निकली।

कंटेनर का स्टेरिंग फेल, खाई में गिरा

मनोहरपुर, (निसं)। कस्बे के जयपुर से दिल्ली जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर टायर का केमिकल ले जा रहे एक कंटेनर का स्टेरिंग फेल होने से वह संतुलित होकर राष्ट्रीय राजमार्ग के बीच में बने डिवाइडर की खाई में गिर गया। जिससे चालक के गंभीर चोट लग गई। जानकारी के अनुसार जहाजपुर भीलवाड़ा निवासी शिवराज पुत्र बद्रीलाल अपने कंटेनर में टायर पाउडर का केमिकल भरकर मुंदरा पोर्ट से भिवाड़ी की ओर जा रहा था।

इसी दौरान मनोहरपुर थाने के पास कंटेनर का ब्रेक फेल होने से कंटेनर संतुलन खोकर सड़क के बीच बने डिवाइडर की खाई में गिर गया। जिससे चालक शिवराज गंभीर आप से घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए मनोहरपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV. HINDAUN

File No. 2379-88 Date:- 01/10/2024

Notice Inviting Bid

Bid (E-NIT No. 09/2024-25) for Consultancy Work "Preparation of Detailed Project Report (DPR) including Land Acquisition" are invited from Registard & Interested bidders up to 6.00 PM on 15.10.2024. procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website may be Visited for Other Details of Bid. The approximate value of the procurement is Rs. 33.80 lacs.

UBN NO. NIB PWD2425A1967
UBN PWD2425SLOB07239

(Hari Narayan Meena) Executive Engineer PWD Division Hindaun

DIPR/C/9539/2024

राजस्थान सरकार

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम

मिनी स्वास्थ्य भवन, सेठी कॉलोनी, जयपुर

क्रमांक/भण्डार/266 दिनांक-01.10.2024

ई-निविदा सूचना

इस कार्यालय के अधीन जिला स्वास्थ्य समिति जयपुर प्रथम के अन्तर्गत वित्तिय वर्ष 2024-25 में आयोजित किये जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिये जाने हेतु भोजन, आवास एवं मिटिंग हॉल की व्यवस्था किये जाने हेतु ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है।

निविदा फार्म एवं भरे हुये निविदा फार्म (ई-निविदा) के माध्यम से दिनांक 01.10.2024 से 21.10.2024 को दोपहर 12.00 तक डाउनलोड एवं अपलोड किया जा सकेगा। ऑनलाईन ई-निविदा के माध्यम से जमा/अपलोड करायी गयी निविदाओं को दिनांक 21.10.2024 को दोपहर 3.00 बजे खोला जायेगा। शेष शर्तें निविदा प्रपत्र में अंकितानुसार होगी जो SPPP.raj.nic.in एवं eprocure.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास सुरक्षित रहेगा। अन्य जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। निविदा शुल्क 1000/- प्रति टेण्डर व अमानत राशि के डिमाण्ड ड्राफ्ट जिला स्वास्थ्य समिति जयपुर प्रथम के नाम देय होंगे, एवं प्रोसेसिंग शुल्क नियमानुसार अनुसार होगा। जिसका डीडी MDRISL RPR के नाम देय होगा। जो निर्धारित तिथि तक अथवा उससे पूर्व कार्यालय में जमा कराने होंगे।

क्र. सं.	समान विवरण	अनुमानित राशि (लाखों में)	बयाना राशि	निविदा शुल्क
1	विभिन्न प्रशिक्षणों में चाय,नाश्ता,लंच, डिनर व इत्यादि की व्यवस्था, विस्तृत जानकारी टेण्डर फार्म में उपलब्ध है। UBN: MHS2425SLOB03273	6000000.00 (साठ लाख)	120000.00 (एक लाख बीस हजार)	1000.00 (एक हजार)
2	विभिन्न प्रशिक्षणार्थियों के लिए मीटिंग हाल आवास व्यवस्था हेतु विस्तृत जानकारी टेण्डर फार्म में उपलब्ध है। UBN: MHS2425SLOB03274	10000000.00 (एक करोड़)	200000.00 (दो लाख)	1000.00 (एक हजार)

ट्रेनिंग हॉल, आवास व्यवस्था व भोजन व्यवस्था के लिए अलग-अलग निविदाऐं प्रस्तुत की जानी है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम

DIPR/C/9586/2024

राजस्थान सरकार

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय

मिनी स्वास्थ्य भवन, सेठी कॉलोनी, जयपुर

क्रमांक-स्टोर/2024-25/130 **ई-निविदा सूचना** दिनांक-01.10.2024

इस कार्यालय के अधीन जिला स्वास्थ्य समिति जयपुर द्वितीय के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में संचालित विभिन्न योजनाओं हेतु विभिन्न प्रकार के मानव संसाधन सेवाऐं अनुबन्ध के आधार पर लिये जाने के लिए पंजिकृत सक्षम सेवा प्रदाता एजेन्सीयों/संस्थाओं/फर्मो से इस कार्यालय द्वारा निर्धारित प्रपत्र में मोहरबन्द निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित अन्य आवश्यक विवरण https://eproc.rajasthan.gov.in/ पर देखे जा सकते है। उक्त निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार निविदा कमेटी के पास होगा। बोली प्रतिभूति राशि (अनुमानित लागत का 2 प्रतिशत राशि 2,32,520/-) एवं बोली प्रपत्र शुल्क 1000/- रू. का डी.डी. मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय के नाम से देय होगा। उक्त के अतिरिक्त राशि रू. 1500 का डीडी MD RISL के नाम से प्रतिभूति राशि एवं बोली प्रपत्र राशि की डी.डी. एवं समस्त दस्तावेज मूल ही कार्यालय में जमा करवाना अनिवार्य है। टेण्डर डोक्यूमेन्ट्स की भौतिक प्रतिलिपि (Physical Copy of tender documents) के अभाव में संबंधित फर्म का टेण्डर एडमिट नहीं किया जावेगा।

क्र. सं.	सेवा का विवरण	अनुमानित संख्या	अनुमानित लागत लाखों में	निविदा फार्म प्राप्त/ डाउनलोड करने की दिनांक	निविदा फार्म जमा/अपलोड करने की दिनांक	निविदा फार्म खोलने की दिनांक
1	मेडिकल ऑफिसर (जनता क्लिनिक हेतु)	10	33,60,000	04.10.2024	24.10.2024 दोपहर 12.00 बजे तक	24.10.2024 दोपहर 2.00 बजे
2	नर्सिंग कर्मी/स्टाफ नर्स (जनता क्लिनिक हेतु)	20	13,80,000			
3	ए.एन.एम. (जनता क्लिनिक हेतु)	10	5,40,000			
4	फार्मासिस्ट (जनता क्लिनिक हेतु)	10	7,20,000			
5	सर्पोट स्टाफ (जनता क्लिनिक हेतु)	10	9,80,000			
6	स्वीपर (जनता क्लिनिक हेतु)	10	4,50,000			
8	बायो मेडिकल इंजिनियर	01	5,16,000			
9	एफ पी काउन्सलर	01	1,80,000			
10	कम्प्यूटर ऑपरेटर (5-NHM and 2 PNDT) (विद मशीन)	07	9,00,000			
11	कम्प्यूटर ऑपरेटर (मैन विदाउट मशीन)	05	6,00,000			
12	सर्पोट स्टाफ (एनएचएम/यूएचएम कार्यालय हेतु)	02	2,00,000			
13	डीबीसी वर्कर (मलेरिया)	09	10,00,000			
14	अन्य	03	8,00,000			
	कुल	100	1,16,26000			

अन्य जानकारी हेतु प्री-बिड मिटिंग दिनांक 11.10.2024 को सायं 3.00 बजे से अधोहस्ताक्षरकर्ता कार्यालय चेम्बर में आयोजित की जावेगी। NIB- MHS2425A2294, UBN-MHS2425SLOB03279, Mob.: 7374004405

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय

DIPR/C/9526/2024

Jodhpur Development Authority, Jodhpur

E-Auction Programme of Residential, Commercial, Industrial, School & Multistory Residential Plots in Jodhpur :- (October-November 2024)

क्रमांक :–एफ46/नीलामी/2024/सितम्बर/150 दिनांकः– 30.09.2024

दीपावली पर बम्पर ई–नीलामी

भूखण्डों की दीपावली पर बम्पर ई–नीलामी दिनांक 15.10.2024 से 21.11.2024 तक

106 आवासीय, व्यावसायिक, औद्योगिक, स्कूल एवं मल्टीस्टोरी रहवासीय भूखण्ड

विवेक विहार योजना (60 आवासीय भूखण्ड) (5 व्यावसायिक भूखण्ड) योजना में कुल भूखण्ड (50.19 वर्गमीटर से 1560 वर्ग मीटर) — 65

गंगा विहार योजना में कुल भूखण्ड (41.82 वर्ग मीटर से 256.51 वर्ग मीटर) — 10

राज्य कर्मचारी आवासीय योजना ग्राम मोगड़ा कलां योजना में कुल भूखण्ड (41.82 वर्ग मीटर से 360.28 वर्ग मीटर) — 09

उद्योग विहार औद्योगिक योजना में कुल भूखण्ड (1250 वर्ग मीटर से 6324 वर्ग मीटर) — 09

खसरा संख्या– 713 ग्राम चौखा आवासीय योजना में कुल भूखण्ड (334.49 वर्ग मीटर से 348.51 वर्ग मीटर) — 04

राजीव गांधी नगर चौखा योजना में कुल भूखण्ड (299.25 वर्ग मीटर से 401.28 वर्ग मीटर) — 04

मल्टीस्टोरी रहवासीय भूखण्ड राजीव गांधी नगर चौखा योजना में कुल भूखण्ड (2464 वर्ग मीटर से 2500 वर्ग मीटर) — 02

रामराज नगर सेक्टर–1 वाणिज्यिक भूखण्ड (3179.57 वर्ग मीटर) — 01

रामराज नगर सेक्टर–5 वाणिज्यिक भूखण्ड (6750 वर्ग मीटर) — 01

रामराज नगर सेक्टर–2 विद्यालय हेतु भूखण्ड (2800 वर्ग मीटर) — 01

ईएमडी जमा दिनांक: 15 अक्टूबर 2024 से प्रारम्भ

ऑनलाईन बिड — प्रारम्भ तिथिः 15 अक्टूबर 2024; अंतिम तिथिः 21 नवम्बर 2024

प्रभारी अधिकारी (नीलामी शाखा) जोधपुर विकास प्राधिकरण जोधपुर मोबाईल नं.– 96723–54150, 96364–12457

अधिक जानकारी के लिए QR स्कैन करें।

निदेशक वित्त जोधपुर विकास प्राधिकरण जोधपुर फोनः– 0291–2656355, 2656356

राज.संवाद/सी/24/6307

नीलामी के समस्त भूखण्डों की विस्तृत जानकारी एंव नीलामी की शर्तें जोधपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट : joda.rajasthan.gov.in पर देखें या कार्यालय में सम्पर्क करें। नीलामी की प्रक्रिया SSOID के जरिये Urban Services के माध्यम से की जाएगी।

जे.डी.ए. इंजीनियर्स की मनमानी के कारण 70 करोड़ का ''सीकर रोड ड्रेनेज प्लान'' बर्बादी की कगार पर

सर्वविदित है कि, जयपुर में मानसून के दिनों में सबसे ज्यादा बारिश का पानी खेतान अस्पताल से लेकर ढेहर के बालाजी तक भरता है, फिर भी यहां ''1 गुणा 1'' साइज के बॉक्स डालने पर उतारू हैं अधिकारी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के निर्देश के बाद जयपुर विकास प्राधिकरण ने सीकर रोड पर पानी के निकास के लिए ''ड्रेनेज प्लान'' तो बना दिया लेकिन इसके इंजीनियर्स की मनमानी और इस प्लान में खामियां होने के कारण 70 करोड़ रु. का यह प्रोजेक्ट अब बरबाद होने के कगार पर है।

सूत्रों की मानें तो जयपुर विकास प्राधिकरण ने सीकर रोड पर ड्रेनेज प्लान में कम जगह पर बॉक्स डालने और पर्याप्त जगह वाले स्थानों पर नाला निर्माण करना तय किया था। इसके लिए खेतान अस्पताल से लेकर ढहर के बालाजी चौराहे तक ''1 गुणा 1'' साइज के बॉक्स दोनों तरफ डाले जाने हैं। इसी तरह ढेहर के बालाजी से चौमूं पुलिया तक ''2 गुणा 2'' साइज के बॉक्स डाले जाने हैं। इसके साथ ही जहां-जहां पर पर्याप्त जगह हैं, वहां नाला बनाने का काम होना है।

इसके जरिए सीकर रोड का पानी अमानीशाह नाले में छोड़ना था, जिसके लिए सब्जी मंडी के पास चौड़ा नाला बनाकर पूरे पानी को अमानीशाह नाले में ले डालना था। जयपुर विकास प्राधिकरण को यह प्लान लागू करना था, लेकिन यह लागू नहीं हो पाया।

सूत्रों की मानें तो जेडीए के इंजीनियर्स ने इस प्लान को तो बदला ही, साथ में ऐसी तकनीकी खामी छोड़ दी कि जे.डी.ए. द्वारा लगाये जा रहे पूरे 70 करोड़ रुपए बर्बाद होने वाले हैं। सर्वविदित है कि, सीकर रोड पर सबसे ज्यादा पानी खेतान अस्पताल से लेकर ढेहर का बालाजी तक भरता है, लेकिन यहां अच्छी-खासी जगह भी है। ऐसे में यहां नाला बनना चाहिए, जिससे सफाई भी हो सकेगी और मजबूत चिनाई होने के कारण नाला लंबे समय तक चलेगा।

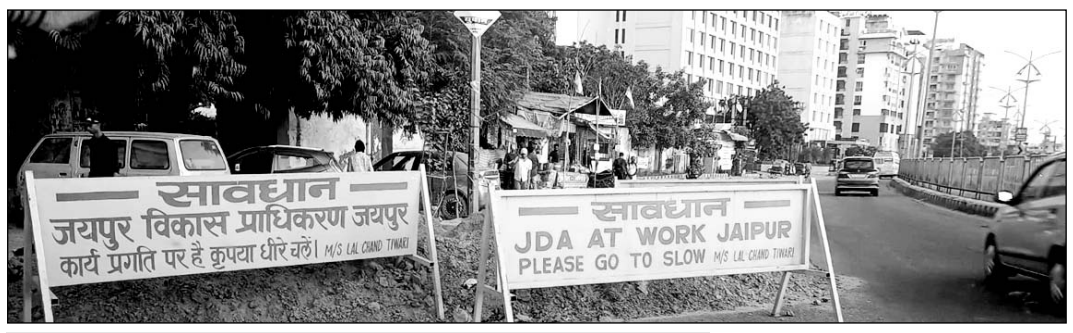

- **ढेहर के बालाजी से चौमूं पुलिया तक सड़क पर पर्याप्त जगह होने के बावजूद भी ''2 गुणा 2'' साइज के बॉक्स डालने की तैयारी चल रही है, ऐसे में यहां पानी का निकास हो पाना लगभग असंभव सा लग रहा है।**
- **ज्ञात रहे कि सीकर रोड पर वर्ष 2010 में बी.आर.टी.एस. कॉरिडोर बनाते समय भी ''1 गुणा 1'' साइज के बॉक्स डाले गए थे, जो कुछ समय तक ही चले। बाद में उनमें कचरा भर गया और ये बंद हो गए। अब जे.डी.ए. के इंजीनियर्स पुनः यहीं गलती दोहरा रहे है। छोटे बॉक्स होने के कारण पानी का बहाव पूरी तरह से नहीं जाएगा।**

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को अवगत कराएंगे लोग

सीकर रोड के इस बहुप्रतीक्षित ड्रेनेज प्लान में छेड़छाड़ और तकनीकी खामियां छोड़े जाने की शिकायत स्थानीय नागरिक अब उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी से करेंगे।

कांग्रेस नेता तरुण भारती का कहना है कि जे.डी.ए. की खामी का नुकसान पहले ही सीकर रोड के निवासी भुगत रहे हैं, अगर नाले की जगह छोटे बॉक्स ही डालने है तो पुराने जो बॉक्स डाले हुए हैं, उनकी ही सफाई करा ली जाए, इससे कम से कम पैसा तो बरबाद नहीं होगा। इसके साथ ही अमानीशाह नाले पर जहां पानी का निकास होगा, वहां बाक्स हटा कर नाला निर्माण कराना चाहिए।

ज्ञात रहे कि उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पहले ही जे.डी.ए. और सार्वजनिक निर्माण विभाग (पी.डब्ल्यू.डी.) के अधिकारियों को काम में किसी तरह की लापरवाही नहीं करने के निर्देश दे रखे हैं।

पर जे.डी.ए. ''1 गुणा 1'' साइज के बॉक्स डाल रहा है। सीकर रोड पर वर्ष 2010 में बी.आर.टी.एस. कॉरिडोर बनाते समय भी ''1 गुणा 1'' साइज के बॉक्स डाले गए थे, जो कुछ समय तक ही चले। बाद में उनमें कचरा भर गया और ये बंद हो गए। अब जे.डी.ए. के इंजीनियर्स पुनः यहीं गलती दोहरा रहे है।

सबसे बड़ी खामी यह है कि, यहां छोटे बॉक्स होने के कारण पानी का बहाव पूरी तरह से नहीं जाएगा। जे.डी.ए. को यहां नाला निर्माण करना चाहिए था, या फिर बड़ी साइज के बॉक्स डालने चाहिए थे। इसके साथ ही सीकर रोड पर भवानी निकेतन के पास दोनों तरफ ''2 गुणा 2'' साइज के बॉक्स डाले जा रहे हैं, यहां सर्विस रोड भी है और पर्याप्त

सार-समाचार

विद्यार्थियों को शीघ्र जारी होगी छात्रवृति

जयपुर। अब राज्य के अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्र छात्राओं को छात्रवृति के लिए अधिक इंतजार नहीं करना पडेगा। केंद्र सरकार ने वर्ष 2022-23 और वर्ष 2023-24 के अनुसूचित जनजाति उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत बकाया हिस्सा जारी करने के आदेश कर दिए है। अब शीघ्र ही छात्रों को लंबित छात्रवृति का भुगतान कर दिया जाएगा। अविनाश गहलोत, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार ने कुल 250 करोड रुपये का बजट आवंटन किया है। इस बजट से अनुसूचित जनजाति उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के शैक्षिणक क्षेत्र 2022-23 और 2023-24 के जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति से लाभान्वित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा कुल आवंटित बजट में वर्ष 2022-23 के 19245.77 लाख रुपए और वर्ष 2023-24 के 5754.23 लाख रूपए बकाया शामिल है।

700 एलपीजी इस्त्री बॉक्स वितरित होंगे

जयपुर। ''प्रेसवालों'' को पारंपरिक कोयले से चलने वाली इस्त्री के स्थान पर पर्यावरण के अनुकूल एलपीजी से चलने वाली इस्त्री उपलब्ध कराने की एक अनूठी पहल ''द इस्त्री प्रोजेक्ट'' को जयपुर के एक एचएनआई (हाई नेट वर्थ इंडिविजुअल्स) समूह समर्थन दे रहा है। यह समर्थन पहले फेज की अत्यधिक सफलता के बाद आया, जिसमें जयपुर के 425 प्रेसवालों को कोयले से एलपीजी इस्त्री बॉक्स में परिवर्तित किया गया था। सीनियर मैनेजर, द इस्त्री प्रोजेक्ट, सिरिल जोसेफ ने बताया कि ''यह प्रोजेक्ट पहले से ही 5 शहरों में 6500 से अधिक प्रेसवालों को सशक्त बना चुका है, उनकी वार्षिक आय में 32 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है और हर साल पर्यावरण से 5,000 टन सीओ2 का उत्सर्जन कम हुआ है।'' दूसरे फेज की शुरुआत के साथ, वितरण अब पूरे जयपुर में फैल रहा है, जिससे कई और योग्य प्रेसवालों को एलपीजी इस्त्री बॉक्स मिल सकेंगे। इस फेज में अगले 6 महीनों में 700 से अधिक एलपीजी इस्त्री बॉक्स वितरित किए जाएंगे। कृष्णन रंगनाथन, निदेशक, उद्यम व्यापर ने इस अवसर पर कहा कि हम प्रभु दयाल माहेश्वरी और गोविंद कांकनि के प्रति अत्यंत आभारी हैं, जिन्होंने द इस्त्री प्रोजेक्ट का समर्थन किया।

हुक्का बार पर छापा, चिलम जब्त

जयपुर। शिप्रा पथ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कैफे की आड में चल रहे अवैध हुक्का बार पर छापेमारी की कार्रवाई करते हुए मौके से कई हुक्के,चिलम, पाइप, कटिंग व कई फ्लेवर जब्त किया है। यह हुक्का बार थाना इलाके में स्थित वाईन कैफे के नाम से चल रहा था। साथ ही हुक्का पिलाने वाले तीन आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा हुक्का पीने वाले तीन व्यक्तियों के खिलाफ कोटपा अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आंनद ने बताया कि शिप्रा पथ थाना इलाके में पिछले कुछ दिनों से वाईन कैफे की आड में नौजवानों को हुक्का पिलाने की सूचना मिल रही थी। जिस पर एक पुलिस टीम का गठन किया गया है और जिस पर पुलिसकर्मी को सादा वर्दी में बोगस ग्राहक बना कर भेज कर इसकी तस्दीक करवाई। इसके बाद पुलिस ने एक छापेमारी की कार्रवाई करते हुए दर्जनों हुक्के, चिलम, पाइप, कटिंग व कई फ्लेवर जब्त किया है। हुक्का पिलाने वाले वाइन कैफे के कर्मचारी प्रकाश सिंह चौहान, हरगोविंद सिंह भोज,सचिनंदन गोस्वामी और प्रताप सिंह राजपूत को गिरफ्तार किया है। कैफे संचालक को नामजद किया गया है।

तस्करों के 26 रिश्तेदार बने थानेदार

जयपुर। एसआई भर्ती परीक्षा-2021 के मामले में गिरफ्तार सगे तस्कर के बेटा-बेटी ने एसओजी की पूछताछ में कई अहम खुलासे किए है। पूछताछ में दोनों ने बताया कि तस्करों के करीब 26 रिश्तेदार पेपर लीक के माध्यम से थानेदार बने है और अभी वे ट्रेनिंग कर रहे है। एसओजी दिनेश और प्रियंका के फरार पिता की तलाश कर रही है। एसओजी ने बहन-भाई को सोमवार को कोर्ट में पेश कर 11 अक्टूबर तक रिमांड पर ले लिया गया। गौरतलब है कि एसओजी ने एसआई भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक मामले में 6 अक्टूबर को ट्रेनी एसआई भाई-बहन दिनेश विश्नोई (27) और प्रियंका विश्नोई (28) को अरेस्ट किया गया था। प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया है कि राजस्थान पुलिस अकादमी में ट्रेनिंग कर रहे 24 से अधिक ट्रेनी एसआई के परिजन-रिश्तेदार मादक पदार्थ तस्कर गैंग से जुड़े है। एसओजी ने पूछताछ में सामने आए सभी को चिन्हित कर लिया है। इन सभी की भूमिका की जांच की जा रही है। इनकी पेपर लीक करवाने में क्या भूमिका थी।

25 अक्टूबर तक सघन फॉगिंग के निर्देश

जयपुर। डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया सहित अन्य मौसमी बीमारियों की प्रभावी रोकथाम के लिए सभी अधिकारी उपखंड अधिकारी की अगुवाई में धरातल पर हर संभव प्रयास करें। ताकि आमजन को बीमारी की चपेट में आने से रोका जा सके। यह कहना है जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी का। डॉ. सोनी ने यह बात मंगलवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कही। जिला कलक्टर ने उपखंड अधिकारियों को राजकीय चिकित्सालयों का नियमित निरीक्षण करने एवं फॉगिंग मशीन सहित उपलब्ध संसाधनों का रोस्टर बनाकर आगामी 25 अक्टूबर तक सभी इलाकों में सघन फॉगिंग करवाने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि डेंगू पर वार-हर रविवार जैसे अभियान को और भी प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने की आवश्यकता है। ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी खंड विकास अधिकारी के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर क्षेत्र में साफ-सफाई सुनिश्चित करें।

26 पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा मूल्यांकन विभाग में अनुसंधान सहायक के 26 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया हैं। शैक्षिणक योग्यता, वर्गवार वर्गीकरण, आवेदन प्रक्रिया एवं अन्य जानकारी संबंधी विस्तृत सूचनाऐं आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि इन पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन 15 अक्टूबर से 13 नवंबर 2024 की रात्रि 12 बजे तक तक किए जा सकेंगे। ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। परीक्षा तिथि व स्थान के संबंध में यथा समय सूचित कर दिया जाएगा।

क्षेमा ने 160 करोड़ रु. बीमा राशि बांटी

जयपुर। क्षेमा जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के तहत राजस्थान के श्रीगंगानगर, बूंदी और अलवर में 160 करोड़ रुपए से अधिक बीमा राशि का भुगतान किया है। यह भुगतान खरीफ सीज़न 2023-24 के लिए किया गया है। क्षेमा ने इन तीन जिलों से प्राप्त 5 लाख 81 हजार 606 आवेदनों के दावों का भुगतान किया है। यह जानकारी क्षेमा जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड के चीफ रिस्क ऑफिसर, कुमार सौरभ ने दी है। उन्होंने कहा कि यह क्लेम भारत के उन सभी किसानों को हमारी प्रतिबद्धता दर्शाता है, जिन्होंने अब तक क्षेमा से एक करोड़ से अधिक फसल बीमा पॉलिसी खरीदी हैं।

अवैध खनिज परिवहन में 6 वाहन जब्त

जयपुर। खान विभाग की जयपुर विजिलेंस टीम ने अवैध खनिज परिवहन करते 6 वाहन जब्त कर संबंधित थानों को सुपुर्द किया है। एसएमई विजिलेंस जयपुर प्रताप मीणा ने बजरी के तीन वाहन जब्त किए हैं, जिनमें से दो डंपर व एक ट्रेलर है। बजरी के दो वाहनों को मुहाना थाने को सुपुर्द किया गया है, वहीं एक वाहन कानोता थाने के बगराना चौकी को सुपुर्द किया गया है। इसी प्रकार एसएमई विजिलेंस जयपुर केसी गोयल द्वारा कार्रवाई करते हुए बजरी का अवैध परिवहन करते एक वाहन को सांगानेर सदर थाना को सुपुर्द किया गया हैं। एम सेंड अवैध परिवहन करते वाहन को कानोता व मेसेनरी स्टोन का अवैध परिवहन करते एक वाहन को जब्त कर दांतली थाने के सुपुर्द किया गया है।

नकली उर्वरक के 314 बैग जब्त

जयपुर। कृषकों को उच्च गुणवत्तायुक्त खाद व बीज उपलब्ध करवाने और कालाबाजारी एवं नकली उर्वरकों पर अंकुश लगाने के लिए कृषि विभाग द्वारा रबी व खरीफ फसलों की बुआई से पहले प्रत्येक वर्ष विशेष गुण नियंत्रण अभियान चलाया जाता है। इस अभियान के तहत अलवर में कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा कार्यवाही करते हुए आस मोहम्मद के घर से नकली डीएपी खाद के 84 बैग इफको मार्का के और 230 बैग बिना मार्का के भरे हुए मिले व 15 खाली बैग इफको मार्का के और 60 खाली बैग बिना मार्का के जब्त किये गये। नकली उर्वरक के सैम्पल लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला में भिजवाये गये हैं। निरीक्षकों द्वारा आस मोहम्मद के खिलाफ उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत मुकदमा दर्ज करवाया गया।

एल.आई.सी. के सिंगल प्रीमियम ग्रुप ''माइक्रो टर्म इंश्योरेंस'' का शुभारंभ

जयपुर (कासं)। भारतीय जीवन बीमा निगम (एल.आई.सी.) ने 7 अक्टूबर से सिंगल प्रीमियम ग्रुप माइक्रो टर्म इंश्योरेंस प्लान जारी किया है।

यह योजना एक असहभागी, नॉन लिंक्ड समूह, शुद्ध जोखिम और सूक्ष्म जीवन बीमा उत्पाद है। यह प्लान विशेष रूप से सरल, लचीली और सस्ती जीवन बीमा प्रदान करने के उद्देश्य के साथ बनायी गयी है।, ताकि सुक्ष्म वित्तीय संस्थानों समेत वित्त संस्थानों की जरूरतों को पूरा किया जा सके, ताकि उनके ऋणदाताओं, सहकारी समितियों, स्वयं सहायता समूह के सदस्यों और एन.जी.ओ. को कवर किया जा सके।

यह प्लान 50 या इससे अधिक सदस्यों वाले समूह के लिए उपलब्ध है। सदस्यों के लिए जोखिम कवर बीमा राशि 5 हजार से 2 लाख रु. तक रखी गई है। एकमुश्त भुगतान योग्य एकल प्रीमियम मोड है। एक माह से 10 साल तक की कवर अवधि चुनने की सुविधा इसमें दी गई है। ऋणदाता-उधारकर्ता संबंधों के तहत जीवन साथी के लिए संयुक्त जीवन कवर भी इसमें उपलब्ध करवाया गया है।

जनाना अस्पताल के एन.आई.सी.यू. वार्ड में छत का प्लास्टर गिरने से हड़कंप

गनीमत रही कि हादसे में कोई नवजात बच्चा घायल नहीं हुआ

जयपुर (कासं)। राजधानी के जनाना अस्पताल के नर्सरी एनआईसीयू वार्ड में छत का प्लास्टर अचानक गिर गया। हादसे के दौरान बड़ी संख्या में नवजात शिशु वार्ड में भर्ती थे। हालांकि, प्लास्टर गिरने के दौरान किसी भी नवजात शिशुओं को चोट नहीं लगी, लेकिन अस्पताल की व्यवस्थाओं पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया।

परिजनों ने बताया कि एनआईसीयू वार्ड में गंभीर रूप से बीमार बच्चों का इलाज किया जा रहा था। हालांकि, इस हादसे में किसी प्रकार की हानि नहीं हुई, लेकिन बच्चों के परिजनों में डर का माहौल बना हुआ है। जैसे ही अस्पताल में यह घटना घटित हुई, उसके तुरंत बाद हड़कंप मच गया। सूचना के बाद प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और सबसे पहले बच्चों को दूसरी जगह शिफ्ट किया गया।

परिजनों का आरोप है कि रात के समय वार्ड में कोई जिम्मेदार अधिकारी या डॉक्टर मौजूद नहीं रहते हैं। दरअसल, जनाना अस्पताल ही नहीं, बल्कि सवाई मानसिंह अस्पताल में भी आए दिन फॉल सीलिंग गिरने के मामले सामने आते रहते हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। घटना के बाद से अस्पताल प्रशासन पर सवाल उठने लगे हैं, लेकिन अभी तक अस्पताल प्रशासन की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। परिजन अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था और बच्चों की देखभाल को लेकर चिंतित हैं और जवाब की मांग कर रहे हैं। परिजनों का कहना है कि यदि यह मलबा नवजात बच्चों पर गिर जाता तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेता। जनाना अस्पताल की पुरानी इमारत और ढांचागत समस्याएं भी इस घटना के बाद चर्चा में आ गई हैं।

विधानसभा के प्रमुख सचिव को हटाने के आदेश पर रोक से इनकार

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने विधानसभा के प्रमुख सचिव को पद से हटाने के गत 20 सितंबर के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में दायर स्टे प्रार्थना पत्र को खारिज करते हुए पक्षकारों से 6 सप्ताह में जवाब देने के लिए कहा है। सीजे एमएम श्रीवास्तव व जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश महावीर प्रसाद शर्मा की याचिका में दायर स्टे प्रार्थना पत्र को खारिज करते हुए दिए। याचिका में कहा कि विधानसभा ने नियमों में संशोधन कर उन्हें सुनवाई का मौका दिए बिना ही पद से हटाया है। यह कार्रवाई मनमानीपूर्ण है, इसलिए विधानसभा के उन्हें सचिव पद से हटाए जाने वाले आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगाई जाए। इसके जवाब में विधानसभा स्पीकर की ओर से सीनियर एडवोकेट आरएन माथुर व प्रतीक माथुर ने कहा कि याचिकाकर्ता की उम्र 65 साल से ज्यादा हो गई है और उन्हें नियमों की पालना करते हुए हटाया है।

जाति के आधार पर बांटने वालों को जनता ने दिया करारा जवाब : तिवाड़ी

जयपुर। राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने हरियाणा प्रदेश के विधानसभा चुनावों पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे विपक्षियों का भ्रम तोड़ने वाल परिणाम बताया। उन्होंने कहा, ''आज भारतीय जनता पार्टी ने हरियाणा में एतिहासिक जीत दर्ज की है। इस जीत से विपक्षियों के सभी भ्रम टूटे हैं।'' तिवाड़ी ने कहा कि जिन लोगों ने हरियाणा को जाति के आधार पर बाँटने की कोशिश की, अग्निवीर, किसानों को बहकाने की कोशिश की, यह जीत उनके लिए करारा जवाब है। हरियाणा में 52 वर्षों में यह पहली बार है कि कोई पार्टी लगातार तीसरी बार अपनी सरकार बनाने जा रही है, मोदी है तो मुमकिन है।

साथ ही घनश्याम तिवाड़ी ने कहां कि हरियाणा की जनता ने साबित कर दिया है, उन्हें हमारे प्रधानसेवक नरेंद्र मोदी पर पूर्ण विश्वास है। ये जीत महाराष्ट्र, झारखंड, दिल्ली और बिहार में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों के लिए महत्त्वपूर्ण है। तिवाड़ी ने इस जीत को लेकर हरियाणा की जनता को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की। हरियाणा विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की लगातार तीसरी जीत के उपलक्ष में मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र में पंचवटी चौराहे पर विधायक कालीचरण सराफ के नेतृत्व में आतिशबाजी की गई। भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की गुलाल लगाया एवं मिठाई बांटी। इस अवसर पर जयपुर शहर उपाध्यक्ष ब्रह्म कुमार सैनी, पार्षद स्वाति परनामी, पूर्व पार्षद देवेंद्र सिंह शंटी, चंद्र भाटिया, बलदेव सिंह, हरभजन सिंह, खुशविंदर सिंह, नितिन भाटिया, अशोक भगत, नरेंद्र कौर, चंद्रमोहन खत्री, संदीप ईतन, अतुल कल्ला मौजूद थे।

- **घनश्याम तिवाड़ी ने हरियाणा प्रदेश के विधानसभा चुनावों को विपक्षियों का भ्रम तोड़ने वाला परिणाम बताया।**

आर.ए.एस. भर्ती की उत्तर पुस्तिका जांचने में भेदभाव पर जवाब मांगा

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने आरएएस भर्ती-2021 की मुख्य परीक्षा में अभ्यर्थियों की उत्तर पुस्तिका को जांचने में भेदभाव करने पर प्रमुख कार्मिक सचिव व आरपीएससी सचिव से जवाब तलब किया है। जस्टिस महेन्द्र गोयल ने यह आदेश रणजीत की याचिका प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि उसने आरएएस भर्ती- 2021 में भाग लिया था और उसका चयन आबकारी विभाग में हो गया। भर्ती की मुख्य परीक्षा में याचिकाकर्ता ने अन्य प्रश्नों के अलावा तीन सवालों के जवाब दिए थे और कुछ अन्य अभ्यर्थियों ने भी इन्हीं तीन सवालों के याचिकाकर्ता के समान उत्तर लिखे थे। इसके बावजूद आरपीएससी ने अन्य अभ्यर्थियों को तो इन उत्तरों के अंक दे दिए, लेकिन याचिकाकर्ता को उन उत्तरों के अंक नहीं दिए गए। इसके चलते वह भर्ती की मेरिट में नीचे चला गया और उसे निचले पद पर नियुक्ति से ही संतोष करना पड़ा।

मंगोलिया के तकनीशियनों को जयपुर फुट का प्रशिक्षण मिलेगा

जयपुर । उत्तरी पूर्व एशियाई देश मंगोलिया और विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के बीच एक एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर हुए हैं। इस आपसी समझौते के अनुसार बी.एम.वी.एस.एस. मंगोलियाई तकनीशियनों को जयपुर फुट निर्माण के लिए जयपुर में प्रशिक्षण देगा और मंगोलिया में एक विकलांग पुर्नवास केन्द्र की स्थापना करने में सहयोग देगा।

इस एम.ओ.यू. पर बी.एम.वी.एस.एस. के अध्यक्ष सतीश मेहता और मंगोलिया की ओर से मंगोलियाई जनरल एथारिटी के कार्यवाही महानिदेशक बाउइरजान जायतेन ने हस्ताक्षर किए। बी.एम.वी.एस.एस. के अध्यक्ष सतीश मेहता ने कहा कि भारत सरकार के विदेश मंत्रालय और बी.एम.वी.एस.एस. के संयुक्त प्रयास से मंगोलिया की राजधानी उलानबतार में एक शिविर चल रहा है जिसमें पाँच सौ विकलांगों के पैर लगाए जाऐंगे । अब तक 215 से अधिक विकलांगों का पुर्नवास किया जा चुका हैं। इस शिविर का उद्घाटन भारतीय राजदूत अतुल गोतसुर्वे की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर मंगोलिया के श्रम और सामाजिक कार्य मंत्री एंख आमगालान उपस्थित थे। इस शिविर को देखकर मंगोलियाई मंत्री प्रसन्न हुए और उन्होंने बी.एम.वी.एस.एस. से मंगोलिया में एक पुर्नवास केन्द्र खोलने का बी.एम.वी.एस.एस. के अध्यक्ष सतीश मेहता से आग्रह किया, जिसे उन्होंने तुरन्त स्वीकार कर लिया।

सतीश मेहता ने बताया कि जयपुर फुट मंगोलिया के सहयोग से स्थापित होने वाले केन्द्र के अलावा पूरे मंगोलिया में विकलांगों के पुर्नवास का कार्य और केन्द्र की स्थापना के हर पहलु पर बी.एम.वी.एस.एस. सहयोग करेगा। बी.एम.वी.एस.एस. के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता ने कहा कि बी.एम.वी.एस.एस. द्वारा युगाण्डा, फिजी, अफगानिस्तान, श्रीलंका के तकनीशियनों को जयपुर में प्रशिक्षण देकर जयपुर फुट बनाने के लिए प्रशिक्षित किया जा चुका हैं । डी.आर. मेहता ने कहा कि मंगोलिया में केन्द्र की स्थापना से भारत और मंगोलिया के बीच वर्षो पुरानी मित्रता और मजबूत होगी।

तालकटोरा पर गंदा पानी और टूटी जालियां देखकर नाराज हुई महापौर

जयपुर। हैरिटेज महापौर कुसुम यादव ने मंगलवार को ताल कटोरा और पौंड्रिक पार्क का निरीक्षण किया। इस दौरान महापौर कुसुम यादव ताल कटोरा में गंदा पानी और टूटी जालियां नाराज हो गई। उन्होंने मौके पर ही निगम अधिकारियों को ताल कटोरा में व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।

इस दौरान स्थानीय निवासियों ने बताया कि ताल कटोरा पर हमेशा असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। वे ताल कटोरा सरोवर में कूड़ा कचरा फेंक देते है। साथ जालियां वगैरह भी तोड़ देते है। इस पर महापौर कुसुम यादव ने मौके पर ही उपायुक्त सतर्कता पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ को गार्ड तैनात करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान महापौर ने बताया कि यहां के स्थानीय निवासियों ने ताल कटोरा और पौंड्रिक पार्क में हो रही अव्यवस्थाओं के संबंध में शिकायत की, जिस पर आज मैंने मौका निरीक्षण किया। पानी से काफी बदबू आ रही है। जालियां टूटी पड़ी है, लाइट बंद पड़ी है।

इसी तरह पौंड्रिक पार्क में भी काफी अव्यवस्थाएं हो रखी है। इस पर निगम अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए, जल्द ही दोनों जगह पर व्यवस्था सुदृढ़ करें। जल्द ही इन दोनों ऐतिहासिक जगहों पर शहरवासियों को अच्छी व्यवस्था देखने को मिलेगी। इस दौरान हैरिटेज निगम के अतिरिक्त आयुक्त सुरेंद्र सिंह यादव, उपायुक्त सतर्कता पुष्पेंद्र सिंह राठौड़, उद्यान शाखा अधीक्षक छाजू राम सहित अन्य निगम अधिकारी और ताल कटोरा विकास समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे।

महापौर कुसुम यादव ने मंगलवार को अधिकारियों के साथ ताल कटोरा और पौंड्रिक पार्क का निरीक्षण किया।

स्मैक तस्कर पुलिस के हत्थे चढ़ा

जयपुर। सांगानेर पुलिस और जिला स्पेशल टीम जयपुर पूर्व (डीएसटी) ने ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत संयुक्त कार्रवाई करते हुए स्मैक लेकर बेचने की फिराक में घूम रहे एक युवक को दबोचा है। पुलिस ने आरोपित के पास से 10 ग्राम 10 मिलीग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक जब्त की गई। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत सांगानेर थाना पुलिस और डीएसटी पूर्व ने कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की सप्लाई करने के मामले में रितेश कुमार दक्ष निवासी मंडावर जिला दौसा को गिरफ्तार किया है। आरोपी रितेश से पूछताछ में सामने आया है कि वह पिछले 2-3 महिने से स्मैक का काम कर रहा है। उसे मण्डावरी का एक लडका स्मैक देकर जयपुर भेज देता है। वह स्मैक लेकर बस से जयपुर आता और स्मैक सप्लाई करके लौट जाता।

जयपुर में अनूठे एरियल शो 'रोज़ेओ' 10 अक्टूबर को

जयपुर । पेरिस 2024 में ओलंपिक खेलों के उद्घाटन पर रोमांचित करने वाली प्रस्तुति रोज़ेओ अब जयपुरवासियों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार है। एरोबैटिक और मेडिटेटिव प्रस्तुतियों के लिए प्रसिद्ध फ्रेंच कंपनी ग्राटे सिएल द्वारा जयपुर में 10 अक्टूबर को जयगढ़ फोर्ट के सुभट निवास प्रांगण में अनूठा एरियल शो प्रस्तुत किया जा रहा है। शो का आयोजन सुबह 11 बजे और शाम 4.30 बजे होगा। एलायंस फ्रांसेस नेटवर्क इन इंडिया के सहयोग से फ्रेंच इंस्टीट्यूट इन इंडिया द्वारा यह एरियल शो भारत में आयोजित किया जा रहा है। यह जयपुर सहित भारत के अन्य शहरों जैसे चंडीगढ़, अहमदाबाद, पुणे और पांडिचेरी में भी आयोजित किया जाएगा।

इस अवसर पर भारत में फ्रांस के एम्बेसडर, एचएच थिएरी मथौ, ने कहा रोज़ेओ और अन्य रोमांचक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ, एलायंस फ्रांसेस नेटवर्क हमारे दोनों देशों के बीच कलात्मक आदान-प्रदान को मजबूत कर रहा है। यह नवीन प्रोडक्टशन हमारे कलात्मक समुदायों के बीच संबंधों को अधिक जीवंत बनाने का कार्य करता है, और साथ ही भारतीय दर्शकों को फ्रांस के समकालीन कला परिदृश्य की सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति का अनुभव कराने की हमारी प्रतिबद्धता का भी उदाहरण है। जयगढ़ पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन, एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने कहा कि ''जयगढ़ फोर्ट लंबे समय से राजस्थान की समृद्ध विरासत का प्रतीक रहा है, और अब हम इस अद्भुत इंटरनेशनल कौलेबोरेशन की मेजबानी करते हुए प्रसन्नता महसूस कर रहे हैं। फोर्ट की भव्य पृष्ठभूमि, रोजेओ के रोमांचक एरियल परफॉर्मेंस की सुंदरता को बढ़ाएगी, जो जयपुर में दर्शकों के लिए अनूठा अनुभव होगा। यह सांस्कृतिक आदान-प्रदान इतिहास और समकालीन कला के सम्मिलन का जश्न मनाता

ARBiT it happens here...

Curious Events Day

What is the world's greatest mystery? How can one become famous for being famous? How is the empty milk carton presumed to live in the fridge? What do cats actually do all day? The latter one is fun to investigate with a camera on a collar, for any curious cat owners out there. Hopefully, in the exploration of these questions, most people won't find out that curiosity really does kill the cat. Because being interested and inquisitive is what Curious Events Day is all about!Curious Events Day celebrates the great mysteries of the world.

राष्ट्रदूत
WEDNESDAY
09 October 2024
A-B

#SOCIALISING

Saying no to social invites

We tend to overestimate the negative consequences

Whether it's coffee, dinner, a movie or a walk, saying no to an invitation can feel awkward and difficult, creating anxiety over how the declining is going to be received and if it will lead to resentment or upset. However, new research has found that people tend to overestimate the negative consequences of turning an occasion down.

Researchers looked at a series of five studies, using both real-life and figurative situations.

Study 1

In this hypothetical scenario, 406 participants imagined either declining or receiving a rejection to an invitation to attend a museum exhibit. They had to answer questions about the potential negative consequences of saying no. Researchers then compared the envisioned responses.

Study 2

In this real-world example. 208 couples had to extend and reject real invitations for a social activity, such as a meal. One partner made the invite, while the other had to say no. Both partners then recorded their emotional responses.

Study 3

This study used an imagined scenario, but with an 'observer' aspect. People either played an inviter, an invitee or an impartial third party. The point of the outsider was to see if their perspective matched the 'overly' concerned response of the decliner or the inviter's more 'rational' response.

Study 4

Study 4 was the same as Study 3, but was more 'real' in that participants had to name a friend as the inviter. People also had to talk about whether they were worried that inviters would not consider the reasons given for the rejection enough.

Study 5

In another fake scenario, participants had to switch between being an inviter and invitee, to see whether extending the invitation and receiving a no first would change their understanding of saying no as an invitee.

The Results

In both real-life and imagined situations, invitees continually dramatically overestimated how disappointed, upset or angry the person doing the inviting would be about the declining. They also thought that saying no would damage the relationship more than it did in the eyes of the inviter.

Invitees also thought the inviter would focus on the declining itself rather than their usual reaction of - empathetically understanding that there was a reasonable explanation that led to the rejection. 'It is OK to say no to invitations from time to time,' study lead Julian Givi, an associate professor of marketing at West Virginia University, says. 'Inviters are more understanding than we might expect.' However, the study focused on everyday, casual events and so the results may not extend to larger occasions, like weddings, where the inviters' reactions might be stronger. 'Of course, I don't recommend always saying no,' Givi caveated, 'because repeated declines could lead them to be upset or you not to get invited any more.' Pick your battles, and when in doubt, an honest conversation (or message) about a more significant event will probably go a long way.

Our New Refugees
Tigers-Leopards

Tiger, the lord of the jungle bears the same story. Every now and then there's news from one or the other part of our country about tiger/tigers roaming in human settlements. On receiving every such news the forest department pulls up socks to catch the culprit. The hue and cry prevails the area for some days and then subsides after either the animal is caged & jailed or retreats back to its home. And that is all. But the same animal or some other one repeats the story and starts frightening poor villagers again.

Sunayan Sharma
IFS (Retd.), Ex field director project tiger Sariska & keoladeo national park, Bharatpur

For last few months from various corners of Mewar tribal belt there is alarm and loud voices, and not unreasonable. The reason is a leopard which has mauled and killed several men-women, living in the vicinity of the jungle of Gogunda forest range of Udaipur forest division. In the recent most case a massive drive was launched by the forest department to catch the leopard/leopards responsible for this horror. Army personnel in huge number were roped in to expedite the operation. And finally four leopards were trapped in cages from different locations. I wish the caged animals are found to be the real culprits; as identification of a leopard is not possible by physical appearance unless the animal bears its own identity in the form of some physical deformity especially visible on its pads-pug marks.

This catch may provide relief to the frightened tribals of the area for the time being, as we all wish, but catching few is neither guarantee against fresh attacks by the one missed, nor justice, with the carnivores trapped and jailed. Tiger, the lord of the jungle bears the same story. Every now and then there are news from one or the other part of our country about tiger/tigers roaming in human settlements. On receiving every such news the forest department pulls up socks to catch the culprit. The hue and cry prevails the area for some days and then subsides after either the animal is caged & jailed or retreats back to its home. And that is all. But the same animal or some other one repeats the story and starts frightening poor villagers again. In Madhya Pradesh several times tigers have been found roaming freely in civil colonies of Bhopal.

The callous approach of our Governments in dealing with this vital issue needs be given a serious consideration in order to find out proper solution to this perpetual problem pan India.

In Sariska few months back, in January 2024, a tiger was reported to have been strolling through agricultural fields pertaining to some villages falling under the Haryana State. The report from the whistle blower, the eye witness villager was good enough to create panic in the entire area; after all it was a tiger.

The area was adjacent to the North-Eastern border of the Sariska Tiger Reserve. Certainly the tiger, a male one must have ventured out from this tiger reserve area only; popularly known as Bala Kila-Silisedh forest, which falls under buffer area of the Tiger Reserve.

Basically the concept of buffer zone was developed by the wildlife experts to ensure no conflict between wildlife inhabiting the reserves and humans settled on their borders. Ideally it should be created in a ring like fashion around the wildlife reserves and managed as a buffer state between humans and wildlife.

And this could be achieved by discouraging movements of the wild herbivores and carnivores of all kinds big or small, in this belt. This calls for no developmental activities like waterhole creation or pasture developments to lure wildlife or domestic cattle from neighboring villages.

Initially this concept proved highly fruitful in reducing such conflicts but later on, in the mad race for multiplying tiger/leopard numbers tweaked the rules. This shift is evident in management practices today practically in all wildlife reserves pan India.

Sariska is glaring example of this mis management. The Bala Kila forest- then a part of the Alwar forest division was included in Sariska Reserve as buffer zone, only a decade back. Till then it had few leopards but no tigers for want of adequate prey base. But after it was included in the Tiger Reserve, every possible effort was done to lure tigers and consequently the spill over of the tigers of the neighboring Panidhal-Loj-Nathusar core area, falling under Northern zone of Sariska Reserve, took refuge here. And of these the tiger coded ST-18(Male) and ST-19(Female) have littered two cubs coded as ST- 2302 and2303, here. These four tigers in a highly prey deficient Bala Kila-Silisedh forest can not survive. The newly born badly needed new areas.

The only option for these cubs especially the male one coded as ST-2303, could be shifting to neighboring forests falling under Raika-Panidhal-Loj-Nathusar forests (Northern zone of Sariska Reserve), his maternal parents' home. But in the meantime on one hand the tigress, the resident of this area had increased her family and on the other the shifting of Guwada (huge permanent cattle camp) of Panidhal and Loj village had made the area deficient of prey base, wild as well as domesticated ones.

Under these circumstances the tiger St-2023, had no choice but to move further on leaving the safety of the reserve.

In January 2024 merely seven months ago, this tiger, compelled by hunger, continuing moving further North and unaware of the State political-administrative boundaries entered in to human settlements falling under Rewadi District of Haryana State.

The whistle blown by the villager who saw it first, created chaos among the villagers and the civil administration. The Sariska Reserve management also geared up and deputed search teams followed by experts with orders to trap the animal employing tranquilizing technique. The teams and hoards of villagers were chasing the tiger and the disturbed tiger kept on moving ahead instead of taking a u-turn. The desperate reserve management facing pressure from villagers and the Governments was pressurizing the team personnel to expedite the operation and this undue pressure had put lives of these front line personnel in serious risk.

Hiralal Balayi, popularly known as just Hira, a highly dedicated field personnel, having pivotal role in this advance search party one day succeeded in locating this tiger in an agricultural field falling under Batsana village (Rewadi). Hira was quite excited finding the tiger face to face in the unripened mustard field. He was determined to push the animal back to the safety of the reserve, but it was seemingly an impossible task. How could he with his ordinary lathi deter the highly disturbed ferocious animal from its onward march and this committed forester, having life time experience of dealing with tigers, was all out to take his tiger back to the Reserve's safety. If only the tiger could understand his protector's sentiment? The agitated tiger suddenly attacked, mauled and sat on this light bodied but dare devil hero of Sariska. The tiger had taken his one arm in to its big jaws. Hira shouted to his nephew Mukesh Kumar and one more personnel rushed to the site but disciplining a tiger in such a state of mind was no body's job. Yet Mukesh used his lathi to get Hira Relieved from this deadly grip and this courageous act of this brave chacha-bhatija duo compelled the ferocious beast to release Hira from its grip and vanish in the crop filled agricultural field. It was no less than a miracle. May be it was a reward for his life long service dedicated to tigers and numerous other wild creatures.

Hira was admitted in the Government hospital where he stayed for several days. He had suffered serious injuries on chest, arm and face; he needed super specialty treatment but was released to recover on his own.

The tiger kept on venturing from one to another village in Haryana and could not be trapped. After several days of wandering one day it decided to turn back; probably fed up of constant chasing-howling-shouting by villagers. Fortunately no human killing was done by this tiger.

This year again in August 2024, the same tiger has ventured in to other villages falling under Haryana state. As per the recent reports for some time it is staying in a small forest-pasture land named Jhabua. It is located by the side of the Sabi river, originating from Saiwar Protected Forest Hills in Sikar District (Rajasthan)-once used to be an important river of this region. This small village forest tract, known as Roondh Jhabua have been drawn and brought in to practice for this area, much before starting the village shifting process, to ensure adequate wild prey base to support the existing tiger population in this belt.

Unfortunately the ever increasing pressure of the tourism lobby has made a serious dent on the established principles of wildlife management.

The objective behind tiger /leopard conservation is certainly not just growing their number for exhibition purpose but to conserve forest with adequate biodiversity-floral as well as faunal, where these apex carnivores can live their natural life. It is sad that the Governments seem to be marching away from this objective. I wish a science based detailed comprehensive plan is prepared by the Governments, using expertise of field men rich in experience of managing these animals in wilderness. The Wildlife Institute of India, State's Veterinary department and Worldwide Fund(Wildlife) like organisations can play pivotal role in formulating the plan.

Every forest area of the state including the Wildlife Reserves should have their individual management plans to specifically deal with this problem of man-animal conflict with site specific approach. A veterinary lab should be set up at state level for preparing DNA fingerprint of all tigers and leopards inhabiting areas that have a history of such conflicts.

Though village shifting from the reserves is most desirable in the interest of the people and wildlife inhabiting these reserves but it should not be executed without considering the consequences comprehensively.

The staffers falling victim to accidents during all such wildlife rescue operations must be provided with best possible treatment at hospitals equipped with super specialty. No more Hiras be left on their own, without any financial and medical assistance.

We have to develop a culture where healthy eco systems are developed in our wildlife reserves and carnivore number should not be encouraged to cross the scientifically calculated carrying capacity of each and every such reserve.

The mad rat race of just multiplying the number of these big cats irrespective of their dwindling prey base is bound to compel these mighty beautiful creatures to become undesirable refugees in human settlements.

While finishing this article I hear 7th human killing by leopard in Gogunda forest range area of the Udaipur forest division. It is very sad and disturbing. It is the result of our pathetic forest-wildlife management.

I wish the real culprit is caught soon. I wish the Government does not sleep back after catching this killer leopard. Let me reiterate it is imperative upon the Governments and especially the wildlife officers of the country to seriously focus on this issue and take concrete steps with long term vision. It hurts much when I see tiger-leopard, the kings of the jungle as unwanted refugees in human settlements.

rajeshsharma1049@gmail.com

#WILD

Dense Udaipur Forests.

It is tough to search out leopard during monsoon in Udaur jungles.

> In Sariska few months back, in January 2024, a tiger was reported to have been strolling through agricultural fields pertaining to some villages falling under the Haryana State. The report from the whistle blower, the eye witness villager was good enough to create panic in the entire area; after all it was a tiger.

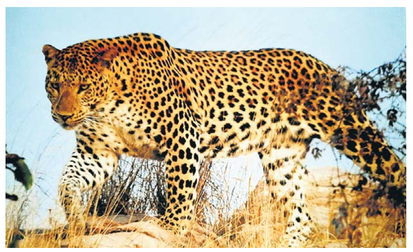

> In January 2024 merely seven months ago, this tiger, compelled by hunger, continuing moving further North and unaware of the State political-administrative boundaries entered in to human settlements falling under Rewadi District of Haryana State.

> The whistle blown by the villager who saw it first, created chaos among the villagers and the civil administration. The Sariska Reserve management also geared up and deputed search teams followed by experts with orders to trap the animal employing tranquilizing technique. The teams and hoards of villagers were chasing the tiger and the disturbed tiger kept on moving ahead instead of taking a u-turn.

Villagers caught the leopard &carrying it in Cart.

Villagers attacking a tiger with lathis to kill.

THE WALL

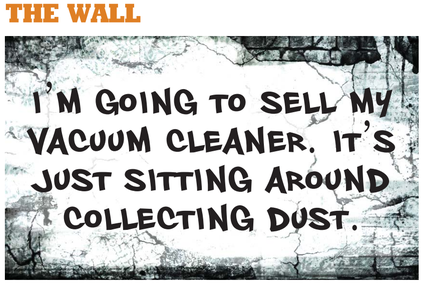

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

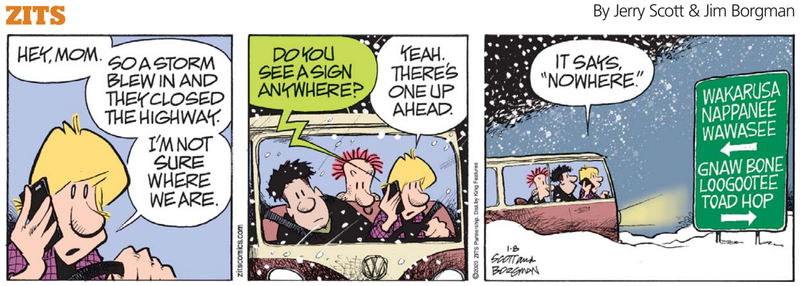

विश्व मानक दिवस के उपलक्ष में ''रन फॉर क्वालिटी'' का आयोजन

मानक हमारे दैनिक जीवन में महत्वपूर्ण हैं और वे एक सुरक्षित और विश्वसनीय समाज बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं : सांसद रावत

उदयपुर की फतेहसागर झील पर ''रन फॉर क्वालिटी'' का आयोजन हुआ।

- यह आयोजन, विश्व मानक दिवस-2024 के वैश्विक समारोह के तहत किया गया, जो 14 अक्टूबर को मनाया जाएगा
- इस महत्वपूर्ण दिन का उद्देश्य उत्पादों और सेवाओं की सुरक्षा, विश्वसनीयता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने वाले मानकों के महत्त्व को उजागर करना है

उदयपुर, (कासं)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), राजस्थान ने मंगलवार आठ अक्टूबर को उदयपुर की फतेहसागर झील पर ''रन फॉर क्वालिटी'' का आयोजन किया। यह आयोजन, विश्व मानक दिवस-2024 के वैश्विक समारोह के तहत किया गया, जो 14 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस महत्वपूर्ण दिन का उद्देश्य उत्पादों और सेवाओं की सुरक्षा, विश्वसनीयता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने वाले मानकों के महत्त्व को उजागर करना है।

उदयपुर सांसद मन्ना लाल रावत ने ''रन फॉर क्वालिटी'' को ध्वज दिखाकर दौड़ का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर पिपलांत्री के पर्यावरणविद् और समाजसेवी, पद्मश्री श्याम सुंदर पालीवाल, प्रोफेसर मीरा माथुर, डायरेक्टर, फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, एमएलएसयू और बीआईएस, राजस्थान प्रमुख व निदेशक कनिका कालिया मौजूद रहे। उदयपुर सांसद मन्ना लाल रावत ने कहा कि मानक हमारे दैनिक जीवन में कितने महत्वपूर्ण हैं और वे एक सुरक्षित और विश्वसनीय समाज बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा आयोजित इस गुणवत्ता दौड़ को उदयपुर के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर बताया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस आयोजन से संभाग में गुणवत्ता चेतना में बढ़ोतरी होगी।

पिपलांत्री से आये पर्यावरणविद् और समाजसेवी, पद्मश्री श्याम सुन्दर पालीवाल ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों से बीआईएस के इस गुणवत्ता मिशन को हर गांव में पहुंचाने की अपील की। उन्होंने आगे विश्व मानक दिवस समारोह की थीम, जो सतत विकास लक्ष्यों पर केंद्रित थी, की ओर ध्यान आकर्षित किया और प्रतिभागियों से इसमें योगदान देने का आग्रह किया। इस अवसर पर बीआईएस, राजस्थान प्रमुख और निदेशक कनिका कालिया ने कहा कि बीआईएस गुणवत्ता और सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। ''रन फॉर क्वालिटी'' जैसे आयोजन समाज के विभिन्न वर्गों को एक साथ लाते हैं ताकि मानकों के महत्व के बारे में सभी को जागृत किया जा सके और बीआईएस के गुणवत्ता मिशन में जोड़कर उन्हें एक सुरक्षित और सतत समाज बनाने में भागीदार बनने के लिए प्रेरित किया जा सके।

इस दौड़ में 1000 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय (एमएलएसयू) के छात्र और बीआईएस स्टैंडर्ड क्लब्स के सदस्य, उपभोक्ता संगठन और स्थानीय लोग भी दौड़ में शामिल थे।

प्रॉपर्टी डीलर पर बदमाशों ने कुल्हाड़ियों से हमला किया

हमले में प्रॉपर्टी डीलर सूरज मीणा गंभीर घायल, अस्पताल में भर्ती करवाया

चंदवाजी में प्रॉपर्टी डीलर पर हमले के बाद पुलिस ने मौका मुआयना किया।

- हमलावर मौके से फरार, पुलिस ने मामला दर्ज कर हमलावरों की तलाश शुरू की

मानपुरा माचेड़ी, (निसं)। चंदवाजी थाना क्षेत्र के चंदवाजी में एक प्रोपर्टी डीलर पर कुछ बदमाशों ने ऑफिस में घुसकर कुल्हाड़ियों से जानलेवा हमला किया। हमले में प्रॉपर्टी डीलर सूरज मीणा गंभीर घायल हो गया।सूचना पर मौके पर पुलिस पहुँची।घायल को निम्स अस्पताल में भर्ती करवाया गया। वहीं हमलावर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जानलेवा हमला करने वालों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र के चक मनोहरपुर निवासी मुकेश मीणा ने रिपोर्ट दी है कि उसके पिता सूरज मीणा जो कि प्रोपर्टी डीलर का काम करते हैं। मंगलवार को पेट्रोल पंप के सामने स्थित कार्यालय में बैठे थे कि बाइक सवार तीन युवक आए और सूरज मीणा पर कुल्हाड़ियों से ताबड़तोड़ वार कर फरार हो गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। घायल को नजदीक के निम्स अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां से परिजन उसे जयपुर किसी अस्पताल में ले गए। पुलिस बदमाशों की तलाश कर रही है। घायल प्रॉपर्टी डीलर के पुत्र मुकेश मीणा ने चक मनोहरपुर निवासी अशोक यादव पर शक जाहिर करते हुए बताया कि उसने कुछ दिन पहले जान से मारने की धमकी दी थी।

केरल से निकला साइकिल यात्रियों का दल अजमेर पहुंचा

साइकिल यात्रियों के दल ने अजमेर में भी यात्रा निकाली।

- वैश्विक शांति और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए निकाली जा रही है यात्रा
- केरल से कादियान तक 3,600 किमी की साइकिल यात्रा शुरू की गई है

अजमेर, (कासं)। वैश्विक शांति और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए निकाली जा रही साइकिल यात्रा मंगलवार को अजमेर पहुंची। यात्रा के अजमेर पहुंचने पर स्वागत किया गया। अजमेर के प्रमुख मार्गों पर यह यात्रा निकली। यह यात्रा अहमदिया मुस्लिम यूथ विंग की ओर से भारत में वैश्विक शांति और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए केरल से कादियान तक 3,600 किमी की साइकिल यात्रा शुरू की गई है।

जानकारी के अनुसार इस यात्रा की शुरुआत 6 सितंबर कालीकट में एक ध्वजारोहण कार्यक्रम के साथ हुई थी। साइकिल यात्री विभिन्न राज्यों और प्रमुख शहरों से गुजरते हुए जन जागरूकता अभियानों में भाग लेंगे, जिनका उद्देश्य वैश्विक संघर्षों की वृद्धि को रोकने और टिकाऊ प्रथाओं, विशेष रूप से साइकिल का उपयोग और पेड़ लगाने को बढ़ावा देना है। यह साइकिल यात्रा अहमदिया मुस्लिम समुदाय की ओर से शांति, समझ और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। साइकिल यात्री इस साझा विश्वास से प्रेरित हैं कि युद्ध और पर्यावरणीय क्षरण के विनाशकारी परिणामों से बचने के लिए ठोस कदम उठाना अत्यंत आवश्यक है।

जीप ने बाइक को टक्कर मारी, बेटे की मौत, पिता घायल

डूंगरपुर, (निसं)। वरदा थाना क्षेत्र में आतरी बस स्टैंड के पास एक जीप ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार बेटे की मौत हो गई, जबकि पिता घायल हो गए। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। वहीं, मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वरदा थाने के एएसआई वीरेंद्र कुमार ने बताया कि वरदा निवासी लक्ष्मण डिन्डोर ने मामला दर्ज कराया है। रिपोर्ट में बताया कि वह और उसका बेटा मुकेश दोनों सोमवार देर शाम को बाइक पर डूंगरपुर से अपने गांव लौट रहे थे। इस दौरान डूंगरपुर-वरदा मार्ग पर आंतरी बस स्टैंड के पास पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार जीप ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में मुकेश गंभीर घायल हो गया। वहीं, उसे मामूली चोट आईए जिसके बाद दोनों घायलों को सागवाडा अस्पताल ले गएए जहां पर दोनों ने इलाज करवाया। इसके बाद दोनों बाप-बेटे घर लौट आए। देर रात घर पर मुकेश की मौत हो गई। सूचना पर वरदा थाना पुलिस मृतक के घर पहुंची और शव को डूंगरपुर जिला अस्पताल की मोर्चरी लेकर आए। जहां पर पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

....तो क्या आप डाकू बन कर उसे लूट लेंगे

जोधपुर, (कासं)। एनडीपीएस मामले में 35 लाख रिश्वत के आरोप में हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान जोधपुर कमिश्नरेट 3 एसएचओ को सस्पेंड के शिफारिश की हैं।

मामले में कोर्ट ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर कोई व्यक्ति तस्कर है तो क्या आप डाकू बन कर उसे लूट लेंगे। जंगल राज बना दिया है सब ने मिलकर। ऐसे तो पुलिस और एसीबी से लोगों का विश्वास उठ जाएगा। जानकारी के अनुसार 2023 में डोडा पोस्त तस्कर से विवेक विहार थाना अधिकारी पर 35 लाख रिश्वत लेने आरोप लगा था। मामला दर्ज होने पर एसीबी से जांच करवाई गई थी। इसके बाद हाईकोर्ट ने एसीबी की जांच को भी संदिग्ध मानते हुए जांच सीबीआई को सौंपने के आदेश दिए हैं।

हाईकोर्ट जस्टिस फरजंद अली खान की कोर्ट ने मामले में इस मामले में सख्ती दिखाई। थानाधिकारी, जांच अधिकारी और एक अन्य एसएचओ को सस्पेंड करने के दिए आदेश जारी किए हैं। मामले में एसीबी के जांच अधिकारी की भूमिका को भी संदिग्ध माना है। कोर्ट ने डीजीपी से कहा कि वह एसीबी के जांच अधिकारी सहित इस मामले में सभी संदिग्धों के खिलाफ उचित कार्रवाई करें। इसी मामले को लेकर अगली सुनवाई 17 अक्टूबर को होगी। कोर्ट ने जांच का रिकॉर्ड अपने कब्जे में ले लिया है। एसीबी को नोटिस जारी किया गया है।

जाखम बांध देख अभिभूत हुए प्रकृतिप्रेमी

उदयपुर, (कासं)। वन विभाग की ओर से आयोजित वन भ्रमण कार्यक्रम के तहत उदयपुर के 30 प्रकृति प्रेमियों को प्रतापगढ़ जिले के सीतामाता वाइल्डलाइफ सैंचुअरी की सैर करवाई।

संचालक कनिष्क ने बताया इस बार सीतामाता टूर में दातलिया गांव स्थित झरनी माता वाटरफॉल को जोड़ा गया जो आकर्षण का केन्द्र रहा। ऊंचे पहाड़ों के मध्य बनी स्कैटिटेंलाइट गुफाओं के ऊपर से बहते इस झरने में प्रकृति प्रेमियों ने करीब दो घंटे आनंद लिया। दूसरे चरण में जाखम बांध ले जाया गया जहां छलकते बांध के साथ लोगों ने तस्वीरे कमरे में कैद की।

44 साल पुरानी रंजिश के चलते युवक की गोली मारकर हत्या

- हमलावरों ने युवक को पांच गोलियां मारी, वारदात का वीडियो सामने आया
- मौके से पांच गोलियों के खाली खोल बरामद, हत्या के बाद बदमाश पैदल ही फरार हो गए
- बताया जा रहा है कि युवक और आरोपियों के परिवार के बीच 44 साल पुरानी रंजिश थी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में वर्षों पुरानी रंजिश के चलते में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। युवक को हमलावरों ने पांच गोलियां मारी। हत्या के बाद बदमाश पैदल ही फरार हो गए। गोली मारने का वीडियो भी सामने आया है।

मंगलवार दोपहर डांगियावास के खेड़ी सालवा निवासी सुभाष बिश्नोई (19) सांगरिया फाटा क्षेत्र में रिश्तेदार से मिलने आया था। वह बाइक पर सड़क पर खड़ा था। दो बदमाश उसके पास आए और पहले बात करने लगे। एक युवक ने जेब से पैसे निकालकर सुभाष का ध्यान उसकी ओर किया। इसी दौरान दूसरे बदमाश ने युवक पर गोलियां चला दी। युवक जमीन पर गिर गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। गोलियों की आवाज सुनकर मौके पर भीड़ इकट्ठा हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। युवक के शव को एम्स की मॉर्च्यूरी में रखवाया गया है। शरीर पर सीने, दाएं हाथ, गर्दन और पीठ पर गोली लगने के निशान मिले हैं। पुलिस ने मौके से पांच गोलियों के खाली खोल बरामद किए हैं।

सामने आया कि सुभाष और आरोपियों के परिवार के बीच 44 साल पुरानी रंजिश है। 15 मई 1970 में दोनों परिवार (थानाराम-चतुराराम) गांव खेड़ी सालवा में पड़ोसी थे। किसी बात पर दोनों परिवारों के बीच झगड़ा हो गया था। झगड़े में थानाराम के परिवार ने लाठी से वार कर चतुराराम की हत्या कर दी थी। दादा की मौत का बदला लेने के लिए 2018 में अनिल लेगा ने थानाराम की हत्या कर दी थी। अपने पिता की हत्या का बदला लेने के लिए 9 महीने पहले थानाराम के बेटे और परिवार के लोगों ने बनाड़ थाना क्षेत्र के खेड़ी सालवा में दिनदहाड़े अनिल लेगा की गोली मारकर हत्या कर दी थी। अनिल लेगा की हत्या में सुभाष अपने बड़े भाई के साथ शामिल था। सुभाष 20 दिन पहले ही जमानत पर बाहर आया है, जहां सुभाष का मर्डर किया, वहां से कुछ दूरी पर ही उसके चाचा का घर है और वह वहीं आया हुआ था।

मूर्तियों के खंडित मामले में लोगों में आक्रोश

शिव परिवार की मूर्ति खंडित होने पर लोगों में आक्रोश फैल गया।

- कस्बे के लोगों ने विरोध मार्च निकालकर बाजारों को बंद कराया

जुरहरा, (निसं)। कस्बे के प्राचीन चमत्कारी इंद्रकुटी हनुमान मंदिर पर स्थित शिव परिवार की मूर्तियों के सोमवार को खंडित कर देने के मामले में मंगलवार की सुबह कस्बे में विरोध मार्च निकाला गया।

विरोध मार्च कस्बे के इंद्रकुटी हनुमान मंदिर से शुरू होकर सैनी मौहल्ला, चौपड़ा बाजार, मैन बाजार होते हुए बस स्टैंड पर पहुंचा, जहां लोगों ने पुलिस-प्रशासन के खिलाफ नाराजगी व्यक्त करते हुए पुलिस-प्रशासन के खिलाफ नारे लगाने शुरू कर दिए और जुरहरा-कामां रोड को बीच सड़क पर टायर जलाकर जाम कर दिया। रोड को जाम कर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर रहे कस्बेवासी धरने पर बैठ गए। जाम व धरने की सूचना मिलते ही जुरहरा थाना अधिकारी योगेंद्र सिंह राजावत मय जाप्ता के मौके पर पहुंचे और उपस्थित लोगों से बात कर जाम को खुलवाने के काफी प्रयास किए। लेकिन धरने में शामिल लोग आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग पर पड़े रहे। कामां विधायक नौक्षम चौधरी ने मामले में संज्ञान लेते हुए जुरहरा तहसीलदार मनोज भारद्वाज व कामां सीओ को मौके पर भेजा। जहां उन्होंने कस्बेवासियों से बात की लेकिन कस्बेवासी जल्द जे जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी पर अड़े रहे। कस्बे के गणमान्य लोगों ने कार्यवाही के लिए 7 दिन का अल्टीमेटम देते हुए जाम को खोलकर धरने को समाप्त कर दिया।

क्षेत्र में आस्था का बहुत बड़ा केंद्र है जुरहरा का इंद्रकुटी हनुमान मंदिर- जुरहरा कस्बा सहित ग्रामीण अंचल में जुरहरा का इंद्रकुटी हनुमान मंदिर आस्था का बहुत बड़ा केंद्र है यहां सैकड़ो लोग प्रतिदिन सुबह-शाम दर्शन करने के लिए आते हैं और इंद्रकुटी हनुमान मंदिर के परिसर में ही शिव परिवार की मूर्ति प्रति स्थापित हैं जिनको किन्ही असामाजिक तत्वों के द्वारा खंडित किया गया है जिसके चलते क्षेत्र के लोगों में काफी आक्रोश बना हुआ।

तलाई में डूबने से युवक की मौत

गंगापुर सिटी, (निसं)। अलीगंज रोड स्थित एक तलाई में युवक के डूबने से उसकी मौत हो गई। इससे पहले युवक को पानी बाहर निकाल कर पास में ही एक निजी हॉस्पीटल और इसके बाद गंगापुर सिटी गर्वमेंट हॉस्पिटल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। छुट्टनराम (30) पुत्र बेरीटरराम मोची निवासी मोतीपुर जिला गोपालगंज बिहार यहां गंगापुर सिटी अलीगंज रोड पर एक कबाडी के यहां गोदाम पर रखवाली का काम करता था। सोमवार को छुट्टनराम गोदाम के पास अलीगंज रोड पर ही एक तलाई के पास पहुंच गया था। संभवतया छुट्टनराम ने नशा कर रखा था और इसी कारण वह पानी में गिर गया।

कोटा राष्ट्रीय दशहरा मेला : राम बारात का पग-पग पर स्वागत, लोक संस्कृति की छटा बिखरी

अपूर्व उत्साह, अद्भुत उल्लास के साथ राम के विवाह में कोटावासी बाराती बने

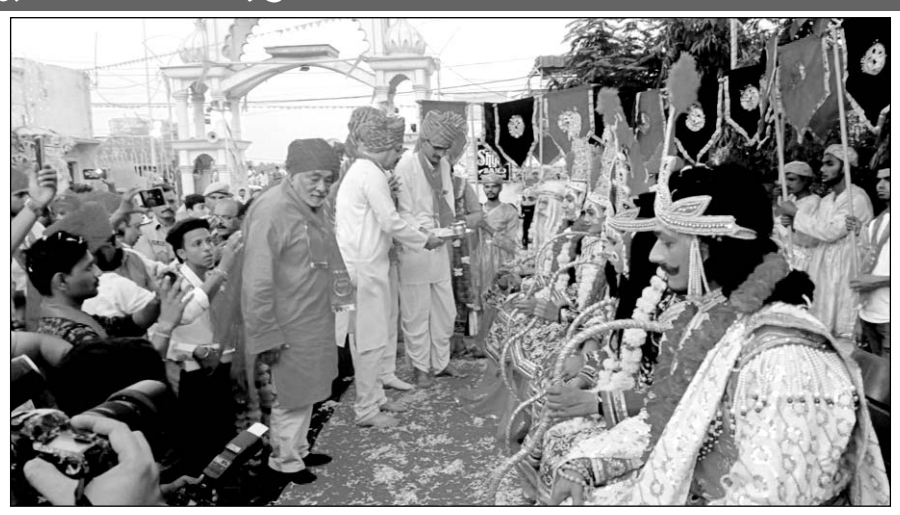
कोटा में निकली राम बारात का आस्था के साथ स्वागत किया गया।

कोटा, (निसं)। 131वें राष्ट्रीय दशहरा मेले के तहत मंगलवार को आयोजित राम बारात में अपूर्व उत्साह और अद्भुत उल्लास दिखाई दिया। प्रभु श्रीराम और माता जानकी के विवाह में जैसे पूरा कोटा बाराती बना। कहीं पुष्पवर्षा तो कहीं आतिशबाजी, एक-दूसरे का मुंह मीठा करवाते लोग, लोक संस्कृति के रंगों में रंगी मनोहारी झांकियों और लोक नृत्य, पूरा नजारा अलौकिक और हतप्रभ कर देने वाला रहा।

गीता भवन से श्रीराम रंगमंच तक के करीब पांच किलोमीटर तक के मार्ग पर राम बारात का पग-पग पर स्वागत हुआ। राम बारात के प्रति आमजन के अपार हर्ष का अंदाजा गीता भवन में उमड़े श्रद्धालुओं को देखकर लगाया जा सकता था। शहर के प्रबुद्धजन से लेकर आमजन तक प्रारंभ से ही राम बारात का भाग बनने के लिए आतुर दिखाई दे रहा था। गीता भवन में कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा, मेला समिति अध्यक्ष विवेक राजवंशी, नगर निगम कोटा दक्षिण आयुक्त अनुराग भार्गव, मेला अधिकारी जवाहरलाल जैन, अतिरिक्त मेला अधिकारी महेशचंद गोयल, मेला प्रभारी महावीर सिंह सिसोदिया, मेला समिति सदस्यों ने श्रीराम परिवार और मुनियों के प्रतिरूप का पूजन आरती कर शोभायात्रा को रवाना किया। राम बारात ने जैसे ही वाल्मीकि बस्ती में प्रवेश किया, नजारा पूरी तरह बदल गया। जयश्री राम के गूंजते जयकारों से पूरा माहौल गुंजायमान हो गया।

घोड़े पर सवार महिलाओं के नेतृत्व में निकल रही राम बारात में डांडिया और गरबा की प्रस्तुतियां, कालबेलिया नृत्य करती महिलाएं, स्वांग रचाते लोक कलाकार सबका मन मोह रहे थे। शोभायात्रा मार्ग रोशनी से जगमगा रहा था और जानकी को ब्याहने के लिए निकले प्रभु श्रीराम की एक झलक पाने को आतुर सड़कों के साथ छत की मुडेरों पर भी अपनी जगह छोड़ने को तैयार नहीं था। गजराज के साथ बैण्ड वादक दल मन दर्पण कहलाए... रामजी की निकली सवारी रामजी की लीला है न्यारी.., जग में सुंदर है दो नाम चाहे कृष्ण कहो या राम....सरीखे भजनों से माहौल को भक्तिमय बना रहे थे। सधे हुए अंदाज में घूमर व चकरी करती नृत्यांगनाएं कला संस्कृति की छाप छोड़ रही थी।

शोभायात्रा में घोड़ा बग्घी, हाथी, ऊँटगाड़ी थीं। बग्घी में प्रभु श्री राम, भ्राता लक्ष्मण, मुनि विश्वामित्र समेत अनेक झांकियां मौजूद थीं। होली चेक पंजाबी अखाड़े 'गतका' की प्रस्तुति देते पट्टेबाज चल रहे थे। विभीषण बने राजाराम कर्मयोगी हाथ लहराते चल रहे थे। राम बारात गीता भवन से प्रारंभ होकर वाल्मीकि बस्ती, सब्जीमंडी, सुंदर धर्मशाला, श्रीपुरा, लाल बुर्ज, कैथूनीपोल थाने के सामने, टिपटा, गढ़ पैलेस, किशोरपुरा दरवाजा होते हुए दशहरा मैदान पहुंची, जहां भगवान राम का विवाह जनक दुलारी सीता के संग हुआ।

संक्षिप्त

विशाल भंडारे का पोस्टर विमोचित

शाहपुरा, (निसं)। पुलिस थाने के पीछे श्री श्याम बाबा मंदिर के 12 वां पाटोत्सव मेले को लेकर मंगलवार को शाहपुर नगर परिषद के सभापति बंशीधर सैनी के मुख्य अतिथि में विशाल भंडारे के पोस्टर का विमोचन किया गया। इस दौरान मंदिर कमेटी के अध्यक्ष जगदीश प्रसाद अजमेरी व कोषाध्यक्ष राजेश मंडोवरा ने बताया कि 13 अक्टूबर रविवार को श्याम बाबा की निसान पदयात्रा महाराजा गार्डन से 1:00 बजे रवाना होगी। 14 अक्टूबर सोमवार को श्याम बाबा मंदिर परिसर में रामायण पाठ पूज्य महाराज श्री राम रिछपाल दास जी के सानिध्य में प्रारंभ होगी और 15 अक्टूबर मंगलवार को दोपहर 3:00 बजे से अतिथि सम्मान व विशाल भंडारा प्रसादी होगी। 13 अक्टूबर रविवार को शाम 5:00 बजे से श्याम भजन अमृत गंगा भजन संध्या का आयोजन होगा जिसमें अलवर के भजन कलाकार कमल कान्हा सुखवाली एवं अमित म्यूजिकल ग्रुप पावटा व स्थानीय भजन कलाकार भजन संध्या में भाग लेंगे। इस दौरान मंदिर कमेटी के संस्थापक शंकर लाल सैनी, सचिव अनिल कुमार नरवल, व्यवस्थापक रोहतास यादव, गोवर्धन लाल सैनी, हरि नारायण अग्रवाल, जयराम पूनिया आदि पदाधिकारी पोस्टर विमोचन के दौरान मौजूद थे।

उपखंड अधिकारी ने निरीक्षण किया

श्रीमाधोपुर ।उपखंड अधिकारी द्वारा राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया गया। उपखंड अधिकारी ने बताया कि निरीक्षण में ओपीडी, आईपीडी, शौचालय, साफ सफाई व्यवस्था, आपातकालीन कक्ष, लेबर कक्ष, अस्पताल के विभिन्न कक्षों एवं वार्ड, ओषधी भंडार, औषधी काउंटर ईत्यादी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में कई खामियां पाई गई। निरीक्षण के दौरान 11 कार्मिक अनुपस्थित पाए गए। अनुपस्थित कार्मिकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए है साथ ही अस्पताल प्रभारी को टॉयलेट, बरामदा एवं जीने में लाइट्स की व्यवस्था करने, सोनोग्राफी मशीन में ट्रेकर लगवाने सीबीसी मशीन के आवश्यक रीजेंट्स प्राप्त करने, एक्स - रे कक्ष के यूपीएस को तत्काल ठीक करवाने, स्टोर में आवश्यक दवाईयों, सामग्रियों व उपकरणों की पर्याप्त मात्रा में तत्काल उपलब्धता करने के निर्देश प्रदान किए गए तथा साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने हेतु निर्देशित किया गया।

करीब एक साल बाद भी ओवर ब्रिज निर्माण अधुरा

सावरदा, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 पर मौखमपुरा में निर्माणाधीन ओवर ब्रिज के निर्माण कार्य शुरू हुए करीब एक साल का समय हो जाने के बावजुद भी निर्माता कंपनी की कछुआ चाल निर्माण कार्य का खामियाजा लंबे समय से राजमार्ग से गुजरने वाले वाहन चालको को भुगतना पड़ रहा है । राजमार्ग पर मौखमपुरा ओवर ब्रिज निर्माण कार्य के दौरान अजमेर जयपुर मार्ग पर , आए दिन वाहनो कि लंबी कतार कभी कभी तो सात किलोमीटर की दुरी तक पहुंच जाने के चलते वाहनो को , निकलने मे आठ घंटे तक का समय लग जाता है । जिसके चलते वाहन चालको को काफी परेशानीयों का सामना करना पड़ता है । सोमवार को भी हल्की बरसात के बाद देर शाम से वाहनो कि कतारे लगना शुरू हुई तो मंगलवार को दोपहर तक जारी रहने से यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को काफी परेशानी उठानी पड़ी ।

हरियाणा चुनाव में भाजपा की जीत पर मनाया जश्न

टोंक। भारतीय जनता पार्टी की हरियाणा विधानसभा चुनावों मे ऐतिहासिक विजय पर जिलाध्यक्ष अजित सिंह मेहता के नेतृत्व पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओ ने शहर के घंटाघर चौराहा पर आतिशबाजी की और साथ ही 51 किलो लड्डू वितरित किये गए, कार्यकर्ताओ ने इस जीत को असत्य पर सत्य की विजय बताया। इस अवसर पर जिला महामंत्री दिपक संगत, महेंद्र चौधरी जिला उपाध्यक्ष खैमराज मीणा, ओम पांडे, जिला मंत्री शैलेन्द्र जैन,जयपुर संगठन प्रभारी नरेश बंसल, मुकेश यादव, पुष्पेंद्र जैन, अनिल शर्मा,जय नारायण वर्मा, पार्षद मुकेश कश्यप, राधेश्याम साहू, रामजस चौधरी,नरेंद्र शर्मा, नफीस मंत्री, अंकित शर्मा, रामनरेश शर्मा, भगवान बाहेती, विष्णु चावला, सीताराम चावला,सुरेश ठेकेदार, हीरालाल महावर, हित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे

'जनकल्याणकारी योजनाओं ने हरियाणा में भाजपा को लगवाई जीत की हैट्रिक'

- विधायक हंसराज पटेल ने भाजपा को हरियाणा में मिली प्रचण्ड जीत पर दी प्रतिक्रिया
- पटेल के प्रभार वाली सोहना विधानसभा से लगभग 12 हजार वोटों से जीती भाजपा

कोटपूतली। मंगलवार को आये हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों में भारतीय जनता पार्टी को मिली शानदार जीत से भाजपा कार्यकर्ताओं व नेताओं में अपार जोश व उल्लास का माहौल है।

उल्लेखनीय है कि कोटपूतली विधायक हंसराज पटेल को बतौर चुनाव प्रभारी भारतीय जनता पार्टी द्वारा गुरूग्राम की सोहना विधानसभा का दायित्व सौंपा गया था। उक्त सीट पर पटेल ने जहाँ निरन्तर चुनाव प्रचार में भाग लिया। बल्कि डोर टु डोर कैंपेन कर आमजन से भाजपा के पक्ष में वोट मांगे। सोहना सीट के परिणामों में भाजपा उम्मीदवार तेजपाल तंवर ने 61243 मत प्राप्त कर कांग्रेस प्रत्याशी रोहिताश सिंह को 11877 मतों से पराजित किया है। सोहना में भाजपा को मिली शानदार जीत व हरियाणा में प्रचण्ड बहुमत से भाजपा सरकार बनने पर प्रतिक्रिया देते हुये पटेल

कोटपूतली में भाजपा प्रत्याशी तेजपाल तंवर को पुष्प गुच्छ भेंट कर बधाई देते पटेल।

ने कहा है कि यह केन्द्र व राज्य की डबल इंजन सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, राष्ट्रवादी नीतियों, सुशासन, विकास कार्यो की जीत है, जो जनता के भाजपा में विश्वास को स्पष्ट करती है। पीएम नरेन्द्र मोदी समेत राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनियां के सक्षम नेतृत्व व कुशल मार्गदर्शन में कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम से भाजपा जीत की हैट्रिक लगाने में सफल रही है। उन्होंने इस जीत पर समस्त प्रत्याशियों व पार्टी नेतृत्व को शुभकामनायें प्रेषित की।

'टोबेको फ्री यूथ कैम्पेन 23 नवंबर तक चलेगा'

अलवर। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के दिशा निर्देशानुसार पूरे राजस्थान में टोबेको फ्री यूथ कैम्पेन 23 नवंबर तक चलेगा, जो 24 सितंबर से शुरू हुआ है। इस जागरूकता अभियान के तहत मंगलवार को सीएमएचओ ने बताया- यह तम्बाकू उत्पादों के दुष्प्रभावों को लेकर जन जागरूकता अभियान है। इसके तहत सोशल मीडिया के जरिए भी जानकारी दी गई है। इस अभियान की समीक्षा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर की जाएगी। लेकिन मीडिया ने सीएमएचओ को उनके ही कार्यालय में तम्बाकू व गुटखा की पीक पड़ी मिली। उसके फोटो दिखाए तो तुरंत सफाई कराने के निर्देश दिए। डॉ. योगेंद्र शर्मा ने बताया- सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर 200 रुपए जुर्माना, विज्ञापन, संवर्धन और तम्बाकू नियंत्रण की धारा 5 के अनुसार 1 हजार स 5 हजार रुपए का जुर्माना और 1 से 5 साल तक का कारावास, नाबालिग के लिए बिक्री पर निषेध की धारा 6 अ के तहत 200 रुपए जुर्माना, तम्बाकू उत्पादों पर स्वास्थ्य चेतावनी जरूरी है।

बजरंग दल ने मनाया 40 वां स्थापना दिवस

श्रीमाधोपुर । बजरंग दल ने 40 वां स्थापना दिवस मनाया। बजरंग दल बल उपासना केंद्र आर आर फाइटिंग क्लब में मनाया। बजरंग दल के जिला सह संयोजक रवि प्रजापत ने बताया कि इस तरुण अवस्था में बजरंग दल का एक विशाल स्वरूप पूरी दुनिया ने देखा है और आगे भी देखती रहेगी। सेवा सुरक्षा संस्कार इस धेय्य वाक्य पर चलते हुए,आज हमने संपूर्ण देश भर में एक अलग पहचान बजरंगी के रूप में स्थापित की।बजरंग दल के 40 वर्ष पूर्ण होने पर सभी हिन्दू भाईयो को हार्दिक बधाई दी उन्होंने कहा कि बजरंग दल 8 अक्टूबर 1984 को स्थापित हुआ। हिन्दू युवाओ का एक मात्र संगठन है , जिसने विगत 40 वर्षो में हिन्दू समाज की माताओं एवं बहनों की रक्षा करने का बीड़ा उठा रखा है और आज इतनी बड़ी शक्ति के रूप में स्थापित हुआ है ।ये सब हनुमान जी के बल के सहारे ही संभव हुआ है ।

'मिलावटी खाद्य सामग्री बेचने और बनाने वालों पर करें करवाई'

- अधिकारियों ने एक साथ 33 पशु चिकित्सा केंद्रों का किया निरीक्षण

खैरथल। जिला सचिवालय खैरथल पर मंगलवार को जिला कलेक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक हुई। समीक्षा बैठक में जिला कलेक्टर ने दीपावली त्योहार को देखते हुए नगर निकाय एवं रसद में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को साफ सफाई रोशनी आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री की रोकथाम को लेकर कड़े निर्देश दिए हैं। बैठक में जिला कलेक्टर ने अधिकारियों प्लास्टिक फ्री जिला बनाने के लिए कार्य योजना तैयार कर विशेष अभियान चलाने के निर्देश भी दिए हैं।

जिला सचिवालय पर आयोजित हुई समीक्षा बैठक में विभागों की बिंदुवार समीक्षा करते हुए जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने नगर निकाय के अधिकारियों को आगामी दिवाली त्योहार को देखते हुए शहर में साफ सफाई तथा रोशनी पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं । इसी के साथ जिला कलेक्टर ने जिला रसद अधिकारी व जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए और कहा दिपावली के त्योहारी सीजन में खाद्य पदार्थों में मिलावट की संभावना को देखते हुए मिलावट करने वालों पर कड़ी निगरानी रखी जाकर कार्रवाई की जाए। जिससे होने वाले स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ को रोका जा सके।

बैठक के दौरान जिला कलेक्टर ने सम्भावित मौसमी बीमारियों की रोकथाम, बिजली, पानी, सार्वजनिक आवश्यक सेवाओं की सूचारू रूप से आपूर्ति एवं समीक्षा बैठकों की अनुपालना रिपोर्ट, सम्पर्क पोर्टल, सीएमओ आदि की वर्तमान स्थिति एवं प्रगति की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने संपर्क पोर्टल के विभिन्न मापदंडों पर सभी अधिकारियों की समीक्षा कर आने वाली शिकायतों का त्वरित गति से निस्तारण करने के लिए भी निर्देश दिए। डिप्टी सीएमएचओ ने तंबाकू फ्री अभियान के बारे में जानकारी दी जिस पर जिला कलेक्टर ने अभियान की सफल संचालन हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

इसके अलावा जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला सचिवालय पर जिला स्तरीय मेवात क्षेत्रीय विकास समिति एवं जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक हुई। बैठक में मेवात विकास बोर्ड से होने वाले विकास कार्यों का अनुमोदन किया गया तथा जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक में जल अभियंत्रिक अधिकारी को अधूरे कार्य पूरे करने के लिए निर्देशित किया गया।

जिला प्रमुख ने स्वीकृत कार्यों की ली समीक्षा बैठक

टोंक। सरोज बसंल जिला प्रमुख टोंक की अध्यक्षता में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के स्वीकृत कार्या की समीक्षा एवं पंचायती राज विभाग के अधीन पांचो विभाग चिकित्सा, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग, कृषि एवं सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग के अधीन चल रही योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक जिला प्रमुख कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में जिला प्रमुख सरोज बसंल ने ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, राज्य वित्त आयोग षष्ठम एवं 15 वाँ वित्त आयोग की जिला परिषद मद से स्वीकृत कार्या की समीक्षा की जिसमें सभी विकास अधिकारियों को जिला परिषद मद से स्वीकृत कार्या की बकाया तकनीकी स्वीकृतियाँ शीघ्र भिजवाने हेतु निर्देशित किया साथ ही पूर्व में स्वीकृत अप्रारम्भ कार्या को आज ही प्रारंभ करने के निर्देश प्रदान करते हुए प्रगतिरत् कार्या को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश प्रदान किये।

राजगढ़ में महिलाओं ने भव्य कलश यात्रा निकाली

राजगढ़। पाबू जी महाराज माचड़ी धाम की ओर से भोरंगी गौशाला नवनिर्मित गेट एवं मूर्ति स्थापना को लेकर मंगलवार को महिलाओं ने भव्य कलश यात्रा निकाली। इससे पूर्व रात्रि को गौशाला में भव्य सजे दरबार में लोकप्रिय भजन गायक कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति से उपस्थित महिला पुरुषों को नृत्य करने को मजबूत कर दिया।

मंगलवार को भव्य कलश यात्रा पाबूजी महाराज धाम रेबार पूरा से भोरंगी गौशाला तक बेंड बाजे के साथ हजारों महिला पुरुषों की मौजूदगी में निकाली गई। इस अवसर पर राजस्थान भर के धामों से प्रमुख संतों की मौजूदगी में भव्य कलश यात्रा एवं शोभायात्रा निकाली गई। कलश यात्रा के दौरान अनेक झांकियां सजाई गई। कलश यात्रा का प्रमुख मार्ग में धर्म प्रेमी लोगों की ओर से पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया।भोरगी गौशाला से जुड़े आशीष शर्मा एवं अन्य समाजसेवी लोगों की ओर से माचाड़ी चौक में पुष्प वर्षा कर अभिनंदन किया गया। पुलिस एवं विद्युत वितरण निगम के कर्मचारियों का भी व्यवस्था को लेकर पुख्ता इंतजाम रहा। इस अवसर पर पाबूजी महाराज

राजगढ़ में पाबू जी महाराज माचड़ी धाम की ओर से भोरंगी गौशाला नवनिर्मित गेट एवं मूर्ति स्थापना को लेकर कलश यात्रा निकाली।

रेबारपुरा धाम से विभिन्न ध्वज पताकाओं के साथ महिला पुरुषों की सामूहिक कलश एवं शोभायात्रा में महिलाओं ने भजनों पर रोचक नृत्य कर कार्यक्रम को ऊंचाइयां प्रदान की। इससे पूर्व रात्रि को गौशाला परिसर में विशाल जागरण का आयोजन किया गया इसमें जोधपुर के आकृति मिश्रा एवं भवानी सिंह कोलू ने पाबूजी महाराज के भजन एवं हट मत पकडे पार्वती भंबोला परणबा ने आवे लो सहित अन्य मारवाड़ी भाषा में सुंदर भजन प्रस्तुत कर सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। उन्होंने अन्य लोक देवताओं से संबंधित भजन प्रस्तुत कर उपस्थित पंडाल में हलचल पैदा कर दी। स्थानीय संजय राजस्थानी जगमोहन पाराशर एवं अन्य कलाकारों ने भी भजन प्रस्तुत किया।इस अवसर पर भव्य दरबार सजाया गया। जागरण में भारी संख्या में साधु संतों सहित श्रद्धालु महिला पुरुषों नेधर्म लाभ कमाया।

'लंबित परिवादों का सात दिनों में निस्तारित करें'

दूदू। जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक का आयोजन मंगलवार को अतिरिक्त जिला कलक्टर गोपाल परिहार की अध्यक्षता में जिला कलेक्ट्रेट में हुआ।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर ने सभी जिला स्तरीय विभागों के ई- फाइल के औसत निस्तारण, संपर्क पोर्टल पर लंबित परिवादों के निस्तारण तथा उप मुख्यमंत्री जन सुविधा केंद्र व जनसुनवाई लंबित प्रकरणों की समीक्षा की।

उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को संपर्क पोर्टल पर लंबित परिवादों का 7 दिनों में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही उन्होंने सभी विभागों द्वारा ई - फाइल निस्तारण के औसत समय में कमी लाने के निर्देश दिए।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को उप मुख्यमंत्री जनसुविधा केंद्र व जनसुनवाई से संबंधित लंबित प्रकरणों का भी त्वरित रूप से निस्तारण करने के निर्देश दिए।

इस दौरान बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी रेणु तँवर, विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता जे पी बैरवा, उद्यानिकी विभाग के उपनिदेशक डॉ पी सी वर्मा, कृषि विभाग के सहायक निदेशक डॉ एन आर शर्मा, महिला बाल विकास विभाग के उपनिदेशक सिकरामा राम, जिला परिवीक्षा अधिकारी हेमलता बासनवाल,प्रवर्तन निरीक्षक सरिता सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बालिकाओं को योगाभ्यास की दी जानकारियां

निवाई । मंगलवार को राजकीय सीनियर सेकेंडरी बालिका विद्यालय में योगाचार्य अशोक गुर्जर द्वारा बालिकाओं को योगाभ्यास करवाया। अशोक गुर्जर ने बालिकाओं को योगा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कपिल गुर्जर ने प्राणायाम, अनुलोम, विलोम, कपालभाति, शीर्षासन व चक्रासन आदि योगाभ्यास करवाएं। इस अवसर पर समस्त शिक्षक मौजूद रहे।

पतंजलि विश्वविद्यालय को नैक का ए प्लस ग्रेड मिला

जयपुर, (का.सं.)। पतंजलि विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद्, नैक द्वारा उच्च अंकों के साथ ए प्लस ग्रेड मिला है। पतंजलि विश्वविद्यालय को प्राप्त पेड पॉइंट, राष्ट्रीय स्तर पर योग विश्वविद्यालयों में सर्वाधिक हैं।

नैक द्वारा मूल्यांकन का परिणाम घोषित होने के पश्चात आज विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कार्मयोगियों को सम्बोधित करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति स्वामी रामदेव ने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य भारत को समृद्ध रुप से आत्मनिर्भर राष्ट्र के रुप में विकसित करने हेतु सक्षम युवा शक्ति को गढ़ना है और यह तभी सम्भव है जब युवाओं का व्यक्तित्व योगमूलक हो और सभी आयामों में सामर्थ्य के साथ-साथ एक सुदृढ़ चरित्र एवं व्यक्तित्व का विकास हो। यह कहते हुए कि आज की शिक्षा अधिकाधिक नौकरी केन्द्रित हो गई है, उन्होंने इस बात

पर बल दिया कि पतंजलि विश्वविद्यालय का उद्देश्य युवाओं में जीवन और समाज के हर क्षेत्र में नेतृत्व परक गुणों का विकास करना है। उन्होंने आगे कहा कि आज पूरे विश्व को ऐसी युवा शक्ति की आवश्यकता है जिसको अपने अतीत का समग्र बोध हो, जिसमें वर्तमान की चुनौतियों का समाधान करने का सामर्थ्य हो और जो भविष्य की संभावित चुनौतियों का प्रामाणिक आंकलन कर सके। उन्होंने इस बात पर ध्यान दिलाया कि पतंजलि विश्वविद्यालय की समस्त शैक्षिणक गतिविधियों का उद्देश्य ऐसे युवाओं को शिक्षित करना है जो राष्ट्र को नई दिशा प्रदान करने के साथ ही वैश्विक धरातल पर भी पूरी मानवता का नेतृत्व कर सकें।

स्वामी रामदेव ने जोर देकर कहा कि समाज की विभिन्न संस्थायें विशिष्ट क्षेत्रों में क्षमता संवर्धन कर सकती है लेकिन समग्र रुप से राष्ट्रीय एवं वैश्विक परिस्थिति का नेतृत्व करने का कार्य शिक्षा व्यवस्था के गर्भ से ही हो सकता है, और इसका

आचार्य बालकृष्ण

प्रमाण पतंजलि विश्वविद्यालय है। उन्होंने बताया कि योग, आयुर्वेद एवं स्वदेशी के सफल आन्दोलन के पश्चात् युवाओं के मानस को सम्यक रुप से गढ़ने का कार्य पतंजलि विश्वविद्यालय और पतंजलि संस्थाओं द्वारा हो रहा है, और गुरुकुल, आचार्यकुलम् एवं पतंजलि विश्वविद्यालय के माध्यम से भारतीय दृष्टि से वैश्विक नेतृत्व का सामर्थ्य रखने वाले युवा मानस को सिंचित किया जा रहा है।

बच्चों को तंबाकू सेवन नहीं करने की शपथ दिलाई

दौसा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विाग ने मंगलवार को जिले में शक्ति दिवस मनाकर तंबाकू मुक्ति का संदेश दिया गया। र्गावती महिलाओं और बच्चों को तंबाकू से होने वाले नुकसान बताकर इसका सेवन नहीं करने की शपथ दिलाई गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सीताराम मीणा ने बताया कि तंबाकू मुक्ति को लेकर जिले में 60 दिवसीय तंबाकू मुक्त युवा अियान 2.0 संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक मंगलवार को एनिमिया मुक्त राजस्थान अियान के तहत आंगनबाड़ी केन्द्रों, राजकीय विद्यालयों, हैल्थ वैलनेस सेंटर्स और सा राजकीय चिकित्सा संस्थानों पर शक्ति दिवस मनाया जाता है। इसके तहत गांव बहड़को, खावदा गाजीपुर, मीना खेड़िया, रामगढ़ आदि गांवों में र्गावती महिलाओं को र्गावस्था और प्रसव के बाद या किसी ी अवस्था में तंबाकू उत्पादों जैसे सिगरेट, बीड़ी, गुटखा, खैनी आदि के उपयोग से उन्हें और उनके बच्चे पर पड़ने वाले नकारात्मक असर के बारे में बताया गया।

सार-समाचार

सीए ऋषि अग्रवाल को मिला प्रतिभा सम्मान पुरस्कार

जयपुर। श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव 2024 के उपलक्ष पर जयपुर में प्रतिभा सम्मान एवम समापन समारोह का आयोजन श्री अग्रवाल समाज समिति,जयपुर के द्वारा बिरला ऑडोटोरियम में आयोजित हुआ।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी,अति विशिष्ट अतिथि विधायक एवम पूर्व चिकित्सा मंत्री कालीचरण सर्राफ, सांसद जयपुर शहर मंजू शर्मा व समारोह अध्यक्ष जेईसीआरसी युनिवर्सिटी के चेयरमैन सीए ओपी अग्रवाल आदि रहे। कार्यकर्म में मेरिट होल्डर , आईएएस आईपीएस आदि सेवाओं में चयनित अधिकारी एवम वर्ल्ड रिकॉर्ड/ऐतिहासिक कार्य करने वाले अग्रबंधुओ को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सीए ऋषि अग्रवाल जिन्होंने वाणिज्य के क्षेत्र में अनेकों डिग्रीयां एवं डिप्लोमा लिए है, को शिक्षा के क्षेत्र में उत्तम कार्य करने के लिए सम्मनित किया गया। बता दें कि रिंगस के रहने वाले ऋषि अग्रवाल को पूर्व में भी कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका हैं। ऋषि अग्रवाल ने आयकर और वस्तु एवं सेवा कर के नियमों की जानकारी पर कई सम्मेलनों में 100 से अधिक व्याख्यान दिए है। वे आयकर विशेषज्ञ के रूप में कई प्रमुख न्यूज चैनल, रेडियो स्टेशन के कार्यक्रमों में शामिल हो चुके हैं तथा कई किताबें एवं आर्टिकल्स भी लिखे हैं। वर्तमान में सीए ऋषि अग्रवाल कृभको , सहकार भवन में स्टेट एकाउंट्स हेड के पद पर कार्यरत हैं।

डॉ. बी. एल. सैनी को मिलेगा पर्यावरण प्रेमी और समाजसेवी सम्मान

श्रीमाधोपुर । पर्यावरण प्रेमी और समाजसेवी डॉ. बी. एल. सैनी को रविवार 20 अक्टूबर 2024 को भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय पर्यावरण संसद एवं बक्सवाहा सम्मान समारोह 2024 में उनके अद्वितीय कार्यों के लिए सम्मानित किया जाएगा। यह समारोह डॉ. सैनी को उनके पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पण और सामाजिक सेवाओं के लिए यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान करेगा। डॉ. सैनी ने 2021 में बक्सावाहा जंगल बचाओ आंदोलन के दौरान मीडिया और काव्य साहित्य के माध्यम से जागरूकता फैलाने का महत्वपूर्ण कार्य किया। उनके इस प्रयास के लिए उन्हें यह सम्मान प्राप्त हो रहा है। समारोह के आयोजनकर्ता और प्रमुख पर्यावरणविद् डॉ. राजीव जैन ने इस सम्मान के लिए डॉ. सैनी के चयन की आधिकारिक घोषणा की है।डॉ. सैनी को सामाजिक सेवा के लिए अनेक मंचों से सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने अब तक 700 से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसके लिए उन्हें ''पर्यावरण रत्न अवार्ड'' और ''पर्यावरण पुरस्कार'' से नवाजा गया है। मोहित सैनी ने बताया कि डॉ. बी. एल. सैनी समाज के प्रति निस्वार्थ सेवा करते हुए अनेक सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते हैं, जिससे उन्हें विभिन्न मंचों से सम्मानित किया गया है।

सांभर पालिका ने 20 साल पहले राशि वसूली, आज तक नहीं मिली सुविधा

सांभरझील, (निसं)। नगरपालिका अपनी जिम्मेदारी से किस प्रकार से मुंह मोड़ लेती है इसका भी एक और उदाहरण वार्ड 22 के निर्वाणो के मोहल्ला में देखने को मिला है। करीब एक दशक से भी अधिक समय से मकान बनाकर रह रहे लोगों से विकास के नाम पर राशि जमा कर आज तक कोई विकास कार्य नहीं करवाया गया है। इस मामले में पार्षद ज्योति कुमावत व यहां के लोग बताते हैं कि जिन लोगों ने नगर पालिका से भूमि नीलामी में खरीदी थी और बाकायदा उनके स्वामित्व का टाइटल दिया गया था वहां पर कुछ घर बन गए हैं लेकिन पालिका प्रशासन की ओर से उन्हें मिलने वाली सुविधा उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। यहां के पट्टारधारक लोगों को अब पछतावा हो रहा है की भूमि खरीद कर मकान बनाना उनके जीवन की एक भूल थी। वार्ड 22 की पार्षद ज्योति कुमावत ओर से लगातार दो-तीन साल पहले भी अधिशासी अधिकारी के समक्ष बोर्ड की मीटिंग में भी यह मामला उठाया था लेकिन लगातार पत्र जारी करने के बाद भी भेदभाव की रणनीति के चलते निर्वानों के मोहल्ला के बाशिंदों के साथ जबरदस्त कुठाराघात किया जा रहा है। पानी निकासी के लिए नाली का निर्माण नहीं है सामुदायिक भवन और आंगनबाड़ी केंद्र के नजदीक गंदगी के ऐसे हालात हैं कि गंदे पानी को इकट्ठा करने के लिए यहां के लोगों ने अपने स्तर से ही व्यवस्था कर रखी है ताकि यह अपने घरों के आगे सहजता से निकल सके। सड़क का निर्माण भी नहीं है। सामुदायिक भवन में व्यवस्था के नाम पर केवल भवन खड़ा है, जो सुविधा यहां होनी चाहिए थी वह पूरी तरह से गोण है। यहां सफाई व्यवस्था चौपट है बंबुल की झाड़ियां इतनी घनी हो गई है की जंगल नुमा दिखने लगा है।

मां स्कंदमाता की पूजा की

निवाई। कंकाली माता मंदिर में नवरात्रा के पंचम स्वरूप मां स्कंदमाता की पूजा की गई। माता रानी का अभिषेक कर भव्य श्रृंगार करके फुलों की झांकी सजाई गई। माता की विधि विधान से पं. रवि प्रकाश शास्त्री ने माता की पूजा करवाई। शास्त्री ने बताया कि पंचम नवरात्रा को पूजाकर्ता डॉ मीठालाल मीणा, राजेश भट्ट व आशा गौतम ने माता के गर्भ गृह में माता की पूजा अनुष्ठान किया एवं मां को प्रसन्न करने के लिए केले का भोग लगाया। उन्होंने बताया कि मां स्कंदमाता की पूजा करने से जीवन की सभी मुश्किलें दूर होती है। वहीं मातारानी कमल के आसन पर विराजमान रहती है। मां स्कंदमाता को गौरी, माहेश्वरी, पार्वती एवं उमा नाम से भी जाना जाता है।

खाद्य पदार्थों के नमूने लिये

टोंक । दिवाली त्यौहारी सीजन को देखते हुये आमजन को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाये जाने हेतु विशेष अभियान ''शुद्ध आहार - मिलावट पर वार'' के तहत टोंक शहर में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा कार्यवाही की गई।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अशोक कुमार यादव ने बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारीयों द्वारा टोंक शहर में स्थित मैसर्स कासलीवाल किराणा मर्चेन्ट से रिफाइंड सोयाबीन तेल सिम्पली फ्रेश ब्राण्ड व सूजी क्वालिटी क्वीन ब्राण्ड का नमूना, मैसर्स वी. आर. प्रोविजन स्टोर किदवई पार्क के सामने से हल्दी पावडर श्याम ब्राण्ड एवं लाल मिर्च पाउडर का नमूना लिया गया साथ ही सांखला किराणा एण्ड जनरल स्टोर सवाईमाधोपुर चौराहा से घी कृष्णा ब्राण्ड व बेसन आर्शीवाद ब्राण्ड का नमूना लेकर जांच हेतु प्रयोग शाला मे भिजवाया गया।

मोक्ष धाम के जिर्णाद्धार के लिए नहीं मिल रही है सरकारी मदद

किशनगढ़ बास। गांव शहर छोटा हो या बड़ा वहां कुछ हो या ना हो पर शमशान ज़रूर है। यह एक ऐसा स्थान है जहां गरीब अमीर में फर्क नहीं देखता है। यहां मोक्ष को प्राप्त करने वाले व्यक्ति के लिए व्यवस्था भी एक समान ही होती हैं। उसी एक ही जमीन पर लिटाना और वही लकड़ियों से अंत्येष्टि की क्रिया को पूरा करना। बस फर्क है तो इतना सा कि मोक्ष को प्राप्त हो चुके व्यक्ति को लेकर आने वाले लोगों के लिए बैठने उठने पानी साफ सफाई की व्यवस्था की। किशनगढ़ बास नगर पालिका में गांव गंज बास कृपाल नगर बासड़ा भूरपहाड़ी टाकाहैडी सत्ती की ढाणी को मिलाकर 25 वार्ड लगते हैं। इनमें किशनगढ़ शहर में पांच मोक्ष धाम है जिनमें तीन सार्वजनिक और दो निजी व एक वाल्मीकि समाज का है।

नीरज शर्मा बने विधानसभा प्रभारी

देवली, (निसं)। लोकसभा चुनाव के बाद प्रदेश में रिक्त सात सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर कांग्रेस सोशल मीडिया ने यहां नीरज शर्मा को विधानसभा प्रभारी नियुक्त किया है।देवली उनियारा क्षेत्र में प्रदेश महासचिव नीरज शर्मा ने बताया कि पार्टी ने उन्हें यूपी विधानसभा चुनावमेंजिम्मेदारी देते हुए सोशल मीडिया प्रभारी लगाया है।

हरियाणा की जनता ने तीसरी बार भाजपा की सरकार पर लगाई मोहर : भजनलाल शर्मा

'देशभर में आने वाले विधानसभा चुनावों में भी भाजपा को मिलेगा प्रचंड बहुमत'

- हरियाणा की जनता ने विकसित हरियाणा के लिए भाजपा सरकार की लगाई हैट्रिक : मदन राठौड़

जयपुर। हरियाणा विधानसभा चुनावों के परिणाम के रूझान आने के साथ ही भाजपा प्रदेश कार्यालय में जश्न का माहौल छा गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मिठाई खिलाकर मुंह मीठा करवाया। भाजपा युवा मोर्चा की ओर से आतिशबाजी की गई। भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जलेबी बनाकर कार्यकर्ताओं का मुंह मीठा करवाया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हरियाणा की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विश्वास जताते हुए तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर मोहर लगाई है। हरियाणा की जनता ने केंद्रीय नेतृत्व, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ सीएम नायब सिंह सैनी के कार्यों और भाजपा जो कहती है, वो करती है की बात पर मोहर लगाई है। हरियाणा चुनावों के परिणामों को देखते हुए मैं पूर्ण विश्वास के साथ कह सकता हूं कि देशभर में आने वाले विधानसभा चुनावों में भी भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत के साथ जीतेगी और केंद्र में चौथी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनेगी। हरियाणा विधानसभा चुनावों के प्रचार-प्रसार के दौरान मैंने वहां के कार्यकर्ताओ का उत्साह देखा और हरियाणा प्रदेश की जनता के उत्साह को देखते हुए भाजपा सरकार की हैट्रिक लगेगी यह साफ नजर आ रहा था। हरियाणा की जनता प्रदेश को आगे ले जाने के साथ विकसित हरियाणा बनाना चाहती है। इसलिए भाजपा को तीसरी बार बहुमत प्रदान किया।

शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी देश में लूट और झूठ का सहारा लेकर चुनाव जीतना चाहती है। कांग्रेसी नेताओं ने चुनावों के साथ जनता के बीच अफवाहें फैलाई ,लेकिन मतदाताओं ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों को जवाब देने का काम किया है। ऐसे में मैं हरियाणा की जनता को कोटि-कोटि धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने विकास के कार्यों पर मोहर लगाई है। सीएम शर्मा ने कहा कि हरियाणा के प्रभारी सतीश पूनिया और राजस्थान से प्रवास पर गए हमारे कार्यकर्ताओं की मेहतन रंग लाई। राजस्थान से जाने वाले कार्यकर्ताओं ने दिन रात जमीनी स्तर पर मेहनत की, उसका परिणाम भाजपा की सरकार है। मुख्यमंत्री शर्मा ने भी हरियाणा चुनावों में आधा दर्जन विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार की कमान संभाली थी, उन सभी विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी की जीत हुई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हरियाणा ही नहीं, भारतीय जनता पार्टी राजस्थान में होने वाले विधानसभा उपचुनावों में भी सभी सीटों पर जीत दर्ज कराएगी। ऐसे में राजस्थान की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि एक तरफ ऐसा नेतृत्व है जो कभी आलू से सोना बनाता है तो कभी फैक्ट्री से जलेबी। ऐसे में राहुल गांधी को अपना जनरल नॉलेज बढ़ाने की आवश्यकता है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में विकास के नए आयाम स्थापित किए है। देश में ही नहीं, पीएम मोदी ने वैश्विक पटल भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाई है। ऐसे में हरियाणा की जनता ने देशहित और विकसित हरियाणा के लिए भाजपा सरकार की हैट्रिक लगाई है। कांग्रेस ने एक बार फिर चुनावों में भ्रम फैलाने का काम किया लेकिन हरियाणा की जनता ने कांग्रेस को सीरे से नकार दिया। कांग्रेस ने हरियाणा में सारे हथकंडे अपनाते हुए चुनाव जीतने का माहौल बनाया लेकिन हरियाणा की जनता ने मोदी पर विश्वास जताया। एक ओर कांग्रेसी नेता कहते है भाजपा आरक्षण समाप्त कर देगी, वहीं दूसरी ओर राहुल गांधी विदेश में जाकर यह कहते है कि सत्ता में आएंगे तो हम आरक्षण समाप्त करेंगे। देशवासी कांग्रेसी नेताओं की हकीकत समझ गए और हरियाणा चुनाव में कांग्रेस को सबक सिखाने का काम किया। राठौड़ ने एक बार फिर दावे के साथ कहा कि राजस्थान के आगामी 7 विधानसभा उपचुनावों में भारतीय जनता पार्टी की जीत होगी और प्रदेश की जनता मोदी जी के नेतृत्व में प्रदेश की डबल इंजन सरकार के कार्यों पर मोहर लगाएगी। भाजपा की राष्ट्रीय सचिव डॉ अलका गुर्जर ने सोशल मीडिया के माध्यम से हरियाणा में भाजपा सरकार की हैट्रिक लगने पर शीर्ष नेतृत्व को शुभकामनाएं दी और प्रदेशवासियों का आभार व्यक्त किया। भाजपा कार्यालय में कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल, मदन दिलावर, राज्य मंत्री जवाहर बेड़म,विधायक गोपाल शर्मा, सांसद लुम्बाराम चौधरी, पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती, पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, भाजपा उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, सीआर चौधरी,भाजपा महामंत्री श्रवण सिंह बगडी, प्रदेश मंत्री भूपेंद्र सैनी, महेंद्र कुमावत, कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक , भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ, सोशल मीडिया संयोजक हिरेंद्र कोशिक, आईटी संयोजक अविनाश जोशी, मोर्चो के प्रदेश अध्यक्ष व जिले के पदाधिकारी सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने मीठाई खिलाकर मुंह मीठा किया।

दुबई से आए युवक के चिकन पॉक्स पाया गया

- जयपुर एयर पोर्ट पर मेडिकल जांच में युवक को मंकी पॉक्स के लक्षण दिखाई देने पर आरयूएचएस अस्पताल में भर्ती कराया गया
- एहतियातन मंकी पॉक्स की जांच के लिए सैंपल एसएमएस भेजा

जयपुर। जयपुर एयरपोर्ट पर मंगलवार को दुबई से आए एक यात्री में मंकी पॉक्स के लक्षण दिखने के बाद वहां उसे आरयूएचएस हॉस्पिटल में आइसोलेट किया गया है। हालांकि जांच में उसके चिकन पॉक्स पाया गया है। एहतियात के तौर पर मंकी पॉक्स की जांच के लिए उसका ब्लड सैम्पल लेकर सवाई मानसिंह अस्पताल भेजा गया है।

प्रदेश में मंकी पॉक्स को लेकर फिलहाल कोई रोगी सामने नहीं आया है। इस रोग को लेकर राज्य सरकार पूरी तरह सतर्क और सजग है तथा भारत सरकार की ओर से जारी गाइडलाइन के अनुसार प्रोटोकॉल की पालना सुनिश्चित की जा रही है।

निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर ने बताया कि नागौर जिले के मौलासर का एक 20 वर्षीय युवक दुबई से सांगानेर एयरपोर्ट पहुंचा था। एयरपोर्ट पर हैल्थ ऑफिसर द्वारा की गई स्वास्थ्य जांच में उसके शरीर पर रेशेज पाए गए। इसके बाद इस युवक को आरयूएचएस अस्पताल रैफर किया गया, जहां जांच में उसके चिकन पॉक्स होना पाया गया। फिर भी एहतियात के तौर पर मंकी पॉक्स की जांच के लिए उसका ब्लड सैम्पल लेकर सवाई मानसिंह अस्पताल भेजा गया है। फिलहाल युवक की हालात स्थिर है और वह उपचाराधीन है। डॉ. माथुर ने बताया कि युवक के आस-पास बैठे हुए यात्रियों की भी एयरपोर्ट अथॉरिटी के सहयोग से ट्रेसिंग की जा रही है। अगर युवक जांच में पॉजिटिव पाया जाता है तो भारत सरकार की गाइडलाइन के अनुसार आगे की कार्यवाही की जाएगी। निदेशक जनस्वास्थ्य ने बताया कि दुबई मंकी पॉक्स से प्रभावित देशों में शामिल नहीं है। आरयूएचएस हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. अजीत सिंह ने बताया कि एम पॉक्स को लेकर हॉस्पिटल में विशेष व्यवस्था की है। एक पूरा फ्लोर सिर्फ एम पॉक्स से ग्रसित मरीजों के इलाज के लिए रिजर्व रखा गया है।

आतंकी गोल्डी बराड के गिरफ्तारी वारंट जारी

जयपुर। एनआईए मामलों की विशेष अदालत ने सुखदेव सिंह गोगामेडी हत्याकांड में वांछित आतंकी सतविन्द्र सिंह उर्फ गोल्डी बराड के गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। अदालत ने यह आदेश एनआईए की ओर से दायर प्रार्थना पत्र को स्वीकार करते हुए दिए।

प्रार्थना पत्र में कहा गया कि दिसंबर, 2023 में श्यामनगर थाना इलाके में सुखदेव सिंह गोगामेडी की दो बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। जिसकी जांच बाद में एनआईए को सौंपी गई। जांच में सामने आया कि हत्याकांड के षडयंत्र में गोल्डी बराड और रोहित गोदारा सहित अन्य लोग शामिल हैं।

इसके अलावा गोल्डी बराड ने आनंद तिवारी नामक व्यक्ति को सोशल मीडिया के जरिए दिए साक्षात्कार में भी माना है कि संपत्ति विवाद के चलते उसकी गैंग ने गोगामेडी की हत्या की है। गोल्डी बराड एक डेजिग्नेटेड आतंकी है। एनआईए ने पंजाब स्थित उसके निवास पर कई बार नोटिस भेजे, लेकिन वह जांच में शामिल नहीं हुआ। ऐसे में उसके गैर जमानती वारंट जारी किए जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने आरोपी गोल्डी बराड के गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं।

सिंगापुर में कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने प्रदेश में कारोबार के लिए कंपनियों को आमंत्रित किया

- राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने सिंगापुर के जुरोंग आइलैंड पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स का दौरा किया, सेम्बकॉर्प, पीएसए होराइजन्स, टीवीएस मोटर्स, आईटीई एजुकेशन सर्विसेज के साथ मुलाकात की

जयपुर। 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के तहत उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के नेतृत्व में सिंगापुर दौरे पर गए एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को वहां इन्वेस्टर मीट में हिस्सा लिया और वहां की कई प्रमुख कंपनियों के आला अधिकारियों के साथ मुलाकात की। इन मुलाकातों में उद्योग मंत्री के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने निवेशकों और व्यापारिक जगत के अधिकारियों से राजस्थान आने, राज्य में निवेश की संभावनाएँ तलाशने और व्यापार के नए अवसर बनाने का आग्रह किया। इस दौरान निवेशकों और कंपनियों को माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार द्वारा व्यापार जगत के लिये लिए जा रहे अनुकूल नीतिगत निर्णयों से भी अवगत कराया गया।

सिंगापुर इन्वेस्टर मीट में बोलते हुए राठौड़ ने कहा, सिंगापुर की कंपनियां राजस्थान के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में निवेश करने पर विचार कर सकती हैं। हमारे राज्य से वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरीडोर, और 2 एक्सप्रेसवे-दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे और अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेसवे-गुजरते हैं। इन दोनों एक्सप्रेसवे के दोनों ओर जमीन व्यवसायों के लिए उपलब्ध है। हमारे यहां साल में 320 दिन से ज्यादा धूप रहती है, हमारी आबादी युवा है, व्यवसायों को अनुकूल बनाने का सरकार का हर संभव प्रयास है और सबसे ज्यादा, हमारे पास राजनीतिक इच्छाशक्ति है। हमारी सरकार में निर्णय जल्दी लिए जाते हैं। हम राज्य में निवेश लाने और राज्य की अर्थव्यवस्था को दोगुना से अधिक करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

रोड शो में निवेशकों को संबोधित करते हुए मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा, इन्वेस्टर रोड शो की शुरूआत होने से अब तक निवेश से संबंधित कई एमओयू पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं और अगले कुछ महीनों में निवेश के ये इरादे और भी तेजी से बढ़ेंगे। हमने इन्वेस्टमेंट समिट में पार्टनर कंट्री बनने के लिए सिंगापुर को आमंत्रित किया है। वादे के मुताबिक नीतिगत बदलावों को लागू करने और प्रदेश के आर्थिक विकास को तेजी से बढ़ाने के लिए इस सरकार ने अपने कार्यकाल के पहले ही वर्ष में इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया है।

प्रमुख शासन सचिव (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य) गायत्री राठौड़ ने सिंगापुर इन्वेस्टर मीट में प्रदेश में मौजूद अवसरों के बारे में एक प्रेजेंटेशन देते हुए कहा कि राज्य के सिंगापुर के साथ मजबूत व्यापारिक संबंध हैं और पिछले 4 वर्षों में राजस्थान से सिंगापुर को हो रहे निर्यात में 280 की वृद्धि हुई है। अपने प्रेजेंटेशन के दौरान उन्होंने निवेशकों के सामने राज्य में मौजूद संभावनाओं और विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के अवसरों को भी जानकारी दी।

कोर्ट ने रीट परीक्षा मामले में 130 लोगों पर केस चलाने की अनुमति दी

एसओजी ने पेश की थी चार्जशीट

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने रीट परीक्षा 2021 में पेपर लीक मामले में 130 आरोपियों के खिलाफ कोर्ट ने चार्जशीट पेश की थी। कोर्ट ने चार्जशीट पर सुनवाई करते हुए सभी आरोपियों पर आरोप तय करते हुए केस चलाने की अनुमति दी है।

एटीएस और एसओजी वी के सिंह ने बताया कि रीट परीक्षा 2021 पेपर लीक मामले में सभी 130 आरोपियों पर आरोप विरचित करने के लिए एसओजी ने कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। रीट परीक्षा के पेपर लीक मामले में गंगापुर सिटी के एसीजेएम न्यायालय ने अपने विस्तृत आदेश में सभी 130 आरोपित जिनमें मुख्य आरोपित रामकृपाल मीणा और राजूराम ईराम सहित सभी आरोपियों पर आरोप लगाए जाने के आदेश दिए है।

एसीजेएम गंगापुर सिटी की पीठासीन अधिकारी अनिता चौधरी, द्वितीय ने आरोपियों एवं अभियोजन पक्ष की बहस सुनने के बाद अपने विस्तृत आदेश में सभी आरोपियों पर आरोप विरचित किए जाने के आदेश पारित किए। इस मामले में मुख्य आरोपित राम कृपाल मीणा और राजूराम ईराम सहित 11 आरोपियों पर धारा 420, 201, 120 बी भारतीय दंड संहिता की धारा 4/6, 6ए राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम, 1992 व धारा 72 आईटी एक्ट के अपराध के आरोप विरचित किए गए। अन्य आरोपियों को आगामी तारीख 19 अक्टूबर के लिए आरोप विरचित किए जाने के लिए न्यायालय में उपस्थित होने के आदेश दिए गए। इस मामले में राज्य सरकार द्वारा केस की गंभीरता को देखते हुए प्रभावी पैरवी के लिए एडवोकेट भंवर सिंह चौहान को विशेष लोक अभियोजक नियुक्त किया गया था। एटीएस और एसओजी वी के सिंह ने बताया कि इसमें एक बाल अपचारी सहित 131 आरोपियों के विरुद्ध अब तक 9 चार्जशीट पेश की जा चुकी है तथा संदिग्ध अन्य के विरूद्ध अनुसंधान जारी है।

हिरासत में मौत को लेकर आयोग ने प्रसंज्ञान लिया

जयपुर। राज्य मानवाधिकार आयोग ने नाबालिग दिव्यांग से दुष्कर्म के आरोपी की जोधपुर के देचू थाने में हुई मौत के मामले में स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में जोधपुर कलेक्टर और पुलिस आयुक्त को कहा है कि वे मामले की जांच करवाकर आयोग में रिपोर्ट पेश करें। आयोग ने दोनों अधिकारियों से यह भी बताने को कहा है कि क्या मृतक के परिजनों को किसी तरह की अंतरिम सहायता मुहैया कराई गई है या नहीं। आयोग ने यह आदेश इस संबंध में प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट्स पर कार्रवाई करते हुए दिए।

पुलिस थाना शिफ्ट करने पर रोक लगाई

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने बानसूर के बासदयाल थाने को कराणा गांव में शिफ्ट करने की मंजूरी देने के आदेश की क्रियान्विति पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में मामले में राज्य के प्रमुख गृह सचिव, डीजीपी, जयपुर रेंज आईजी और बहरोड जिला कलेक्टर व एसपी से जवाब देने के लिए कहा है। जस्टिस सुदेश बंसल ने यह आदेश कृष्ण गुर्जर व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

राजस्थान विश्व-प्रसिद्ध पर्यटन केन्द्र, यहां निवेश की अपार संभावनाएं : मुख्यमंत्री

- राइजिंग राजस्थान पर्यटन प्री-समिट में बोले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा
- 'राज्य सरकार निवेशकों के लिए विभिन्न रियायतों का कर रही प्रावधान'

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में पर्यटन सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। राज्य सरकार निवेशकों को हरसंभव सुविधाएं और रियायतें उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पर्यटन क्षेत्र को गति देने के लिए नई राजस्थान पर्यटन इकाई नीति लाई जा रही है तथा निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न प्रकार की रियायतों का प्रावधान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री मंगलवार को जयपुर स्थित होटल ललित में आयोजित राइजिंग राजस्थान पर्यटन प्री-समिट को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस समिट में पर्यटन क्षेत्र में 142 निवेश प्रस्तावों के एमओयू से प्रदेश में लगभग 14 हजार करोड़ रुपये का निवेश होगा। इससे राज्य में 59 हजार प्रत्यक्ष और 10 लाख से अधिक अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। शर्मा ने कहा कि राजस्थान एक विश्व-प्रसिद्ध पर्यटन केंद्र है, जिसे शांत, सुरक्षित एवं सौहार्द्रपूर्ण वातावरण के लिए जाना जाता है। वर्ष 2023 में राज्य में करीब 18 करोड़ घरेलू और 17 लाख अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आए। पर्यटकों के सुगम आवागमन के लिए हवाई अड्डों का उन्नयन और विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जयपुर हवाई अड्डे में नए स्टेट टर्मिनल के निर्माण के साथ ही इसकी यात्री क्षमता भी बढ़ाने के लिए काम किया जा रहा है। वैडिंग टूरिज्म में राजस्थान देश में पहले नंबर पर है। साथ ही यहां धार्मिक पर्यटन भी तेजी से बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सालासर, खाटूश्याम, बाबा रामदेव में श्रद्धालु बड़ी तादाद में दर्शन के लिए आ रहे हैं। इसके लिए होटलों की मांग बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि राज्य बजट में भी खाटूश्यामजी के पावन धाम को भव्यता प्रदान करने के लिए 100 करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान किया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार निवेश प्रस्तावों को धरातल पर लाकर पर्यटन में ही नहीं बल्कि हर क्षेत्र में राजस्थान को नंबर एक राज्य बनाएगी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में पर्यटन विभाग की ओर से नई पर्यटन नीति, नई पर्यटन यूनिट नीति, ग्रामीण पर्यटन नीति तथा फिल्म पर्यटन नीति लागू की जाएगी जिससे राजस्थान में पर्यटन के क्षेत्र में नई संभावनाएं और अवसर पैदा होंगे। पर्यटन मंत्री ने कहा कि आगामी मार्च माह में जयपुर में आईफा 2025 का ऐतिहासिक आयोजन किया जाएगा जो कि राजस्थान में पर्यटन के नये द्वार खोलेगा।

कार्यक्रम में पर्यटन, कला एवं संस्कृति शासन सचिव रवि जैन की ओर से राजस्थान में पर्यटन क्षेत्र में निवेशकों को दी जा रही सुविधाओं पर प्रस्तुतिकरण दिया गया। इस अवसर पर पर्यटन आयुक्त विजयपाल सिंह, प्रबंध निदेशक आरटीडीसी सुषमा अरोड़ा, चेयरपर्सन फिक्की टूरिज्म एण्ड कल्चर कमेटी दीपक देवा, को-चेयरमेन फिक्की राजस्थान सुरेन्द्र सिंह शेखावत, को-फाउंडर एवं डायरेक्टर विजक्राफ्ट ग्रुप मुम्बई सब्बास जोसफ सहित बड़ी संख्या में निवेशक एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्लॉट नं. 51, 52 अमित रेजिडेन्सी-बी, धानक्या, जयपुर राजस्थान का मूल पट्टा, रसीद, साईड प्लान जो झालाना डूंगरी गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर द्वारा श्री रोशन लाल चौधरी पुत्र श्री सोहन लाल चौधरी के नाम जारी किया था। उक्त दस्तावेजात कहीं खो गये है कि सोसायटी में डूप्लीकेट पट्टा जारी करवाने के लिये आवेदन किया है। किसी भी व्यक्ति को डूप्लीकेट पट्टा जारी करने बाबत आपत्ति हो तो 7 दिवस में सोसायटी में दर्ज करवा दें बाद मियाद सोसायटी डूप्लीकेट पट्टा जारी करने के लिये स्वतंत्र रहेगी। कृपया सूचित रहे।
झालाना डूंगरी गृह निर्माण सहकारी समिति लि.
रजि.नं. 25/एल.सी. मो.नं. 8078600067

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्लॉट नं. 94, 95 अमित रेजिडेन्सी-बी, धानक्या, जयपुर राजस्थान का मूल पट्टा, रसीद, साईड प्लान जो झालाना डूंगरी गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर द्वारा श्रीमती मनभर देवी पत्नी श्री गीदा राम के नाम जारी किया था। उक्त दस्तावेजात कहीं खो गये है चूंकि सोसायटी में डूप्लीकेट पट्टा जारी करवाने के लिये आवेदन किया है। किसी भी व्यक्ति को डूप्लीकेट पट्टा जारी करने बाबत आपत्ति हो तो 7 दिवस में सोसायटी में दर्ज करवा दें बाद मियाद सोसायटी डूप्लीकेट पट्टा जारी करने के लिये स्वतंत्र रहेगी। कृपया सूचित रहे।
झालाना डूंगरी गृह निर्माण सहकारी समिति लि.
रजि.नं. 25/एल.सी. मो.नं. 8078600067

PUBLIC NOTICE
Public at Large is Hereby Informed that Shri Rahul Paharia. Have Been Granted Evviron mental Clearance with EC Identification No. EC24C0108RJ5375439N (File No.RJ/24/SEAC1/MIN/EC/0224) Issued on 01/10/2024. Ec vide Letter Dated 06/10/2024 by SEIAA, Rajashtan For Silica Sand(Minor Mineral) Mine ProjectM.L.No.12/2010,M.L.Area-4.9991 ha Near,Village-Dantli,Tehsil & District, Dausa,Rajasthan Copy of EC Available on "PARIVESH".web Portal of Mo EFCC
Lessee-Rahul Paharia

PUBLIC NOTICE
Public at Large is Hereby Informed that Shri Rahul Paharia. Have Been Granted Evviron mental Clearance with EC Identification No. EC24C0108RJ5343624N (File No.RJ/24/SEAC1/MIN/EC/0225) Issued on 01/10/2024. Ec vide Letter Dated 06/10/2024 by SEIAA, Rajashtan For Silica Sand(Minor Mineral) Mine ProjectM.L.No.06/1993,M.L.Area-4.6380 ha Near,Village-Dantli,Tehsil & District, Dausa,Rajasthan Copy of EC Available on "PARIVESH".web Portal of Mo EFCC
Lessee-Rahul Paharia

राम नगर गृह निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर
रजि.नं.-2877/एल क्रमांक: 70/2024 दि.8.10.2024
आम सूचना
श्री जगदीश सैनी पुत्र श्री धन्ना लाल सैनी ने भू.सं. 4 एरिया 83.33 वर्गगज समिति की योजना किरण विहार विस्तार ग्राम- गोपालपुरा रोड, जयपुर के मूल कागजात गुम हो जाने पर डुप्लीकेट कागजात प्राप्त करने हेतु समिति में आवेदन किया है। जिसकी गुमशुदगी की सूचना दिनांक 07.08.2024 को LR No. 2230053/2024 राजस्थान पुलिस में दर्ज करा दिया गया है। यदि किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो 7 दिवस में समिति कार्यालय में संपर्क करें अन्यथा बाद मियाद गुजर जाने पश्चात प्रार्थी को डुप्लीकेट कागजात जारी कर दिये जायेगें। सूचित रहे।
मंत्री,
राम नगर गृह निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर

कार्यालय तहसीलदार किशनगढ रेनवाल, (जयपुर ग्रामीण)
Email : tdr.krenwal.jpr@gmail.com
TELEPHONE: 01424-294333
क्रमांक: भूअ0/2024/4758 दिनांक: 04-10-24
सामाचार पत्र साया नोटिस
न्यायालय हाजा मे भू-राजस्व अधिनियम 1956 के नियम 135 (2) के अन्तर्गत सरजू पत्नि रामेश्वर जाति ब्राह्मण निवासी कोढी ग्राम कोढी के ख.न. 262 मे नाम कृषि भूमि का वसीयत के आधार पर नामान्तरण विचाराधीन है। इस संबंध में किसी को कोई उज्र ऐतराज हो तो इस सूचना के प्रकाशन तारीख से पांच दिवस में मय सबूत पेश करें अन्यथा प्रकरण में नियमानुसार एकपक्षीय कार्यवाही अमल में लायी जावेगी एवं गुजरने मियाद कोई उज्र एवं ऐतराज मान्य नहीं होगा।
यह नोटिस आज दिनांक 04.10.24 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मोहर से जारी किया गया है तथा उक्त का स्थानीय समाचार पत्रों में साया करवाया जावे जिसका खर्चा प्रार्थीगण स्वयं वहन करेंगे।
तहसीलदार (भू.अ.) कि. रेनवाल (जयपुर)

शिक्षकों की आवश्यकता:
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा संस्कृत शिक्षण की केन्द्रीय योजना के अन्तर्गत
"ज्ञानदीप आदर्श संस्कृत विद्यापीठ वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय"
ईशरावाला, तहसील- आमेर, जिला- जयपुर, राज.
रिक्त पदों की संख्या: 03
संस्कृत वाङ्मय- 1 | संस्कृत व्याकरण- 1 | सामान्य संस्कृत- 1
शैक्षिक योग्यता: राज्य सरकार/ यू.जी.सी. द्वारा निर्धारित परंपरागत उपाधि धारक एवं प्रशिक्षित अभ्यर्थी को वरीयता
मानदेय: 20,000/- प्रतिमाह
नोट: अभ्यर्थी अपने जीवनवृत के साथ साधे कागज पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के साथ समस्त शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की छायाप्रति एवं पहचान पत्र पंजीकृत डाक द्वारा अथवा स्वयं उपस्थित होकर निम्न लिखित पते पर विद्यालय कार्य दिवसों में दिनांक 25.10.2024 सांय 5:00 बजे तक प्रेषित/ प्रस्तुत कर सकते हैं। विलम्ब से प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा। साक्षात्कार की सूचना विद्यालय द्वारा अभ्यर्थी को पृथक से दी जावेगी।
प्रबंधक: "ज्ञानदीप आदर्श संस्कृत विद्यापीठ वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय, ईशरावाला, तहसील- आमेर, जिला- जयपुर, राज. मो.: 9928011376

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश
क्रम-02 जयपुर महानगर द्वितीय
विरेन्द्र जौहरी व अन्य
विरूद्ध
नरेन्द्र जौहरी व अन्य
वाद/प्रार्थना पत्र तकासमा
प्रार्थना-पत्र संख्या 5572/2024
1. नाम श्रीमती रेनु सक्सेना पत्नी मनोज सक्सेना
2. नाम श्री धमेन्द्र जौहरी पुत्र स्व. नरेन्द्र जौहरी
3. नाम अंशु भटनागर पत्नी श्री राजीव भटनागर
4. नाम रितु सक्सेना पत्नी श्री विजय सक्सेना
उक्त वादी ने ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि ....
अत: आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 10 माह 10 सन् 2024 को 10.30am बजे पूर्वाह्न में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज दिनांक 8 माह 10 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
आज्ञा से
रीडर ग्रेड-प्रथम
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश
क्रम 02 जयपुर महानगर द्वितीय
(अदालत मुहर)

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना
सं. एसएण्डटी -जेयू-16-2024-25
भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए मंडल रेल प्रबन्धक/सं.व.दू.उ.प.रे.,जोधपुर द्वारा निम्न लिखित सिगनलिंग एवं टेलीकॉम सम्बन्धी कार्य हेतु मुहरबंद ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। 1. कार्य का नाम : उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों तथा डी एस एम ती में लगे एक्ट्रोनिक्स मेक के डाटा लोगर, आर टी यू, सर्वर, फायरवॉल, एस एस आई प्रोटोकॉल कन्वर्टर, ऐच ई पी, सेफ्टी पॉइंट अलार्म यूनिट उपकरणों का तीन साल के लिए व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध का कार्य। 2. कार्य की अनुमानित लागत : रुपये 3,54,39,067/- 3. ई निविदा जमाकर्ता कार्यालय का पूर्ण पता : वरिष्ठ मंडल सिगनल एवं दूरसंचार इंजी. मंडल रेल प्रबन्धक कार्यालय हरीश जोशी मार्ग जोधपुर 4. बयाना राशि (Bid Security) :रुपये 327200/- 5. ई निविदा प्रपत्र जमा कराने एवं खुलने की तारीख व समय : 04.11.2024 को 11.00 बजे तक। तथा ई टेंडर ऑन लाईन आई आर ई पी एस 11.00 बजे बन्द होने के तुरन्त बाद खोली जायेगी। 6. वेब साईट विवरण एवं नोटिस बोर्ड व कार्यालय जहाँ से टेण्डर का विवरण देखा जा सके। एवं खरीद की जा सकें : www.ireps.gov.in नोट:- यह एक ई टेण्डर है इसलिए इसमें भाग लेने के लिए ठेकेदार ई टेण्डरिंग के द्वारा उल्लेखित वैब साईट पर टेण्डर डाले। 1162-CR/24
NWRailways @NWRailways पर फॉलो करें

नाम परिवर्तन

मेरा नाम अंकुर छाबड़ा पुत्र श्री गुरूशरण छाबड़ा शैक्षणिक दस्तावेजों में अंकुर भारती छाबड़ा अंकित हो गया है। भविष्य में मुझे अंकुर छाबड़ा के नाम से जाना जावें। पता-1020, ओमेक्स सिटी, अजमेर रोड, भांकरोटा जयपुर

मैं सौरभ गर्ग पुत्र श्री दामोदर लाल गर्ग, निवासी-60, बैंक कॉलोनी, महेश नगर विस्तार, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर। मेरी पुत्री का पूर्व में नाम परी था जिसे बदलकर वान्या गर्ग रख लिया है। भविष्य में वान्या गर्ग के नाम से जाना पहचाना जाए।

I Have Changed My Name From Maya Kumari Ketejnani To Maya Kumari Tejnani D/o Udhamal Ketejnani For All Purpose. P.No. D-488-489, Vidhyadhar Nagar, Jaipur (Raj.)

I have changed My name From Sridas Deendayal Garg S/o Deendayal Ramdayal Garg to Sridas Garg. For All Purpose. Add: 60/10, Sheopur Road, Pratap Nagar, Jaipur - 302033

खोया पाया

मेरे प्लॉट नम्बर 41 प्रिंस कॉलोनी जाजोलाई की तलाई आमेर जयपुर का असल विक्रयपत्र जो कि कमल किशोर सैनी पुत्र कुशालराम द्वारा हुमा कौसर के नाम करवाया गया है जो कि रामगंज जयपुर में गिर गया है मिलने पर सम्पर्क करें हुमा कौसर 759, बिसातियों का मोहल्ला जयपुर-9414209817

मेरे भूखण्ड सं. 202 प्रेम सागर योजना, नृसिंहपुरा का जेडीए पट्टा व अन्य मूल कागजात खो गये है मिलने पर सूचित करें- सतीशचन्द्र अग्रवाल-9024546924

मेरा मकान नं. एस-37, एस-38, प्लॉट नं. 38 गोविन्दम विहार, लोहामण्डी, सीकर रोड जयपुर के विमला देवी के नाम से जारी मूल दस्तावेज (भैरव गृह निर्माण समिति) के कहीं गिर गये है। मिलने पर सूचित करें-मदन लाल मीणा-9414037705

मेरे प्लाट नंबर 130 योजना महेश कॉलोनी सोसाइटी महेश गृह निर्माण सहकारी समिति है जिसका मूल आवंटन पत्र और मूल रसीद कहीं गुम हो गई है मिलने पर सूचित करें बालू लाल समदानी मो-9828678676

निजी खातेदारी की आवासीय योजना शिव सागर ग्राम मेंदला उर्फ झुझारपुर तहसील सांगानेर जयपुर के भूखण्ड संख्या 16 के रजिस्टर्ड जेडीए पट्टे के साथ संलग्न रजिस्ट्री का ENDORSEMENT प्रिंट कहीं गुम हो गये है। मिलने पर सूचित करें। सुमनलता भीमवाल मोबाईल नम्बर 9602308063

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 312/2024
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री राधेश्याम सैनी पुत्र श्री रामचन्द सैनी निवासी सुपर बाजार शारदा कॉलोनी जयसिंहपुरा खोर जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत श्री विचित्र हनुमान मंदिर ट्रस्ट कार्यालय पता ... खोर, जयपुर ने राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतः अधिनियम की धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है मैं हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से सात दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 07.10.2024 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 11.12.2024
(मोहर अदालत)
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 316/2024
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री राधेश्याम कोठारी पुत्र श्री जीत मल कोठारी निवासी 19-ए, बरडिया कॉलोनी म्यूजियम रोड, जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत मन्दिर ट्रस्ट कार्यालय पता 19-ए, बरडिया कॉलोनी, म्यूजियम रोड, जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतः अधिनियम की धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है मैं हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से सात दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 10.10.2024 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 16.12.2024
(मोहर अदालत)
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 305/2024
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री हर्षवर्धन सिंह पुत्र श्री शिवराज सिंह सोलंकी निवासी बी-59, सीकर हाउस, जयपुर-302016 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत ... सोलंकी फाउन्डेशन पता बी-59, सीकर हाउस, जयपुर 302016 ने राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतः अधिनियम की धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है मैं हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से सात दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 04.10.2024 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 09.12.2024
(मोहर अदालत)
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग जयपुर

कार्यालय उपायुक्त (झोटवाडा जोन) नगर निगम जयपुर ग्रेटर
क्रमांक-एफ-()झो.जोन/ज.न.नि./2024/1323 **सार्वजनिक सूचना** दिनांक-08.10.2024
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रशासन शहरों के संग अभियान-2021 में उपायुक्त झोटवाडा जोन नगर निगम ग्रेटर जयपुर कार्यालय में निम्न पत्रावलियों में रजि. विक्रय पत्र/रजि. वसीयतनामा/रजि.उपहार/रजि. हक त्याग पत्र इत्यादि के आधार पर पट्टा/नाम हस्तान्तरण आदि के लिए आवेदन प्रस्तुत किए गए है। किसी को भी किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित समयावधि की समाप्ति के बाद नियमानुसार कार्यवाही सम्पादित कर दी जाएगी।

क्र.सं.	आवेदक का नाम	भूखण्ड का विवरण	सोसायटी का नाम	क्षेत्रफल (वर्गगज)
1	हेमन्त सेतिया, अनुज सेतिया पुत्र श्री सुरेश कुमार परनामी	64 शालीमार बाग	अरविन्द नगर गृह निर्माण सहकारी समिति	333.33

उपायुक्त, झोटवाडा जोन
नगर निगम ग्रेटर जयपुर

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता मुरलीपुरा जोन
नगर निगम, ग्रेटर जयपुर
मुरलीपुरा स्कीम, सब्जी मण्डी, जयपुर
क्रमांक :- ज.स.अ./2024/146 दिनांक :- 07/10/2024
ई-निविदा सूचना संख्या 14/2024-25
केन्द्र एवं राज्य सरकार के विभागों में पंजीकृत "एए" व "ए" श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम जयपुर के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से विभिन्न विकास कार्यों की निविदा आमंत्रित की जाती हैं। कार्यों की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण राज्य सरकार के ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in** तथा नगर निगम ग्रेटर, जयपुर की Web Site **www.jaipurmc.org** पर देखी व Download की जा सकती है तथा निर्धारित अवधि तक ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **http://eproc.rajasthan.gov.in** पर अपलोड की जा सकेगीं।
UBN No. JMC2425WSOB00663
राज.संवाद/सी/24/6211
अधिशाषी अभियन्ता (मुरलीपुरा जोन),
नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

मैंने जो सपना देखा वह साकार होने जा रहा है। मैं अपना विदाई टेस्ट मैच अपने होम ग्राउंड पर खेलना चाहता था और अब ये संभव लग रहा है। - शाकिब अल हसन

बांग्लादेश के ऑलराउंडर, अपने आखिरी मैच को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रोहित शर्मा

टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा के बचपन के कोच दिनेश लाड ने हिटमैन को लेकर बड़ा दावा किया है। दिनेश लाड ने कहा है कि, रोहित शर्मा भले ही वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल के बाद टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लें, लेकिन 2027 के वनडे वर्ल्ड कप में वे खेलते हुए नजर आएंगे। उनका कहना है कि रोहित की उम्र बढ़ रही है और वह वनडे क्रिकेट पर फोकस करने के लिए टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट के बाद टेस्ट क्रिकेट से भी संन्यास ले सकते हैं। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद रोहित ने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी।

क्या आप जानते हैं ?... दक्षिण अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को टैस्ट मैच के दूसरे दिन ही एक पारी और 21 रन से हराकर दो दिन में जीत हासिल करने वाली तीसरी टीम का दर्जा मिला। इससे पहले इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया यह सम्मान पा चुकी है।

पहलवानी छोड़ राजनीति में चमकी विनेश फोगाट

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। पहलवानी छोड़ राजनीति में एंट्री करने वाली विनेश फोगाट भले ही पेरिस ओलंपिक में मेडल जीतने से चूक गई हों लेकिन वह चुनाव में चमक गई हैं। विनेश फोगाट ने जुलाना विधानसभा सीट अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी योगेश बैरागी से 6015 वोट से जीत ली। विनेश और योगेश को छोड़कर बाकी सभी की जमानत जब्त हो गई। हालांकि इन चुनावों में विनेश और योगेश में मुकाबला बराबरी का रहा, विनेश कई बार आगे पीछे होती रही लेकिन आखिर में उनकी झोली में ही सीट की जीत आई।महज दो महीने में विनेश पहलवानी छोड़ सफल राजनेता कैसे बन गईं इसकी कहानी भी उनकी जीत की तरह है। विनेश फोगाट 7 अगस्त को पेरिस ओलंपिक के फाइनल मुकाबले में 100 ग्राम ज्यादा वजन होने के कारण मेडल से चूक गई थीं। सोशल मीडिया पर उनके लिए फैंस की भावनाएं नजर आई। हर कोई विनेश के साथ खड़ा नजर आ रहा था। कोर्ट ऑफ स्पोर्ट्स एट्रीब्यूशन में आखिरी उम्मीद टूटने के बाद विनेश जब भारत लौटीं तो दिल्ली एयरपोर्ट पर ही एक तरह से उनके राजनीतिक सफर की शुरुआत हो गई थी।

भारत के खिलाफ टी-20 सीरीज के बाद बांग्लादेशी खिलाड़ी टी-20 को कहेगा अलविदा

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। भारत और बांग्लादेश के बीच टी20 सीरीज खेली जा रही है। इस सीरीज के खत्म होने के साथ ही बांग्लादेश के सीनियर ऑलराउंडर महमूदुल्लाह भी इस फॉर्मेट से संन्यास ले लेंगे। 38 वर्षीय महमूदुल्लाह ने भारत के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के दूसरे टी20 इंटरनेशनल मैच से पहले ये ऐलान किया है। महमूदुल्लाह बांग्लादेश क्रिकेट टीम के कप्तान भी रह चुके हैं। साथ ही वो अपनी टीम के लिए तीनों फॉर्मेट में अपना अच्छा खासा योगदान दे चुके हैं। भारत के खिलाफ चल रही मौजूदा टी20 सीरीज महमूदुल्लाह की अंतिम टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज होगी। महमूदुल्लाह ने भारत के खिलाफ दूसरे टी20 मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि, हां इस सीरीज के बाद मैं टी20 अंतर्राष्ट्रीय से संन्यास ले रहा हूं ये पहले से ही तय था। ये इस प्रारूप को छोड़ने का सही समय है और अब मैं वनडे पर ध्यान केंद्रित करूंगा।

भारतीय महिला टेबल टेनिस ने रचा इतिहास

दक्षिण कोरिया को हराकर पक्का किया मेडल

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। भारत की महिला टेबल टेनिस टीम ने एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप में इतिहास रच दिया है। जहां भारत की टीम ने सेमीफाइनल में पेरिस ओलंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट टीम साउथ कोरियाई टीम को मात देकर मेडल पक्का कर लिया है।भारतीय महिला टीम ने कोरियाई महिलाओं को 3-2 की बढ़त से हराया।बता दें कि, कजाकिस्तान के अस्ताना में एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2024 का आयोजन हो रहा है। वहींभारत ने इस प्रतियोगिता में अपना पहला पदक पक्का कर लिया है। इस जीत मेंअहिका मुखर्जी ने मुख्य भूमिका निभाई।वहीं बुधवार को होने वाले सेमीफाइनल में भारतीय महिला टीम का मुकाबला जापान से होगा। जापानी खिलाड़ियों ने क्वार्टर फाइनल में सिंगापुर को 3-0 से हराया। अयहिका और मनिका बत्रा ने अपने-अपने मुकाबलों में करीबी मुकाबले में जीत दर्ज करने के बाद भारत को मुकाबले में 2-0 की बढ़त मिल गई। जहां बंगाल के पैडलर ने शिन युबी को 11-9, 7-11, 12-10, 7-11, 11-7 से हराया, वहीं दिल्ली की खिलाड़ी ने जियोन जिही को 12-14, 13-11, 11-5 से हराया। 5-11, 12-10 ।

हालांकि, कोरिया ने स्कोरलाइन संतुलित करने के लिए संघर्ष किया। चोट से वापसी के बाद अपना दूसरा प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट खेल रही श्रीजा अकुला को ली यून्हे ने 0-3 से हरा दिया। तो युबिन ने इसके बाद करीबी मुकाबले में मनिका को 3-2 से हरा दिया, जिससे भारतीय खिलाड़ी ने दो गेम की हार से उबरने के लिए संघर्ष किया, लेकिन आखिर में पिछड़ गए। फिर फाइनल मैच में जिही के खिलाफ लगातार तीन गेम जीतकर अयहिका ने भारत को इस मुकाबले में बचाया और एक शानदार जीत दिलाई।

दिल्ली पहुंची टीम इंडिया, ढोल नगाड़ों के साथ हुआ स्वागत

सूर्यकुमार यादव ने किया भांगड़ा

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। ग्वालियर टी20 मैच जीतने के बाद टीम इंडिया मंगलवार यानी 8 अक्टूबर को दिल्ली पहुंच गई है। जहां भारतीय टीम का स्वागत ढोल नगाड़ों के साथ हुआ, इस दौरान टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ढोल की ताप पर भांगड़ा करते हुए नजर आए। इसका वीडियो बीसीसीआई ने अपने एक्स पर शेयर किया है। बता दें कि, 9 अक्टूबर को भारत और बांग्लादेश के बीच अरुण जेटली स्टेडियम में दूसरा टी20 मुकाबला खेला जाएगा।भारत और बांग्लादेश के बीच ग्वालियर में पहला टी20 मैच खेला गया, जिसे भारत ने जीता और सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली। वहीं फैंस को टीम इंडिया से दूसरे टी20 मैच में भी उम्मीद है कि वह बांग्लादेश को दूसरे टी20 मैच में भी हराएगी।

इससे पहले दोनों टीमों के बीच टेस्ट सीरीज खेली गई थी जिसे रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम ने 2-0 से अपने नाम किया था। वहीं टी20 सीरीज शुरू होने से पहले बांग्लादेश के कप्तान नजमुल शंटो ने कहा था कि, टीम टी20 सीरीज को आक्रामक होकर खेलेगी। जिसके बाद पहले टी20 में बांग्लादेश की पूरी टीम 127 रनों पर ही सिमट गई। भारत ने मैच 12वें ओवर से पहले ही जीत लिया था। बांग्लादेश के कप्तान ने पहले टी20 इंटरनेशनल मैच के बाद अपने बैटर्स को कड़ा संदेश देते हुए कहा था कि पावरप्ले में तेजी से बैटिंग करना बहुत जरूरी है। वहीं टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपने साथी खिलाड़ियों की जमकर तारीफ की थी।

श्रीलंका पर बड़ी जीत से नेट रन रेट में सुधार करने उतरेगा भारत

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। बल्लेबाजों के लचर प्रदर्शन के कारण पहले दो मैच में मिला-जुला परिणाम हासिल करने वाली भारतीय टीम महिला टी20 विश्व कप के ग्रुप ए में बुधवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ होने वाले मैच में बड़ी जीत दर्ज करके अपने नेट रन रेट में सुधार करने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम टूर्नामेंट में अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई है। उसे अपने पहले मैच में न्यूजीलैंड से 58 रन से हार का सामना करना पड़ा जबकि पाकिस्तान के खिलाफ 106 रन के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए उसने 18.5 ओवर खेले। भारत की टूर्नामेंट में अभी तक सबसे बड़ी समस्या बल्लेबाजों का लचर प्रदर्शन रहा है।

अंडर-19 टेस्ट मैच : हरवंश पंगालिया का शतक, भारत के पहली पारी में 492 रन

चेन्नई, 8 अक्टूबर। हरवंश पंगालिया (117) की शतकीय और नित्या पांडे (94), केपी कार्तिकेय (71), निखिल कुमार (61) कप्तान सोहम पटवर्धन (63) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर भारत की अंडर-19 टीम ने दूसरे टेस्ट मैच में मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 492 का स्कोर खड़ा किया है।

आज यहां चेपक स्टेडियम में भारतीय टीम ने कल के पांच विकेट पर 316 रन से आगे खेलना शुरु किया। अभी टीम के स्कोर में तीन रन का इजाफा हुआ था कि ओली पैटरसन ने कप्तान सोहम पटवर्धन (63) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद मोहम्मद एनान (26), समर्थ नागराज (20), चेतन शर्मा (शून्य) पर आउट हुये। छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने आये हरवंश पंगालिया शानदार बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए 143 गेंदों में सात चौके और छह छक्के लगाते हुए (117) रनों की पारी खेली। अनमोलजीत सिंह 11 रन बनाकर नाबाद रहे।

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता कुसाले के पिता ने कहा- मेरे बेटे को पांच करोड़ और फ्लैट मिलना चाहिए

मुंबई, 8 अक्टूबर। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले निशानेबाज स्वप्निल कुसाले के पिता ने महाराष्ट्र सरकार से उनके बेटे को मिली दो करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि उनका बेटा इससे अधिक सम्मान राशि पाने का हकदार है। कोल्हापुर के रहने वाले 29 वर्षीय स्वप्निल कुसाले ने अगस्त में पेरिस ओलंपिक खेलों की निशानेबाजी प्रतियोगिता में 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। उनके पिता सुरेश कुसाले ने कहा कि उनके बेटे को पांच करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि और पुणे के बालेवाड़ी में छत्रपति शिवाजी महाराज खेल परिसर के पास एक फ्लैट मिलना चाहिए।

स्टर्नहेगन भावनगर पोलो टूर्नामेंट

जयपुर यूएसपीए ने क्राइसिल पोलो को 9 गोलों से पराजित किया

जयपुर, 8 अक्टूबर। राजस्थान पोलो मैदान पर खेले गए मैच में जयपुर यूएसपीए ने क्राइसील पोलो को 8 के मुकाबले 9 गोलो से हराया। क्राइसील पोलो की ओर से अल्बेरदी ने 3 गोल, शमशीर अली ने 5 गोल किये वहीं जयपुर यूएसपीए की ओर से महाराज पदमनाभ सिंह ने 1, वाट्सन ने 4 ओर सिमरन शेरगिल और देवरत सिंह ने 2-2 गोल किये। मैच के एम्पायर मार्टिन स्कोर्टीचीनी ओर अंगद कलान ओर रेफ्री गोंजालो यनजोन थे।

दबदबा बरकरार रखने उतरेगा भारत, बाजी पलटने की कोशिश करेगा बांग्लादेश

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। पहले मैच में बड़ी जीत से उत्साहित भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपना दबदबा बरकरार रखने के लिए मैदान पर उतरेगी। बांग्लादेश की टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके तीन मैच की श्रृंखला को जीवंत बनाए रखने की कोशिश करेगी लेकिन सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने पहले मैच में जिस तरह का प्रदर्शन किया था उसे देखते हुए मेहमान टीम के लिए यह आसान काम नहीं होगा।

ऋषभ पंत, अक्षर पटेल और जसप्रीत बुमराह जैसे प्रमुख खिलाड़ियों को विश्राम दिए जाने के बावजूद भारतीय टीम ने ग्वालियर में पहले मैच में जिस तरह से शुरू से लेकर आखिर तक अपना दबदबा बनाए रखा उससे सीमित ओवरों की क्रिकेट में उसकी मजबूत 'बेंच स्ट्रेंथ' का पता चलता है। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन इस मैच में अपनी चमक बिखेरने के लिए आतुर होंगे। उन्होंने 2015 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था लेकिन प्रदर्शन में निरंतरता नहीं होने के कारण वह अंदर बाहर होते रहे। सैमसन अमूमन मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हैं लेकिन पहले मैच में उन्होंने पारी का आगाज किया था तथा 19 गेंद पर 29 रन बनाए थे।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने किया मथुरादास माथुर पोलो कप पोस्टर का विमोचन

जयपुर, 8 अक्टूबर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को यहाँ विधान सभा में मथुरादास माथुर पोलो कप पोस्टर का विमोचन किया। यह पोलो मैच 26 अक्टूबर को राजधानी के राजस्थान पोलो क्लब में आयोजित होगा। पोस्टर विमोचन करते हुए देवनानी ने पोलो कप के लिए आयोजकों को बधाई दी। इस मौके पर प्रदेश के पहले वित्त मंत्री रहे मथुरादास माथुर से जुडी यादें भी ताजा हुई। स्वर्गीय मथुरादास माथुर के पोते और पोलो कप के आयोजक विशाल माथुर ने बताया कि उन्होंने 2020 में अपने दिवंगत दादाजी की स्मृति में पोलो कप की शुरूआत की थी। इसका यह पांचवां सीजन जयपुर में होने जा रहा है। इसमें सुधीर कासलीवाल की ओर से एक फोटो प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी।

सलमान का शतक, पाक ने बनाये पहली पारी में 556

मुल्तान, 8 अक्टूबर। पाकिस्तान ने मंगलवार को पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन आगा सलामन (नाबाद 104)की शानदार शतक की बदौलत पहली पारी में इंग्लैंड के खिलाफ 556 रन स्कोर खड़ा किया है।

स्टेट स्नूकर में मोहित, अमित, शंटी, आदित्य क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

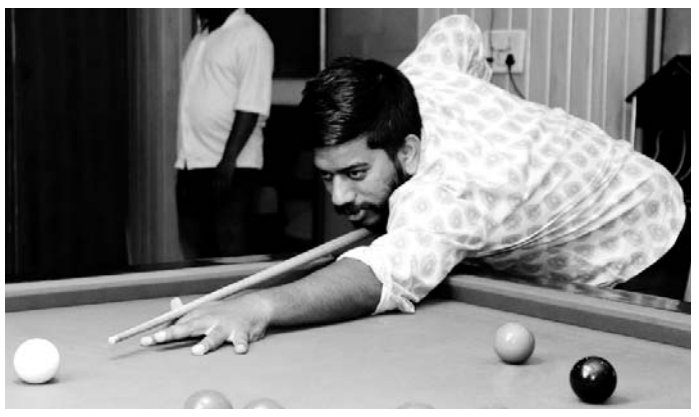

जयपुर, 8 अक्टूबर। श्री मुरारी मेघानी स्टेट स्नूकर में आज मोहित सिंह ने अपने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए राजस्थान स्टेट नंबर दो खिलाड़ी आकाश वाधवानी को पांच प्रेम के संघर्षपूर्ण मैच में तीन दो से हराया शुरू में मोहित सिंह दो फ्रेम नीचे चल रहे थे 21 -60 ,38-58, 63-59, 65-61, 62- 55 अंतिम तीनों फ्रेम उन्होंने जीत कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अमित जैन ने मोहित माथुर को एक कड़े संघर्ष में 48-17, 44- 49 ,67-26, 25-65, 68-52 से हराया मोहित माथुर ने शानदार किया किया लेकिन अमित जैन से जीत नहीं सके। ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री कुणाल मनचंदा के अनुसार डॉक्टर धीरज, शंटी, धीरज नाचनी, दीपक करवा, सौरभ जोशी आदित्य गोयंका ने अपने मैच जीत अगले राउंड में प्रवेश किया।

राजस्थान रणजी टीम घोषित : दीपक हुडडा को कप्तानी

जयपुर, 8 अक्टूबर। आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य विमल शर्मा के अनुसार आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीपबिहाणी के निर्देशनुसार बीसीसीआई के घरेलू क्रिकेट सत्र 2024-25 की राष्ट्रियक्रिकेट प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली राजस्थान सीनियर रणजी ट्रॉफी, अंडर 23 सी केनायडू ट्रॉफी व राजस्थान सीनियर महिला टीम का चयन आरसीए सीनियर मेन्सव सीनियर महिला चयन समिति ने किया। राजस्थान क्रिकेट संघ ने टीमों के नामों की घोषणा की।

राजस्थान सीनियर रणजी ट्रॉफी टीम घोषित

टीम : दीपक हुड्डा (कप्तान), अभिजीत तोमर, यश कोठारी, राम मोहन चौहान, सलमान खान, महिपाल लोमरोर, कुणाल सिंह राठौर, भारतशर्मा, अजय सिंह कुकना, मानव सुथार, राहुल चाहर, दीपक चाहर (उपकप्तान), अनिकेत चौधरी, खलील अहमद, अराफातखान

सुरक्षित खिलाड़ी : मोहित जैन, राजकुमार सैनी, समर्प्रित जोशी, राजेश बिश्नोई (जू.), जुबेर अली खान, राजवीरसिंह राठौर, शुभम गढ़वाल

अंडर 23 सी केनायडू ट्रॉफी टीम घोषित (पहले 2 मैचों के लिए)

करण लांबा (कप्तान), सुमित गोदारा (उपकप्तान), राज शर्मा,रोहन राजभर, सचिन यादव, हेमंत जोशी, अनिरुद्ध सिंह चौहान, मुकुल चौधरी, निखिल सचदेव, हिमांशु नेहरा, अशोक शर्मा, सलाउदीन, मोहित चांगरा, चेतन शर्मा, राहुल गर्ग, दीपेंद्र सिंह।

राजस्थान सीनियर वीमेन टीम घोषित

प्रियंका शर्मा (कप्तान), आयुषी गर्ग (उपकप्तान), बबितामीणा, संगीता कुमावत, तनूजा वैष्णव्, सुमित्रा जाट, कौशल्या चौधरी, सुमन मीणा, सोनल कलाल, शानू सेन, प्रियंका चौधरी, रिंकू टांक, भावना मीणा, ज्योति चौधरी, नीतू शर्मा, सुरक्षित खिलाडी, उषा परेरीआ, रुद्रास्क्षी सिंह,सिद्धि शर्मा, मंजू देवी, अक्षिता माहेश्वरी, डिम्पल कँवर।

अंडर-19 वीनू मांकड़ ट्रॉफी : संघर्षपूर्ण मैच में राजस्थान हारी, राजस्थान के सचिन और नावेद का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली में खेली जा रही बीसीसीआई के राष्ट्रियअंडर 19 एक दिवसीय वीनू मांकड ट्रॉफी के आज खेले गए राजस्थान - विधर्भ मैच में राजस्थान हारी : विधर्भपारी 233 /8 राजस्थान के गेंदबाज सचिन शर्मा 27/3 , नावेद 61 /3 व शुभंकर त्यागी 23 /1 विकेट प्राप्त किये। राजस्थान पारी 230/8, राजस्थान के लिए सचिन शर्मा ने गेंदबाजी के बाद बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन करते हुए अर्धशतकीय पारी खेली। टीम के लिए सचिन शर्मा 57, पार्थ यादव नाबाद 46, तोषितभाटिया 43, नावेद 26, कार्तिक शर्मा 16 व दर्शन जैन 11 रनो का योगदान दिया।

अंडर 19 वीमेन टी 20 ट्रॉफी

चंड़ीगढ़ में खेली जा रही बीसीसीआई अंडर 19 वीमेन टी 20 ट्रॉफी में आज राजस्थान ने झारखंड को 5 विकेट से हराया झारखण्ड पारी 88 /5, राजस्थान की गेंदबाज तनिका शर्मा 1/2, सोनम 5/2 व पर्ल 18 /1 विकेट प्राप्त किये। राजस्थान पारी 90/5, राजस्थान के लिए हैप्पी कुमारी नाबाद 30, पार्वती 23, अंजलि नाबाद 11 व श्रेया 10 रनो का योगदान दिया।

राजमाता जीजाबाई राष्ट्रीय महिला फुटबॉल चैम्पियनशिप, पंजाब और छत्तीसगढ़ जीते

जयपुर, 8 अक्टूबर। जयपुर के विद्याधर नगर स्थित फुटबॉल मैदान पर राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वाधान में रविवार से शुरू हुई राजमाता जीजाबाई राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन आज दो मैच खेले गए, संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया की सुबह आठ बजे खेले गए पहले मैच में छतिसगढ़ ने उत्तराखंड को 2-1 से हराया, रोमांचक मैच में छत्तीसगढ़ ने शुरुआत में ही प्रियंका (6 मिनट) के शानदार गोल से 1-0 की बढ़त बना ली लेकिन इसके बाद उत्तराखंड ने 45 वे मिनट में मिताली के गोल से बराबरी पर आ गई, लेकिन मैच के अंतिम मिनटों में उतराखंड के डिफेंस और गोलकीपर के बीच तालमेल की कमी दिखी और डिफेंडर एलिसा गुरंग ने एक आत्मघाती गोल कर लिया जो अंत तक कायम रहा और मुकाबला छत्तीसगढ़ के हक में गया, प्लेयर ऑफ द मैच छत्तीसगढ़ की सुमन यादव को चुना गया जिसे मुख्य अतिथि नगर निगम जयपुर हेरिटेज कुसुम यादव ने चुन्नरी एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया।

राजस्थान फुटबॉल संघ महिला विंग चेयरपर्सन रोशनी टाक ने बताया की शाम को पंजाब का मुकाबला मेजबान राजस्थान से रहा जिसमें पंजाब ने राजस्थान को 11- 0 से हराया मैच में पंजाब की निशा ने 28 वे, 56 वे, 87 वी, पलक ने 46 वे, 76 वे, 81 वे, 84 वे मिनट तथा बंदना ने 9 वे, 67 वे मिनट में, और सोबाम ने 45 वे मिनट में गोल कर पंजाब की जीत सुनिश्चित की,प्लेयर ऑफ द मैच पंजाब की पलक को चुना गया जिसे मुख्य अतिथि राजस्थान ओलंपिक संघ के अध्यक्ष तेजस्वी गहलोत और राजस्थान फुटबॉल संघ महिला विंग वाइस चेयरपर्सन प्रतिभा मीणा ने चुन्नरी और मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। मैच संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत और महिला विंग चेयर पर्सन रोशनी

MARUTI SUZUKI ARENA

उमंग भरी ड्राइव्स के साथ मनाइए नवरात्रि की खुशियां।

पाएं आकर्षक ऑफ़र्स मन की शांति के साथ।

महा बचत

ALTO K10	S-PRESSO	WAGONR	CELERIO
₹66 400*	₹72 950*	₹63 100*	₹78 000*

3 years 100 000 km WARRANTY* EXTENDABLE UPTO 6 YEARS

Scan to know more. SMART FINANCE AN ONLINE END-TO-END CAR FINANCE SOLUTION
- Pre-approved loans
- Multiple financiers
- Custom generated loans
- Loan status tracking

SCAN TO CHAT WITH US

ALTO K10 S-PRESSO WAGONR CELERIO

E-BOOK TODAY AT WWW.MARUTISUZUKI.COM OR VISIT YOUR NEAREST MARUTI SUZUKI DEALERSHIP.

Black glass on the vehicle is due to lighting effect

MARUTI SUZUKI AUTHORIZED DEALERS: KTL AUTOMOBILE PVT. LTD.: VAISHALI MARG, VAISHALI NAGAR: 9209056789. VIPUL MOTORS PVT. LTD.: TONK ROAD: 2727000, 7340045958. AJMER ROAD: 4065555, 9660000363. K.P. AUTOMOTIVES PVT. LTD.: ADARSH NAGAR: 4074444, 9549650361. BANIPARK: 0141-4072222, 9549651818. SATNAM MOTOCORP PVT. LTD.: MALVIYA NAGAR: 0141-6765318, 8302290000. CHOMU: 8000206482. PREM MOTORS PVT. LTD.: CORPORATE PARK, GOPAL BARI, AJMER ROAD: 4511111, 9785034000. JAIPUR-VKI, ROAD NO.8: 4411111, 9785023000. SANGA AUTONATION: 9057809150, 7734901000. AURIC MOTORS PVT LTD.: MANSAROVAR: 8929207471.

*Offer includes consumer offer, exchange bonus and institutional or rural offer (wherever applicable) on selected models/variants. Above mentioned savings amount is the value of maximum savings on selected models. **Terms and conditions apply. For more details, please contact your nearest ARENA dealership. Offer valid with select financiers only. Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Black Glass Shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Car color may vary due to printing on paper. Offers vary across variants. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. *3 years or 100 000 km whichever is earlier. Above offers are valid till 31st Oct, 2024.